रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, गुरुवार 17 अक्टूबर 2024 ● आश्विन पूर्णिमा, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 187 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	30.9	24.4
जमशेदपुर	32.6	24.0
डालटनगंज	32.4	23.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

उमर अब्दुल्ला ने ली शपथ, जम्मू कश्मीर में नई सरकार

■ सुरिंदर चौधरी बने डिप्टी सीएम, कुल छह मंत्रियों ने ली शपथ ■ खरगे, राहुल-प्रियंका, अखिलेश समेत कई बड़े नेता हुए शामिल

एजेंसिया। श्रीनगर

नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली. उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में अब्दुल्ला और उनके मंत्रियों को शपथ दिलाई.

मेंढर से नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक जावेद अहमद राणा, रफियाबाद से जावेद अहमद डार, डीएच पोरा से सकीना इट्टू और नौशेरा से सुरिंदर कुमार चौधरी को भी एलजी सिन्हा ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ दिलाई. सुरिंदर चौधरी डिप्टी सीएम बनाए गए हैं. चौधरी ने नौशेरा से भाजपा के रविंदर रैना को हराया है.

जम्मू कश्मीर के नए सीएम उमर अब्दुल्ला के साथ प्रियंका व राहुल गांधी.

छंब सीट से निर्दलीय विधायक सतीश शर्मा को उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में जगह दी गई. शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी मौजूद रहीं. वहीं, नेकां प्रमुख फारूक अब्दुल्ला, केसी वेणुगोपाल, सुप्रिया सुले सपा प्रमुख अखिलेश यादव, पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती, आप नेता संजय सिंह, माकपा नेता डी राजा सहित इंडिया गठबंधन के अन्य नेता यहां मौजूद रहे. केंद्र शासित प्रदेश में 10 साल बाद विधानसभा चुनाव हुए हैं. कांग्रेस पार्टी ने उमर अब्दुल्ला की सरकार को बाहर से समर्थन देने का फैसला किया है.

कांग्रेस का सरकार से बाहर रहने का फैसला

जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख तारिक हमीद कर्रा ने कहा कि कांग्रेस फिलहाल जम्मू-कश्मीर सरकार में मंत्रालय में शामिल नहीं हो रही है. कांग्रेस ने केंद्र से जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने की जोरदार मांग की है, इसके अलावा प्रधानमंत्री ने भी कई बार सार्वजनिक बैठकों में इसका वादा किया है. लेकिन जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल नहीं किया गया है. हम नाखुश हैं इसलिए फिलहाल हम मंत्रालय में शामिल नहीं हो रहे हैं, राज्य कांग्रेस प्रमुख ने कहा और कहा कि कांग्रेस पार्टी राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए लड़ाई जारी रखेगी.

जम्मू-कश्मीर का नया मंत्रिमंडल

■ उमर अब्दुल्ला- मुख्यमंत्री, ■ सुरिंदर चौधरी- उपमुख्यमंत्री, ■ सतीश शर्मा- मंत्री, ■ जावेद राणा- मंत्री, ■ सकीना इट्टू- मंत्री, ■ जावेद अहमद डार- मंत्री एसके

पीएम नरेंद्र मोदी और राजनाथ ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) नेता उमर अब्दुल्ला को जम्मू-कश्मीर का नया मुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी है. उन्होंने कहा कि केंद्र जम्मू-कश्मीर की प्रगति के लिए उनके और उनकी टीम के साथ मिल कर काम करेगा. पीएम मोदी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर उमर अब्दुल्ला जी को बधाई. लोगों की सेवा के उनके प्रयासों के लिए उन्हें शुभकामनाएं.

नायब सैनी आज संभालेंगे हरियाणा की कमान

▪ पीएम मोदी समेत एनडीए के कई बड़े नेता होंगे शामिल

एजेंसियां। पंचकूला

हरियाणा के नए सीएम नायब सैनी होंगे. पंचकूला स्थित भाजपा दफ्तर में भाजपा विधायक दल की बैठक में बुधवार को उन्हें सर्वसम्मति से चुन लिया गया. भाजपा के प र्यव ेक्षक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और एमपी के सीएम मोहन यादव बैठक में मौजूद रहे. विधायक दल की बैठक में अनिल विज और कृष्ण बेदी ने सैनी का नाम रखा था. सैनी गुरुवार को पंचकूला में शपथ लेंगे. शपथ ग्रहण समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे. बैठक के बाद सीएम नायब सैनी राज्यपाल से मिलने पहुंचे और सरकार बनाने का दावा पेश किया. अमित शाह ने कहा कि बैठक में एक ही प्रस्ताव मिला जो नायब सिंह सैनी के नाम का था. मैं उनका नाम घोषित करता हूं. नायब सैनी को बहुत बहुत बधाई देता हूं. वहीं मुख्यमंत्री सैनी ने एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि शपथ ग्रहण समारोह के साथ ही 24 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी दी जाएगी. गृहमंत्री अमित शाह रात को चंडीगढ़ के ललित होटल में रुकेंगे. गुरुवार को शपथ ग्रहण समारोह के बाद पीएम नरेंद्र मोदी हरियाणा राजभवन में मीटिंग लेंगे.

-पेज 12 भी देखें

सर्राफा

सोना (बिक्री)	71,900
चांदी (किलो)	96,000

ब्रीफ खबरें

अलका होंगी झारखंड की नयी मुख्य सचिव!

रांची। सीनियर आईएएस अलका तिवारी को झारखंड का अगला मुख्य सचिव बनाया जा सकता है. भारत सरकार ने आईएएस अलका तिवारी को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से उनके मूल कैडर झारखंड में वापस करने का आदेश जारी किया है. इसके बाद यह अनुमान लगाया जा रहा है कि उन्हें मुख्य सचिव के पद पर पदस्थापित किया जा सकता है. अलका तिवारी 1988 बैच की आईएएस हैं. फिलहाल वह केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं.

27 अक्टूबर को होने वाली पीसीएस परीक्षा स्थगित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की पीसीएस परीक्षा 2024 स्थगित हो गई है. आयोग ने ऑफिशियल वेबसाइट uppsc.up.nic.in पर परीक्षा स्थगित होने की जानकारी साझा की है. यह परीक्षा 27 अक्टूबर, 2024 को निर्धारित थी. नयी तारीख जल्द ही आयोग की ऑफिशियल वेबसाइट पर ही साझा की जाएगी. परीक्षा दिसंबर में ली जा सकती है.

अपने रिटायर कर्मियों को फिर जॉब देगी रेलवे

नयी दिल्ली। रेलवे ने अपने रिटायर कर्मियों को खुशखबरी दी है. रेलवे ने बताया कि कर्मियों की कमी देखते हुए रिटायर कर्मियों को बार फिर से कॉन्ट्रैक्ट बेसिस पर नौकरी देंगे. जोन के जनरल मैनेजर को यह अधिकार होगा कि वो रिटायर्ड कर्मियों को नौकरी पर रख सकेंगे. हालांकि, ये एक कॉन्ट्रैक्ट बेसिस की जॉब होगी, जिसमें कोई कर्मी दो साल या 65 साल की आयु (जो भी पहले हो) तक ही नौकरी कर सकता है.

झारखंड विस चुनाव 2024

पार्टियों में टूट, उछल-कूद दलबदल के भी मिले संकेत

सीट शेयरिंग, प्रत्याशियों की घोषणा... सिर्फ कयास ही कयास

उम्मीदवारी की घोषणा से पहले ही इधर-उधर होने लगे नेता

रवि भारती। रांची

झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर एक ओर जहां एनडीए में सीट शेयरिंग फाइनल हो चुका है, वहीं इस फोल्डर की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा ने अपने प्रत्याशियों की पहली सूची जारी करने की तैयारी कर ली है. उधर इंडी गठबंधन में सीट शेयरिंग के मामले को लेकर दिल्ली में बैठक हो रही है. कुछ सीटों पर जिच है, जिसे लेकर इंडी गठबंधन के शीर्ष नेताओं की बातचीत जारी है.

हालांकि न तो एनडीए में शामिल पार्टियों ने अपने प्रत्याशियों की आधिकारिक घोषणा की है और न इंडी गंठबंधन ने, लेकिन सोशल मीडिया पर दोनों गठबंधन की सीट शेयरिंग से लेकर प्रत्याशियों तक की सूची वायरल हो रही है. दोनों गठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर जो चर्चा सोशल मीडिया पर हो रही है, उसमें नेताओं के दल बदलने की बातों को भी जिक्र है. इनमें एनडीए के घटक आजसू के वैसे नेता, जिन्होंने पांच साल तक फील्ड में तैयारी कर रखी है, वे ज्यादा आहत हैं और दूसरी पार्टियों में राजनीतिक भविष्य तलाश रहे हैं. हालांकि इसकी जनकारी उस पार्टी के सुप्रीमो को भी है, लेकिन वे चाह कर भी कुछ कर पाने की स्थिति में नहीं हैं. वैसे उनकी पार्टी के एक-दो नेताओं के भाजपा में शामिल होने की भी सूचना तेजी से फैल रही है. लेकिन जबतक सीट शेयरिंग व प्रत्याशियों की आधिकारिक घोषणा नहीं हो जाती, तबतक कुछ कहा नहीं जा सकता. इन सब के बीच झारखंड पार्टी ने अपने पांच उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है. एनोस एक्का ने अपने बेटे को कोलेबीरा से चुनावी समर में उतारा है. भाजपा प्रत्याशियों की घोषणा एक-दो दिन में होने की संभावना है. दिल्ली से लौटे भाजपा अध्यक्ष की बातों से तो कुछ ऐसे ही संकेत मिले हैं.

दल-बदल

विधानसभा चुनाव में एनडीए और इंडी गठबंधन अपनी-अपनी तैयारी में जुटा है. एनडीएन में सीट शेयरिंग लगभ फाइनल हो चुका है. आजसू को 10, जदयू को दो और लोजपा के एक सीट पर चुनाव लड़ने की बात सामने आ रही है. लेकिन सीट शेयरिंग व प्रत्याशियों की कथित सूची सोशल मीडिया पर वायरल होने और सबके अपने-अपने दावे के बीच नेताओं के भी इधर-उधर उछल-कूद मचाने की जानकारी मिल रही है. आजसू के प्रधान महासचिव सह पूर्व मंत्री उमाकांत रजक के बारे में चर्चा है कि उनकी सीट भाजपा के खाते में चली गयी है, तो वे अब झामुमो के टिकट पर चुनाव लड़ने का मन बना चुके हैं. झामुमो इस पर सहमत है या नहीं, यह तो नहीं कहा जा सकता है, लेकिन जब शह-मात का खेल होगा, तो दोनों गठबंधन में शामिल दलों के दिग्गज एक-दूसरे को राजनीतक पटकनी देने का कोई भी मौका चूकेंगे नहीं.

आजसू को जो सीटें मिली हैं, उनमें से कई पर उसका जनाधार नहीं : सीट शेयरिंग में आजसू को चार सीटें वैसी मिली हैं, जहां उसका जनाधार ही नहीं है. यानि उन सीटों पर जीत को लेकर संशय है. जहां उसके नेता अच्छी स्थिति में हैं और पूरी तैयारी कर रखी है, वैसी सीटें भाजपा के पास चली गयी हैं. ऐसे में संभव है आजसू के कुछ नेता या तो बागी रूख अपनाएंगे, गठबंधन के प्रत्याशी के खिलाफ ही चुनाव लड़ जाएंगे, या विपक्षी खेमे से हाथ मिला लेंगे,

भाजपा अपने पांच पूर्व सांसदों को मैदान में उतार सकती है

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, भाजपा की ओर से पांच पूर्व सांसदों को विधानसभा चुनाव में उतारने की तैयारी है. दुमका से सुनील सोरेन, बेरमो से रवींद्र पांडेय, जगन्नाथपुर से गीता कोड़ा, गुमला से सुदर्शन भगत और राजधनवार से बाबूलाल मरांडी के नाम शामिल हैं. हालांकि मरांडी अभी भी राजधनवार से ही विधायक हैं. अर्जुन मुंडा के चुनावी समर में उतरने के आसार कम ही हैं.

सीटों की अदला-बदली की भी चर्चा

जानकारी के अनुसार भाजपा सीटों की अदला-बदली भी कर सकती है. हटिया से भाजपा विधायक नवीन जायसवाल को रांची सीट से उम्मीदवार बनाया जा सकता है. वहीं हटिया सीट से अजयनाथ शाहदेव को चुनावी समर में उतार कर इंडी गठबंधन को झटका देने की रणनीति पर भी भाजपा काम कर रही है. सिर्फ किसी सीट से नहीं, बल्कि कुछ और सीटों पर भी भाजपा यह खल कर सकती है.

सोशल मीडिया पर प्रत्याशियों की तरह- तरह की सूची वायरल

एनडीए व इंडी गठबंधन में शामिल पार्टियों के प्रत्याशियों की तरह-तरह की सूची सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है. झामुमो की वायरल सूची में आजसू नेताओं के नाम भी शामिल हैं, वहीं एनडीए गठबंधन में शामिल भाजपा की सूची में कांग्रेस नेता के भी नाम शामिल हैं. वैसे अलग- अलग पार्टियों की अलग-अलग की तरह की सूची वायरल हो रही है. लेकिन आधिकारिक तौर पर किसी भी पार्टी या गठबंधन ने अपने प्रत्याशियों की सूची जारी नहीं की है.

देवघर : 70 हजार रिश्वत लेते सिविल सर्जन धराए

एसीबी की टीम पूछताछ के लिए ले गई दुमका

संवाददाता। रांची/देवघर

गिरफ्तार सिविल सर्जन रंजन सिन्हा.

एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने देवघर के सिविल सर्जन को रंगेहाथ 70 हजार घूस लेते गिरफ्तार किया है. दुमका एसीबी की टीम ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए बेला बागान स्थित आवास से सिविल सर्जन को घूस लेते दबोचा. सिविल सर्जन ने अस्पताल से जुड़े एक काम की रिपोर्ट देने नाम पर घूस की मांग की थी. लेकिन वादी घूस देने को तैयार नहीं था.

इसके बाद वादी ने एसीबी से इसकी शिकायत की थी. एसीबी ने मामले का सत्यापन कराया, तो घूस मांगे जाने की बात सही पायी गयी. इसके बाद एसीबी ने सिविल सर्जन को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तारी के बाद एसीबी की टीम सिविल सर्जन को अपने साथ लेकर दुमका चली गयी.

प्रोविजनल प्रमाण-पत्र रेन्युअल के नाम पर मांगी घूस : एसीबी से किए शिकायत में मधुपुर में बंगाल नर्सिंग होम चलाने वाले आसनसोल निवासी महफूज आलम ने कहा कि साल 2020 में उन्होंने मधुपुर के कॉलेज रोड में दस बेड का अस्पताल खोला है. इनके नर्सिंग होम का नौ जून 2024 तक का प्रोविजनल प्रमाण-पत्र (सं0-203500021) था. जिसका रेन्युअल कराना था. इस बीच इनका गॉल ब्लाडर का ऑपरेशन हुआ था. जिसके कारण नर्सिंग होम संचालक ने 24 दिन की देरी से तीन जुलाई 2024 को प्रमाण-पत्र रेन्युअल का आवेदन सिविल सर्जन कार्यालय, देवघर को दिया.

लेकिन काफी दिन के बाद भी जब इनके आवेदन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई तो ये सिविल सर्जन डॉ. रंजन सिन्हा से मिले. सिविल नर्सिंग होम का प्रमाण-पत्र रेन्युअल कराने के नाम पर एक लाख रुपए घूस की मांग की थी.

हर नौवें दिन एक गिरफ्तारी

जून से लेकर अब तक एसीबी की कार्रवाई में 15 अफसरों और कर्मियों को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है. 7 अक्टूबर को बोकारो के नावाडीह में पंचायत की मुखिया के पति को योजना में घूस लेने पर गिरफ्तार किया गया. सितंबर में हजारीबाग के प्रादेशिक परिवहन प्राधिकार कार्यालय में क्लर्क विकास कच्छप और लातेहार सदर हॉस्पिटल में फार्मासिस्ट परमानंद को पकड़ा गया. अगस्त में गढ़वा के कांडी हाई स्कूल की प्राचार्या विद्यानी बाखला और बड़कागांव की एक पंचायत की मुखिया और उनके, जुलाई में लोहरदगा आपदा प्रबंधन पदाधिकारी विभाकर, हजारीबाग में खासमहाल के कर्मी ओहदार तिर्की, लातेहार के बारियातू के एएसआई धीरेंद्र कुमार, जून में रांची के रातू थाने के दारोगा सत्येंद्र सिंह और रांची स्थित झारखंड मंत्रालय की सेक्शन ऑफिसर ममता एक्का आदि रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किए गए थे.

ट्रेंडिंग न्यूज

पटना

बिहार में जहरीली शराब से पांच लोगों की मौत

बिहार के सीवान और सारण जिलों में जहरीली शराब पीने से पांच लोगों की मौत हो गई और कई अन्य अस्पताल में भर्ती हैं. बताया गया कि कौड़िया वैसी टोला गांव में उल्टी, सिरदर्द और पेट दर्द जैसे लक्षणों के साथ लोगों को इलाज के लिए भगवानपुर स्थित स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया. इलाज के दौरान पांच लोगों की मौत हो गई.

दुबई

डिविलियर्स, कूक व नीतू हॉल ऑफ फेम में

आईसीसी ने एक बड़ा ऐलान किया है. उसने बुधवार को तीन नए दिग्गज क्रिकेटर्स को हॉल ऑफ फेम में शामिल किया है. इस बार ये सम्मान साउथ अफ्रीका के दिग्गज खिलाड़ी एबी डिविलियर्स, इंग्लैंड के एलिस्टर कूक के साथ भारतीय दिग्गज नीतू डेविड को मिला है.

नयी दिल्ली

वीआईपी सुरक्षा से हटेंगे एनएसजी कमांडो

केंद्र सरकर ने आदेश दिया है कि सभी वीआईपी सिक्योरिटी ड्यूटी से एनएसजी कमांडो को हटा लिया जाए. क्योंकि इनका इस्तेमाल सिर्फ आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए किया जाएगा. जिन वीआईपी को बहुत ज्यादा खतरा है, उनकी सिक्योरिटी का कमान अब सीआरपीएफ के हवाले होगी.

कैबिनेट का फैसला किसानों और कर्मचारियों को केंद्र सरकार ने दिया दिवाली गिफ्ट

गेहूं, चना समेत रबी की छह फसलों पर बढ़ाया एमएसपी

एजेंसियां। नयी दिल्ली

किसानों को मोदी सरकार ने बुधवार को दिवाली पर बड़ा गिफ्ट दिया है. सरकार ने कैबिनेट की बैठक करके रबी फसलों की एमएसपी बढ़ा दी है. केंद्र सरकार ने 2025-26 सीजन के लिए रबी की 6 फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि की घोषणा की. इस फैसले के तहत अलग-अलग फसलों के एमएसपी में वृद्धि की गई है, जिससे किसानों को उनकी फसलों के बेहतर दाम मिल सकेंगे.

सरकार का यह कदम किसानों को उनकी फसलों के उचित मूल्य दिलाने के मकसद से उठाया गया है. केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, रबी फसलों की एमएसपी बढ़ाई गई है. किसानों के कल्याण से जुड़ा सबसे बड़ा फैसला लिया गया. सरकार की सोच स्पष्ट है और किसानों के कल्याण पर पूरा ध्यान है. रबी विपणन सत्र के लिए एमएसपी को मंजूरी दे दी गई है. इस प्रक्रिया में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है. सबसे बड़ी बात यह है कि कीमत लागत से 50% अधिक होनी चाहिए. किसानों के उत्थान के लिए एमएसपी में बढ़ोतरी की गई है.

काशी में बनेगा सबसे बड़ा ब्रिज : मंत्री ने बताया कि बनारस का मालवीय पुल 137 साल पुराना हो चुका है और नया पुल बनाने का फैसला हुआ है. अश्विनी वैष्णव ने कहा, नए पुल में निचले डेक पर 4 रेलवे लाइनें होंगी और ऊपरी डेक पर 6-लेन राजमार्ग होगा. यातायात क्षमता के लिहाज से यह दुनिया के सबसे बड़े पुलों में गिना जाएगा. यह 2,642 करोड़ रुपए की लागत से बनाया जाएगा.

नई अधिसूचना के अनुसार घोषित एमएसपी

- गेहूं का एमएसपी 2,425 प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जो पहले 2,275 था.
- **जौ का एमएसपी 1,980 प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जो पहले 1,850 था.**
- चना का एमएसपी 5,650 प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जो पहले 5,440 था.
- **मसूर (लेंस) का एमएसपी 6,700 प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जो पहले 6,425 था.**
- सरसों का एमएसपी 5,950 प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जो पहले 5,650 था.
- कुसुम (सफ्लॉवर) का एमएसपी 5,940 प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जो पहले 5,800 था.

केंद्रीय कर्मियों का बढ़ा महंगाई भत्ता

केंद्र सरकार ने बुधवार को कैबिनेट की बैठक में अहम फैसलों को मंजूरी दी है. देश के एक करोड़ के लगभग सरकारी कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ा है. इस तरह केंद्र सरकार ने करीब 49 लाख कर्मचारियों और 60 लाख पेंशनधारकों का महंगाई भत्ता और महंगाई राहत यानी डीए और डीआर तीन फीसदी बढ़ाया है. त्योहारी सीजन में सरकार के कर्मचारियों के लिए तो सरकार ने कम से कम बंपर खुशियों का इंतजाम कर ही दिया है.

दिवाली से पहले कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 50 फीसदी से बढ़ कर 53 फीसदी हो गया है और कैबिनेट बैठक में इस फैसले पर मुहर लगा दी गई है. सरकारी कर्मियों और पेंशनर्स को इस बार अक्टूबर की सैलरी में खूब बढ़ कर राशि मिलेगी क्योंकि महंगाई भत्ता एक जुलाई 2024 से लागू माना जाएगा.

हमें विकसित राष्ट्र बनने के लिए 10 करोड़ नौकरियां पैदा करनी होंगी : एन चंद्रशेखरन

एजेंसिंया। नयी दिल्ली

टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की राह में नई नौकरियों को लाए जाने की बात कही है.

चंद्रशेखरन ने जोर देकर कहा है कि भारत विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है और देश को बढ़ते कार्यबल की रोजगार जरूरतों को पूरा करने के लिए 10 करोड़ नौकरियों का सृजन करने की जरूरत है. टाटा समूह देश में अधिक से अधिक विनिर्माण नौकरियां बनाने पर भी ध्यान दे रहा है, क्योंकि पूरा इकोसिस्टम भारतीय कंपनियों, विशेषकर 500,000 छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई) के लिए कई अवसरों से भरा हुआ है. चंद्रशेखरन के अनुसार, टाटा समूह सेमीकंडक्टर, प्रिसिशन मैन्युफैक्चरिंग, असेंबली, इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी और संबंधित उद्योगों में निवेश कर रहा है, इसलिए वह अगले पांच वर्षों में पांच लाख विनिर्माण नौकरियां पैदा कर सकता है. सेमीकंडक्टर विनिर्माण जैसे क्षेत्र कई अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा कर सकते हैं.

टाटा समूह 5 साल में 5 लाख विनिर्माण नौकरियां पैदा करेगा

विकसित राष्ट्र बनने के लिए नौकरियां जरूरी : भारतीय गुणवत्ता प्रबंधन फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा, हमें विकसित राष्ट्र बनने के लिए 100 मिलियन नौकरियां पैदा करने की जरूरत है. देश में हर महीने लगभग दस लाख लोग कार्यबल में शामिल होते हैं, जिससे देश के भविष्य के विकास के लिए विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार सृजन आवश्यक हो जाता है. चंद्रशेखरन ने जोर देकर कहा कि भारत को एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए निर्माण नौकरियों का सृजन अत्यंत महत्वपूर्ण है. उन्होंने कहा, हम विकसित भारत के लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर सकते, यदि हम निर्माण नौकरियां नहीं बना सकते.

एनडीए और इंडिया गठबंधन को चुनावी मैदान में पटखनी देने के लिए छोटे दल भी हुए सक्रिय

बड़े दलों के खेल बिगाड़ने को बेचैन छोटे दल

रेहान अहमद। रांची

चुनाव आयोग ने झारखंड में विधानसभा चुनाव की तिथियों की घोषणा कर दी है. दो चरणों में चुनाव होंगे. पहला चरण 13 नवंबर और दूसरा चरण 20 नवंबर को होगा. इस चुनाव में मुख्य मुकाबला बड़े दलों, यानी एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच होगा. एनडीए में भारतीय जनता पार्टी, आजसू पार्टी और जदयू शामिल हैं, जबकि इंडिया गठबंधन में झामुमो, कांग्रेस, राजद और वाम दल शामिल हैं.

इस चुनावी मुकाबले के मैदान में बड़ी संख्या में छोटे दल भी शतरंज के मोहरे की तरह बड़े दलों के प्रत्याशी को शिकस्त देने के लिए तैयार हो रहे हैं. इन छोटे दलों के नेता पहले एनडीए या इंडिया गठबंधन का समर्थन करते थे. इनके समर्थन से भी बड़े दलों को चुनाव में लाभ होता था, लेकिन छोटे-छोटे दलों के चुनावी मैदान में उतरने से भले ही इनका कुछ हो या ना हो, लेकिन ये बड़े दलों का चुनावी खेल बिगाड़ सकते हैं.

वीआईपी 20 से अधिक सीटों पर लड़ेगी : विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) विधानसभा चुनाव में 20 से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ेगी. प्रदेश अध्यक्ष प्रो राजकुमार चौधरी समेत उनकी पार्टी चुनाव की तैयारी में जुटी हुई है.

झारखंड पार्टी 25 सीटों पर लड़ेगी : झारखंड पार्टी के महासचिव अशोक कुमार ने कहा कि आज विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की ओर से सात सीटों की घोषणा की गई है. उन्होंने बताया कि जल्द ही आगे की रणनीति भी घोषित की जाएगी और उनका लक्ष्य 25 सीटों पर चुनाव लड़ने का है.

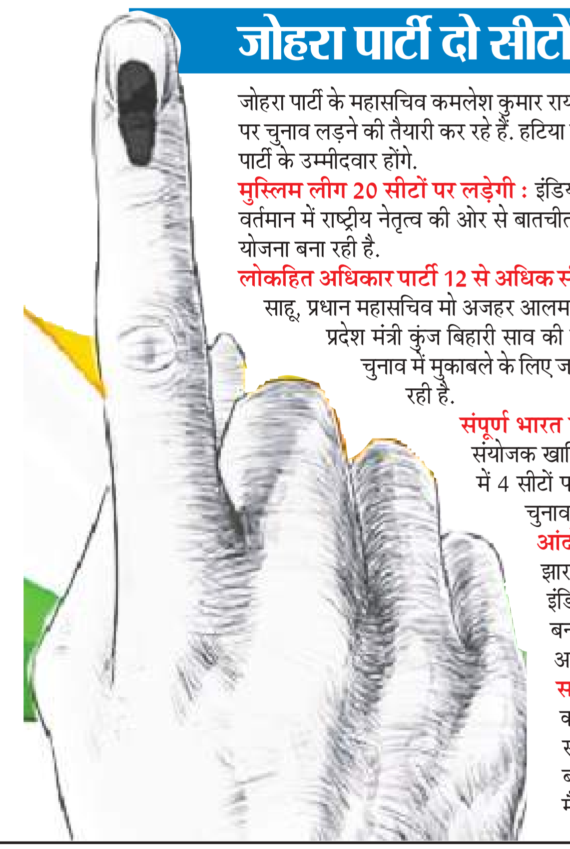

जोहरा पार्टी दो सीटों पर लड़ेगी

जोहरा पार्टी के महासचिव कमलेश कुमार राय ने कहा कि वे विधानसभा चुनाव में हटिया और बोकारो से दो सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं. हटिया से केंद्रीय अध्यक्ष विजय कुमार महतो और बोकारो से मनोज महली पार्टी के उम्मीदवार होंगे.

मुस्लिम लीग 20 सीटों पर लड़ेगी : इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के महासचिव मो शहाबुद्दीन ने कहा कि वर्तमान में राष्ट्रीय नेतृत्व की ओर से बातचीत चल रही है, और पार्टी 20 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ने की योजना बना रही है.

लोकहित अधिकार पार्टी 12 से अधिक सीटों पर लड़ेगी : लोकहित अधिकार पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू, प्रधान महासचिव मो अजहर आलम, प्रदेश उपाध्यक्ष हरिनाथ साहू, प्रदेश महासचिव संजय स्नेही, और प्रदेश मंत्री कुंज बिहारी साव की मौजूदगी में पार्टी ने अब तक 12 उम्मीदवारों की सूची विधानसभा चुनाव में मुकाबले के लिए जारी की है. पार्टी इससे अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने की योजना बना रही है.

संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी 15 सीटों पर लड़ेगी : संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी के संयोजक खालिद खलील ने कहा कि उनकी पार्टी की ओर से विधानसभा चुनाव में 4 सीटों पर चुनाव लड़ने की सूची जारी की गई है. पार्टी कुल 15 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और जल्द ही अगली सूची जारी की जाएगी.

आंदोलनकारी मोर्चा, सीट नहीं तो रणनीति स्थापित करेंगे : झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के पुष्कर महतो ने कहा कि उन्होंने इंडिया गठबंधन से कम से कम एक आंदोलनकारी को उम्मीदवार बनाने के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है. यदि बात नहीं बनती है, तो आगे की रणनीति तैयार की जाएगी.

सहमति नहीं बनी, तो सीपीआई 25 सीटों पर लड़ेगी : भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के सचिव हरेंद्र पाठक और कार्यालय सचिव अजय सिंह ने कहा कि यदि इंडिया गठबंधन के साथ सहमति बनती है, तो वे लोग साथ रहेंगे. अन्यथा, वे 25 सीटों पर चुनावी मैदान में उतरने के लिए तैयार हैं.

दस राजनीतिक दलों की पार्टी 'जनमत' 81 सीटों पर लड़ेगी

झारखंड के दस राजनीतिक दलों की पार्टी "जनमत" में शामिल हैं. झारखंड पीपुल्स पार्टी (अध्यक्ष पूर्व विधायक सूर्य सिंह बेसरा), झारखंड मुक्ति मोर्चा (उलगुलान) (अध्यक्ष पूर्व सांसद कृष्णा मार्डी), भागीदारी पार्टी (अध्यक्ष श्याम बिहारी प्रजापति), झारखंड पार्टी (होरो) (प्रभारी अलेस्टर बोदरा), आरपीआई (अम्बेडकर) (अध्यक्ष प्रीतम लोहरा), लोकजन समाज पार्टी (अध्यक्ष सतीश कुमार चतुर्वेदी), राष्ट्रीय जनक्रांति मोर्चा (अध्यक्ष मोलाना मोबीन रिजवी), बहुजन मुक्ति पार्टी (अध्यक्ष मुरलीधर राम), अखिल भारतीय मानव सेवा दल (अध्यक्ष शिव प्रसाद अग्रवाल) और आदर्श संग्राम पार्टी (अध्यक्ष गौतम भारती). इमाम सफी ने बताया कि जनमत की पूर्व प्रस्तावित पंचशील नामक घोषणापत्र पर चर्चा होगी, जिसमें सुशासन, सत्ता का विकेंद्रीकरण, पांच वर्षों में पांच मुख्यमंत्री, गांवों के सशक्तिकरण के लिए पांच करोड़ हस्तांतरण, जनजातीय और क्षेत्रीय भाषाओं का विकास, और "अबूआ दिसुम आबुआ राज" (स्वराज) शामिल हैं. जनमत के सभी घटक दलों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया है कि आगामी विधानसभा चुनाव में सभी 81 विधानसभा क्षेत्रों में "जनमत" मजबूती से चुनाव लड़ेगी.

दोनों बड़े दलों से मांगा है उम्मीदवार, नहीं मिला तो करेंगे मुकाबला: वैश्य मोर्चा

झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा के मीडिया प्रभारी राहुल वैश्य ने कहा कि वैश्य मोर्चा ने एनडीए और इंडिया गठबंधन दोनों से अपने समाज के प्रत्याशी विधानसभा चुनाव में देने की मांग की है. यदि उनकी मांगों को नजरअंदाज किया गया, तो मोर्चा मुकाबले के लिए मैदान में उतरने को बाध्य होगा.

चुनाव अपडेट

झारखंड में जनता दल यूनाइडेट को गैस सिलेंडर चुनाव चिह्न मिला

जमशेदपुर। झारखंड में जनता दल (यू) गैस सिलेंडर के चुनाव चिन्ह पर विधानसभा चुनाव लड़ेगा. यह चुनाव चिह्न भारतीय जनतंत्र मोर्चा का था. भारतीय जनतंत्र मोर्चा का विलय जदयू में हो जाने के कारण निर्वाचन आयोग ने यह चुनाव चिह्न जदयू को आवंटित कर दिया है. इस प्रकार सरयू राय जमशेदपुर पश्चिम से चुनाव लड़ेंगे तो उनका चुनाव चिन्ह गैस सिलेंडर होगा. 2019 में जब उन्होंने जमशेदपुर से चुनाव लड़ा था, तब भी उनका चुनाव चिह्न गैस सिलेंडर ही था. गौरतलब है कि इस संबंध में भारत निर्वाचन आयोग सचिवालय की अंडर सेक्रेट्री जसमीत कौर ने 16 अक्टूबर 2024 को झारखंड के मुख्य चुनाव अधिकारी को पत्र लिखा है. इस पत्र में उन्होंने लिखा है कि झारखंड में आगामी विधानसभा चुनाव में जदयू ने गैस सिलेंडर चुनाव चिह्न आवंटित करने की मांग की थी. उनकी मांग के आलोक में आयोग ने जदयू को झारखंड में गैस सिलेंडर चुनाव चिह्न आवंटित कर दिया है. उन्होंने पत्र में लिखा है कि जनता दल यूनाइटेड पार्टी बिहार, अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में मान्यता प्राप्त पार्टी है, जहां उनका चुनाव चिन्ह तीर है.

- झारखंड के मुख्य चुनाव अधिकारी को निर्वाचन आयोग सचिवालय ने पत्र लिख कर दी सूचना

विधानसभा चुनाव में एनडीए में लोजपा को भी मिल सकती है एक सीट

बाबूलाल से मिले लोजपा सांसद अरुण भारती

रांची। एनडीए फोल्डर में शामिल लोजपा (रामविलास) को झारखंड विधानसभा चुनाव में एक सीट मिल सकती है. इस मसले को लेकर नयी दिल्ली में असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी से लोजपा सांसद अरुण भारती ने मुलाकात की. जानकारी के अनुसार इन तीनों नेताओं के बीच सीट शेयरिंग पर भी चर्चा हुई, जिसमें एक सीट लोजपा को देने पर सहमति बनी. बताते चलें कि झारखंड विधानसभा चुनाव में एनडीए फोल्डर में आजसू, जदयू और लोजपा (रामविलास) मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं.

छह सीटों पर आजसू का रहा है जनाधार, चार सीटें ऐसी, जहां वोट बैंक ही नहीं

जहां जनाधार नहीं, वहां भी अपनी किस्मत आजमाएगी आजसू पार्टी

रवि भारती। रांची

सीट शेयरिंग में आजसू का प्रेशर पॉलिटिक्स काम नहीं आया. जानकारी के अनुसार, एनडीए फोल्डर में शामिल आजसू को 10 सीटें मिली हैं. इनमें से चार पाकुड़, डुमरी, मनोहपुर और लोहरदगा की सीटें ऐसी हैं, जहां आजसू का जनाधार नहीं रहा है. या यो कहा जाए कि इन सीटों पर आजसू की राह आसान नहीं है. इन सीटों पर झामुमो और कांग्रेस का दबदबा रहा है. अब इन सीटों पर आजसू अपनी किस्मत आजमाएगी. जानकारी के अनुसार आजसू के खाते में सिल्ली, रामगढ़, गोमिया, जुगसलाई, मनोहरपुर, पाकुड़, डुमरी, मांडू, ईचागढ़ और लोहरदगा की सीटें आई हैं.

पाकुड़, डुमरी, मनोहपुर और लोहरदगा में आजसू की राह कठिन : जानकारी के अनुसार, आजसू के खाते में 10 में से चार सीटें पाकुड़, डुमरी, मनोहरपुर और लोहरदगा में पार्टी के लिए जीत की राह आसान नहीं होगी. बात करें पाकुड़ की, तो पिछले चार चुनाव में इस सीट पर तीन दफा कांग्रेस और एक बार झामुमो ने कब्जा जमाया है. डुमरी में पिछले चार चुनाव में झामुमो ने जीत हासिल की है. मनोहरपुर सीट से पिछले चार चुनाव में दो बार झामुमो, एक दफा भाजपा और एक दफा यूजीडीपी के उम्मीदवार ने जीत हासिल की है. वहीं लोहरदगा सीट से दो बार आजसू और दो बार कांग्रेस ने जीत हासिल की है.

पाकुड़, डुमरी, मनोहरपुर और लोहरदगा में रहा है कांग्रेस और झामुमो का दबदबा

क्या है आजसू का राजनीतिक सफर

2019 के चुनाव में आजसू अकेले 53 सीटों पर चुनाव लड़ी, लेकिन केवल दो सीटें ही जीत पाई. सिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से सुदेश महतो ने और गोमिया से लंबोदर महतो ने चुनाव जीता. बाद में हुए रामगढ़ उपचुनाव में आजसू को जीत मिली और सीटें बढ़ कर तीन हो गईं.

2014 का विधानसभा चुनाव आजसू और भाजपा ने साथ मिल कर लड़ा था, उसका फ़ायदा दोनों पार्टियों को मिला था. भाजपा ने 37 और आजसू पार्टी ने पांच सीटें जीतीं. गठबंधन ने कुल 42 सीटें जीतकर सरकार बनायी थी.

2019 विधानसभा चुनाव

- **डुमरी :** बेबी देवी (झामुमो)
- **लोहरदगा :** डॉ रामेश्वर उरांव (कांग्रेस)
- **मनोहरपुर :** जोबा मांझी (जेएमएम)
- **पाकुड़ :** आलमगीर आसम (कांग्रेस)

2014 विधानसभा चुनाव

- **डुमरी :** जगन्नाथ महतो (झामुमो)
- **लोहरदगा :** कमल किशोर भगत (आजसू)
- **मनोहरपुर :** जोबा मांझी (झामुमो)
- **पाकुड़ :** आलमगीर आलम (कांग्रेस)

2009 विधानसभा चुनाव

- डुमरी : जगन्नाथ महतो (झामुमो)
- लोहरदगा : कमलकिशोर भगत (आजसू)
- मनोहरपुर : गुरुचरण नायक (बीजेपी)
- पाकुड़ : अकील अख्तर (झामुमो)

2005 विधानसभा चुनाव

- **डुमरी :** जगन्नाथ महतो (झामुमो)
- **लोहरदगा :** सुखदेव भगत (कांग्रेस)
- **मनोहरपुर :** जोबा मांझी (यूजीडीपी)
- **पाकुड़ :** आलमगीर आलम (कांग्रेस)

परिवार भी टूटा, सीट भी हाथ से फिसला

एनडीए फोल्डर में शामिल आजसू को सीट शेयरिंग में तगड़ा झटका लग सकता है. इससे परिवार भी टूटेगा और एक सीट भी हाथ से निकल जाएगा. बड़कागांव सीट से दावेदारी कर रहे रौशनलाल चौधरी को भाजपा से टिकट देने की बात चल रही है. चर्चा है कि वे भाजपा में शामिल होकर इस सीट से चुनाव लड़ सकते हैं. आजसू के आला नेताओं ने भी इसकी पुष्टि की है. भाजपा नेताओं का मानना है कि किसी भी सिंबल से चुनाव लड़े, सीट गठबंधन के खाते में ही आएगी. बताते चलें कि रौशन लाल चौधरी गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी के बड़े भाई हैं. वे बड़कागांव सीट से कई दफा चुनाव सड़ चुके हैं.

कई नेताओं के टूट सकते हैं दिल

एनडीए के घटक दल आजसू में भी कई नेताओं के दिल टूटेंगे. पार्टी को अलविदा भी कह सकते हैं. खासकर चंदनक्यारी विधानसभा सीट से दावा ठोंक रहे पूर्व मंत्री उमाकांत रजक टिकट की आस में बैठे हैं. इधर भाजपा के सह चुनाव प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा ने साफ कर दिया है कि चंदनक्यारी सीट भाजपा की सीटिंग सीट है. वहीं उमाकांत ने हर हाल में चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है.सूत्रों के अनुसार, वे झामुमो के टिकट से चुनाव लड़ सकते हैं. वहीं आजसू के शिवपूजन मेहता हुसैनाबाद सीट से चुनाव लड़ना चाहते हैं लेकिन इस सीट से वर्तमान विधायक कमलेश सिंह भाजपा में शामिल हो गए हैं.

भाजपा ने ओबीसी और अनुसूचित जाति को जमकर छला है : राजद

संवाददाता। रांची

बाबूलाल मरांडी ने डोमिसाइल लागू कर लोगों को आपस में लड़ाने का काम किया था

प्रदेश राजद महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने कहा कि झारखंड निर्माण के बाद भाजपा ने राज्य में ओबीसी को 27 से 14 और अनुसूचित जाति की 15 से 10 फीसदी आरक्षण में कटौती कर बहुसंख्यक समाज का मौलिक अधिकार छीनने का काम किया है. इसका दंश आज तक बहुसंख्यक ओबीसी, एससी की करीब 75 फीसदी आबादी झेल रही है. इस कारण अब तक 20 लाख युवा बेरोजगार हुए हैं. उन्होंने कहा कि झारखंड निर्माण के बाद तत्कालीन राज्य के पहले मुख्यमंत्री बने बाबूलाल मरांडी ने जदयू- आजसू के साथ एनडीए सरकार चलायी. इस दौरान उन्होंने कई जनविरोधी निर्णय लिए, जिससे राज्य और यहां के वाशिंदों का अहित ही हुआ. डोमिसाइल लागू कर लोगों को आपस में लड़वाने का काम किया. ओबीसी और अनुसूचित जाति के आरक्षण में कटौती कर बहुसंख्यक आबादी को पीछे धकेलने का काम किया. राज्य में विगत पांच वर्षों से झामुमो, राजद व कांग्रेस की महागठबंधन सरकार ने कई जनसरोकार के कार्य कर लोगों की जनाकांक्षाओं को पूरा करने का काम किया है. किसानों की दो लाख रु तक की ऋण माफी, बिजली बिल माफी, 200 यूनिट तक बिजली बिल माफ, मंईयां सम्मान योजना, छात्रवृत्ति और गंभीर बीमारी के लिए राशि निर्गत करने जैसे कार्य किए हैं.

झारखंड पार्टी 20 सीटों पर लड़ेगी चुनाव, पांच उम्मीदवारों की घोषणा

प्रमुख संवाददाता। रांची

नयी सरकार के गठन में झारखंड पार्टी की भूमिका होगी अहम : एनोस

झारखंड पार्टी राज्य के 20 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी. पार्टी प्रमुख एनोस एक्का ने बुधवार को पांच सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है. रांची के कार्निवाल बैंक्वेट हॉल में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि मनोहरपुर से महेंद्र जमुदा, सिमडेगा से आयरिन एक्का, चाईबासा से कोलंबस हांसदा, कांके से अनिल कुमार पासवान और कोलेबिरा से संदेश एक्का का उम्मीदवार बनाया गया है.

दो दिन बाद बची हुई सीटों के उम्मीदवारों की घोषणा होगी : एनोस एक्का ने बताया कि दो दिनों के बाद बची हुई सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी जाएगी. उन्होंने कहा कि झारखंड के हित की बात करने वाले और समान विचारधारा वाले दलों से भी गठबंधन किया जाएगा. जो भी नई सरकार बनेगी, उसमें झारखंड पार्टी की भूमिका अहम होगी.

राजकुमार मुंडा ने झापा ज्वाइन की : कार्निवाल बैंक्वेट हॉल में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व विधायक स्वर्गीय रमेश सिंह मुंडा के बड़े पुत्र राजकुमार मुंडा ने अपने समर्थकों के साथ झारखंड पार्टी का दामन थाम लिया. बताते चलें कि राजकुमार मुंडा के भाई विकास मुंडा झामुमो से विधायक हैं. इस बार वे तमाड़ से चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं.

झामुमो को है बैद्यनाथ राम पर पूरा भरोसा

क्या फिर से जीत दिला पाएंगे बैद्यनाथ राम?

आशीष टैगोर। लातेहार

झारखंड में चुनाव की तिथियों का एलान हो चुका है. कुल दो चरणों में झारखंड में चुनाव कराये जाएंगे. लातेहार जिले के लातेहार व मनिका विधानसभा सीट में पहले चरण में ही 13 नवंबर को चुनाव संपन्न कराया जाएगा. चुनावों की तिथियों का ऐलान होते ही राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गयी है. झामुमो कोलातेहार विधानसभा सीट से सिटिंग विधायक बैद्यनाथ राम पर पूरा भरोसा है, ऐसे में बैद्यनाथ झामुमो के टिकट पर दोबारा चुनाव लड़ेंगे, ऐसा तय माना जा रहा है. बता दें कि साल 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर बैद्यनाथ राम झामुमो में शामिल हो गये थे और चुनाव जीत कर विधानसभा पहुंचे थे. लेकिन यहां यह भी बताना आवश्यक है कि झारखंड अलग राज्य बनने के बाद लातेहार विधानसभा सीट से अब तक कोई विधायक लगातार दूसरी बार जीत का सेहरा अपने सिर नहीं बांध सका है. क्या बैद्यनाथ राम झामुमो के भरोसे पर खरा उतर पाएंगे और क्या इस मिथक को तोड़ पाएंगे, इसे लेकर यहां चर्चाओं का बाजार गर्म है.

प्रकाश राम को 16,328 मत से हराया था : पिछले 2019 के विधानसभा चुनाव के आंकड़ों को देखें तो झामुमो के बैद्यनाथ राम ने भाजपा के प्रकाश राम को 16,328 मतों से हराया था. बैद्यनाथ राम को कुल 76,507 और प्रकाश राम को 60,179 मत मिले थे. साल 2019 के विधानसभा चुनावों में 2,69,835 मतदाताओं में से कुल 1,81,967 मतदाताओं ने वोट दिया था. यह 67.44 % था. बैद्यनाथ राम ने 42.04 % और प्रकाश राम ने 33.07 % वोट हासिल किया था. उस वर्ष के चुनाव में झामुमो का वोट % 27.67 और भाजपा का वोट 5.35 % बढ़ा था.

लातेहार से कोई विधायक लगातार दोबारा नहीं चुना गया

अब तक दो ही लोग बन पाए हैं विधायक

झारखंड गठन होने के बाद से लातेहार विधानसभा क्षेत्र से मात्र दो ही लोग विधायक चुने गये हैं. एक हैं बैद्यनाथ राम तो दूसरे प्रकाश राम. एक-दो चुनावों को छोड़ कर हमेशा बैद्यनाथ राम और प्रकाश राम के बीच ही जोर आजमाइश होती रही है. झारखंड गठन के बाद पहली बार साल 2000 में विधानसभा चुनाव हुए. इस चुनाव में जदयू के बैद्यनाथ राम राजद के प्रकाश राम को हरा कर विधानसभा में पहुंचे. 2005 के विधानसभा चुनाव में राजद के प्रकाश राम ने जेएमएम के रामदेव गंझू को हराया था. जदयू के बैद्यनाथ राम तीसरे स्थान पर रहे थे. 2009 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के बैद्यनाथ राम ने एक बार फिर राजद के प्रकाश राम को हराया. साल 2014 के चुनावों में जेवीएम के प्रकाश राम ने भाजपा के ब्रजमोहन राम को हराया था. उस वर्ष बैद्यनाथ राम चुनाव नहीं लड़े थे. साल 2019 में बैद्यनाथ राम झामुमो के टिकट से चुनाव लड़े और भाजपा के प्रकाश राम को पराजित कर दिया था.

बैद्यनाथ राम

गीता कोड़ा, सोनाराम सिंकु और लक्ष्मी सुरेन लड़ सकते हैं चुनाव

जगन्नाथपुर में त्रिकोणीय मुकाबला के आसार

शैलेश सिंह। किरीबुरु

गीता कोड़ा

सोनाराम सिंकु

लक्ष्मी सुरेन

झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव में जगन्नाथपुर विधानसभा सीट से बतौर भाजपा प्रत्याशी के रूप में पूर्व सांसद गीता कोड़ा, इंडिया गठबंधन से कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में विधायक सोनाराम सिंकु को टिकट मिलने की संभावना अधिक है. इसके अलावे झामुमो से जिला परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सुरेन भी इंडिया गठबंधन से प्रत्याशी बनने के लिए पूरी ताकत झोंक रखी है. लेकिन अब देखना है कि जगन्नाथपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस अथवा झामुमो से सोनाराम सिंकु अथवा लक्ष्मी सुरेन इंडिया गठबंधन की संयुक्त प्रत्याशी होते हैं. इनके अलावे पूर्व विधायक मंगल सिंह बोबोंगा ने भी इंडिया गठबंधन का प्रत्याशी बनने के लिए 14 व 15 अक्टूबर तक रांची में डेरा डालकर झामुमो व कांग्रेस के कई बडे.नेताओं व मंत्रियों से मुलाकात की है. हालांकि वे झामुमो अथवा कांग्रेस के प्राथमिक सदस्य भी नहीं हैं. इसके बावजूद वे इस विश्वास के साथ टिकट की आस में हैं कि बीते लोकसभा चुनाव में उन्होंने खुलकर सारी ताकत झोंक जोबा माझी को सांसद बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. अगर उन्हें इंडिया गठबंधन का प्रत्याशी नहीं बनाया जाता है तो वे निर्दलीय भी चुनावी मैदान में उतरने की घोषणा कर चुके हैं. ऐसी स्थिति में जगन्नाथपुर सीट पर भाजपा की संभावित प्रत्याशी पूर्व सांसद गीता कोड़ा, इंडिया गठबंधन से कांग्रेस विधायक सोनाराम सिंकु या झामुमो से लक्ष्मी सुरेन तथा पूर्व विधायक मंगल सिंह बोबोंगा के बीच रोचक त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल सकता है. मंगल सिंह बोबोंगा निश्चित ही बतौर निर्दलीय प्रत्याशी के रुप में इंडिया गठबंधन को भारी नुकसान पहुंचाकर परंपरागत वोट बैंक में सेंधमारी कर सकते हैं. मंगल सिंह बोबोंगा के साथ पूर्व प्रत्याशी सन्नी सिंकु, जयारानी पाडेय़ा, झारखंड आंदोलनकारियों की टीम समेत कई चर्चित चेहरे साथ देते नजर आ रहे हैं.

दूसरी तरफ विधायक सोनाराम सिंकु ने भी अपना जनाधार व वोट बैंक में भारी इजाफा किया है. सारंडा जैसे क्षेत्र में उन्होंने अपनी ताकत बढ़ाई है. उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 के चुनाव में मंगल सिंह बोबोंगा झाविमो की टिकट पर चुनाव लडे.थे और वे 20,893 वोट प्राप्त कर दूसरे स्थान पर रहे थे. पहले स्थान पर कोड़ा दम्पती समर्थित कांग्रेस प्रत्याशी सोनाराम सिंकु 32,499 वोट पाकर रहे थे. भाजपा प्रत्याशी सुधीर सुंडी 16,450 वोट के साथ तीसरे स्थान, आजसू प्रत्याशी मंगल सिंह सोरेन 14,222 वोट के साथ चौथे स्थान पर रहे थे. इनके अलावा निर्दलीय लक्ष्मी सुरेन 6,617 को वोट, एआईटीसी से सन्नी सिंकु को 5,062 वोट, निर्दलीय मानसिंह तिरिया को 4,415 वोट, जयारानी पाडेय़ा को 2,489 वोट, जगजीवन केराई को 1,709 वोट, जयसिंह सिंकु को 1,539 वोट, राजेश सिंकु को 1,396 वोट, सोनु कुंकल को 1,155 वोट, अमित कुमार लागुरी को 1,020 वोट मिले थे.

तापमान
30.2° अधिकतम | 21.0° न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, गुरुवार 17 अक्टूबर 2024 ● आश्विन पूर्णिमा, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 187 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

विधानसभा चुनाव 2019 में भाजपा-आजसू के अलग-अलग लड़ने का सीधा नुकसान हुआ था एनडीए को, यूपीए की एकजुटता ने दिलाई थी जीत

41.83% वोट लाकर भी हारा था एनडीए, 35.35% वोट पाकर यूपीए ने जीती थी 47 सीटें

कौशल आनंद। रांची

- **इस बार कितनी राह आसान होगी इंडिया ब्लॉक के लिए, एनडीए के तीन प्रमुख दल भाजपा, आजसू और जदयू लड़ रहे साथ-साथ चुनाव**

इस बार के विधानसभा चुनाव की आबो-हवा बदली-बदली सी नजर आ रही है. पिछली बार एनडीए के प्रमुख दल खंड-खंड में विभक्त होकर चुनाव लड़े थे, जिसका खमियाजा भाजपा और आजसू दोनों को उठाना पड़ा था. मगर इस बार वह बात नहीं है. गत विधानसभा चुनाव में मिले वोट और मत प्रतिशत पर गौर करें तो केवल भाजपा और आजसू को क्रमश 33.37 और आजसू को 8.10 प्रतिशत वोट मिले थे, जिसका कुल प्रतिशत 41.83 है. इसके बाद भी भाजपा केवल 25 और आजसू दो सीट जीत पाई और सत्ता से बाहर हो गई. वहीं तत्कालीन यूपीए गठबंधन की बात करें तो झामुमो, कांग्रेस और राजद ने मिल कर मजबूती से चुनाव लड़ा, वोट प्रतिशत एनडीए से कम मिलने के बावजूद 47 सीट लाकर सत्ता के शिखर तक पहुंच गया. चूंकि इस बार एनडीए पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ रहा है. जिसमें भाजपा, आजसू और जदयू भी शामिल हैं. इतना ही नहीं पिछले विधानसभा में चुनाव 5.45 फीसदी मत प्राप्त करने वाली पार्टी झाविमो का विलय भी भाजपा में हो चुका है यानी अगर इसे जोड़ दिया जाए तो एनडीए का वोट प्रतिशत बढ़कर 47.28 तक पहुंच जाता है, हालांकि गत विधानसभा चुनाव में यह कहा जा रहा था कि बाबूलाल मरांडी की पार्टी झाविमो भाजपा की बी टीम बन कर चुनाव लड़ रही थी. फंडिंग भी भाजपा के द्वारा ही हुई थी.

कितनी कारगर होगी हेमंत सोरेन की मास्टर स्ट्रोक स्कीम

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कोरोना के बाद करीब ढ़ाई साल में एक से बढ़ कर मास्टर स्ट्रोक स्कीम लाए. जिसमें सबसे चर्चित मंईयां सम्मान योजना प्रमुख है, जिसके तहत अगस्त माह से महिलाओं को एक-एक हजार रुपए दिए जा रहे हैं, इतना ही इसमें ऐड ऑन करते हुए मुख्यमंत्री इसकी

उम्र सीमा का दायरा बढ़ाते हुए 18 साल से 50 वर्ष करके बालिकाओं को इससे जोड़ दिया. अंतिम कैबिनेट की बैठक में भाजपा की गोगो दीदी योजना 2100 रुपए को टक्कर देने के लिए 2500 रुपया कर दिया. इसके अतिरिक्त 39 लाख बिजली कंज्यूमरों की पुरानी बिल माफी, 200 यूनिट तक फ्री बिजली स्कीम, अबुआ आवास योजना सहित कई ऐसी स्कीम लाए, जो मास्टर स्ट्रोक के रूप में देखा जा रहा है. फिर भी पिछली बार की तरह इस बार राह आसान नहीं दिख रही है. क्योंकि इस बार एनडीए ब्लॉक एकजुट होकर चुनाव लड़ रहा है.

2019 चुनाव में विभिन्न दलों व गठबंधन को प्राप्त मत प्रतिशत इस प्रकार रहा

राजनीतिक दल	प्राप्त हुए मत	प्रतिशत	सीट
यूपीए			
झामुमो	28,17442	18.72	30
कांग्रेस	20,88,863	13.88	16
राजद	4,13,167	2.75	01

यूपीए को कुल प्राप्त मत : 53,19,472

प्राप्त मत प्रतिशत : 35.35

राजनीतिक दल	प्राप्त हुए मत	प्रतिशत	सीट
एनडीए			
भाजपा	50,22,374	33.37	25
आजसू	12,19,535	8.10	02
झाविमो	8,20,757	5.45	03

एनडीए कुल प्राप्त मत : 70,62,666

प्राप्त मत प्रतिशत : 47.28

नोट : झाविमो गैर यूपीए और गैर एनडीए फोल्डर से चुनाव लड़ा था. जिसमें बाबूलाल मरांडी, प्रदीप यादव और बंधु तिर्की की जीत हुई थी. हेमंत सरकार गठन के समय झाविमो ने यूपीए को समर्थन दिया, मगर तीन महीने बाद ही बाबूलाल मरांडी झाविमो का विलय भाजपा में करते हुए खुद शामिल हो गए. जबकि प्रदीप यादव और बंधु तिर्की कांग्रेस में शामिल हो गए. दल बदल का मामला अब भी स्पीकर न्यायाधिकरण में फैसला विचाराधीन है.

ब्रीफ खबरें

आरपीएफ हटिया ने नाबालिग को बचाया

रांची। आरपीएफ ने एक नाबालिग लड़की को एक व्यक्ति से बचाया है. चान्हों पुलिस से सूचना मिली कि एक व्यक्ति एक नाबालिग लड़की को लेकर भागा है, जिसका केस थाने में दर्ज है. लोकेशन हटिया के पास दिखा रहा है. जानकारी मिलते ही उन्होंने तत्काल आरपीएफ हटिया को रेलवे स्टेशन पर मिले फोटो के अनुसार तलाशी अभियान चलाने के लिए निर्देश दिया. आरपीएफ ने देखा कि प्लेटफ़ॉर्म संख्या दो पर एक नाबालिग लड़की के साथ एक पुरुष बैठा था, फिर दोनों को लोकल पुलिस चान्हो के जरिये उपलब्ध कराए गए फोटो से मिलान किया गया और उनसे नाम पता पूछने पर उसने अपना रवि मुंडा बताया. वह चान्हो का रहने वाला है. सूचना लोकल पुलिस चान्हो को दी गई. पकड़े गए व्यक्ति और पीड़ित दोनों को सुरक्षित चान्हो पुलिस को सौंप दिया गया.

हटिया रेलवे स्टेशन से 41 किलो गांजा जब्त

रांची। आरपीएफ ने हटिया रेलवे स्टेशन से भारी मात्रा में गांजा जब्त किया है. आरपीएफ रांची के सहायक सुरक्षा आयुक्त अशोक कुमार सिंह ने बुधवार को बताया कि ऑपरेशन नारकोस के तहत हटिया स्टेशन पर आरपीएफ पोस्ट हटिया, आरपीएफ रांची की फ्लाइंग टीम और जीआरपी हटिया की ओर से संयुक्त जांच की गई. चेकिंग के दौरान प्लेटफ़ॉर्म संख्या दो पर दो ट्रॉली बैग, दो पिट्ठू बैग और एक बैग कुछ भारी चीज पड़ी हुई दिखाई पड़ी. इसका कोई वारिस आसपास नहीं था. यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों से उक्त बैग के बारे में पूछा गया लेकिन कोई भी दावेदार के रूप में सामने नहीं आया. संदेह होने पर, सभी पांच बैग को एक-एक करके खोला गया. बैग से मिले 20 पैकेटों का डीडी किट से परीक्षण किया गया जो पॉजिटिव पाया गया. जब्त गांजा का वजन कुल 41 किलोग्राम पाया गया, जिसका अनुमानित कीमत 4,10,000 रुपये आंका गया.

804 स्कूलों में खोले जाएंगे व्यावसायिक शिक्षण लैब्स

रांची। राज्य के 804 सरकारी विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा को उन्नता प्रदान करने एवं विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण और व्यवहारिक व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से मॉडल प्रयोगशालाएं बनाई जाएंगी. इन उन्नत प्रयोगशालाओं में विद्यार्थियों को 11 व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की व्यवहारिक शिक्षा दी जाएगी. इन उन्नत लैब्स की अधिष्ठापना से पहले झारखण्ड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, रांची में छह मॉडल प्रयोगशालाएं बनाई गयी है. इन छह मॉडल प्रयोगशालाओं में परिधान एवं फैशन, ऑटोमोटिव, हेल्थकेयर, ब्यूटी एंड वैलनेस, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड हार्डवेयर, टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी शामिल है. वर्तमान में छह प्रयोगशालाओं की स्थापना की गयी है.

झामुमो ने एक ही जिले में दो अलग-अलग तिथि में चुनाव कराने को बताया कुटिल प्रयास

भाजपा-इलेक्शन कमीशन बंटी व बबली की भूमिका में : सुप्रियो

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो ने इलेक्शन कमीशन पर भाजपा के इशारे में काम करने आरोप लगाया है. कहा कि जिस प्रकार बंटी और बबली मूवी में दोनों की जोड़ी ताजमहल बेच देते थे, उसी प्रकार भाजपा और इलेक्शन कमीशन बंटी और बबली की भूमिका निभाते हुए जम्हूरियत और लोकतंत्र को प्रभावित करना चाहते हैं. अगर झारखंड के इलेक्शन शिड्यूल पर बारीकी से नजर डाली जाए, तो कमाल की कुटिल नीति चली गयी है.

झारखंड विधानसभा की पटकथा असम में लिखी गयी, मुहर दिल्ली भाजपा मुख्यालय में लगी और इलेक्शन कमीशन ने उसे केवल जारी किया. आखिरकार एक ही जिले में दो अलग-अलग तिथियों में चुनाव कराने का निर्णय क्यों हुआ. क्या ये लोग ही बहुत अधिक बुद्धिमान और शातिर हैं और देश में सारे बेवकुफ. ऐसा नहीं है. मांडू, रामगढ़, खिजरी और सिल्ली की चुनाव तिथि पर नजर डाली जाए तो सारी तस्वीर स्पष्ट हो जाएगी. ये विधानसभाएं निकट की विधानसभा के चौहद्दी को छूती हैं. अगर सिल्ली और खिजरी की बात करें तो वह तमाड़, ईचागढ़, हटिया सहित कई विधानसभा को प्रभावित करती हैं. इसी तरह से मांडू और रामगढ़ की बात करें तो इसकी सीमा कांके, हजारीबाग, बड़कगांव, गिरिडीह, कोडरमा विधानसभा की टच करती है. यानी की स्पष्ट है कि चुनाव के दिन निकट के वैसे विधानसभा क्षेत्र में प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की सभा कराई जाए, ताकि जहां चुनाव है, वहां उसे प्रभावित किया जा सके. ये बातें झामुमो के महासचिव एवं प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने पार्टी कार्यालय में बुधवार को आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कही.

कहा : वोटिंग के दिन निकट की विधानसभा सीट पर मोदी-शाह की सभा कराकर जम्हूरियत को प्रभावित करने का प्रयास

इलेक्शन कमीशन से मांग : एक जिले में एक ही दिन हो मतदान, सभी स्टार प्रचारकों को मिले समान सुविधा और अवसर

हरियाणा में चंडीगढ़ मेयर इलेक्शन जैसी चालाकी की इलेक्शन कमीशन ने

सुप्रियो ने इलेक्शन कमीशन की साख पर सवाल उठाते हुए कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में चंडीगढ़ मेयर इलेक्शन जैसी चालाकी की गयी. ऐसी चालाकी लोकसभा चुनाव में भी की गयी. चाहे वह वोट गिनती में बढ़ोतरी का हो फिर ईवीएम मशीन चार्जिंग का. इसके तहत 70 सीटें प्रभावित की गयीं. सुप्रियो ने सीधा सवाल करते हुए कहा कि कोई भी बैटरी वाला उपकरण हम चलाते हैं तो सात से आठ घंटे के बाद उसकी बैटरी कम होती है, आखिरकार हरियाणा विधानसभा चुनाव में इतने घंटे मशीन चलने और उपयोग होने के बाद कई इवीएम की बैटरी कम क्यों नहीं हुई. यह बड़ी चालाकी और खेला था इलेक्शन कमीशन का. कई ऐसे सवाल हैं जिससे आने वाले दिनों में इलेक्शन कमीशन को जुझना पड़ेगा. सुप्रियो ने भाजपा और केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह अब भी केंद्रीय एजेंसियों और संस्थाओं को अपने हिसाब से संचालित करना छोड़ दे और उन्हें निष्पक्ष तरीके से काम करने की आजादी दे. फिर हम बंटी और बबली की जोड़ी से सामना करने को पूरी तरह से तैयार हैं.

हमारे स्टार प्रचारकों को भी मिले समान सुविधा और समान अवसर

उन्होंने कहा कि आज के तकनीकी युग में न जनता मूर्ख है न राजनीतिक दल या नेता. इतनी सी चालाकी तो हम लोग भी भाजपा से सीख ही गए हैं. सुप्रियो ने कहा कि चुनाव में सभी राजनीतिक दलों ओर प्रत्याशियों को समान अवसर प्रदान होना चाहिए. अगर भाजपा के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह स्टार प्रचारक हैं, नो फ्लाइंग जोन घोषित हो सकता है तो हमारे नेता भी हमारे दलों के स्टार प्रचारक हैं. इसलिए इलेक्शन कमीशन सभी दलों, सभी नेताओं और सभी प्रत्याशियों को समान अवसर एवं सुविधा प्रदान करे.

रांची में ध्वनि प्रदूषण रोकने पर उठाएं सख्त कदम

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से 12 नवंबर तक मांगा जवाब

संवाददाता। रांची

राजधानी रांची में ध्वनि प्रदूषण को लेकर कोर्ट के स्वत संज्ञान संज्ञान एवं रांची शहर में बैंक्विट हॉल, धर्मशाला, मैरिज हॉल में लाउडस्पीकर एवं डीजे के साथ रात 10:30 बजे के बाद बारात लगने से ध्वनि प्रदूषण रूल का उल्लंघन होने को लेकर दाखिल झारखंड सिविल सोसाइटी की जनहित याचिका की सुनवाई बुधवार को झारखंड हाई कोर्ट में हुई.

सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट की खंडपीठ ने रांची में ध्वनि प्रदूषण को लेकर हाई कोर्ट के 19 सितंबर, 2023 के आदेश का सख्ती से अनुपालन करने का निर्देश राज्य सरकार को दिया है. हाई कोर्ट की खंडपीठ ने यह भी मौखिक कहा है कि यदि ध्वनि प्रदूषण को लेकर कोई शिकायत करता है, तो उसके नाम का खुलासा न किया जाए, जिससे उसे किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े.

इससे पहले प्रार्थी की ओर से कोर्ट को बताया गया कि ध्वनि प्रदूषण को लेकर कोर्ट ने 19 दिसंबर, 2023 को विस्तृत आदेश पारित किया था लेकिन इसे लेकर राज्य सरकार गंभीर नहीं है. ध्वनि प्रदूषण को रोकने के लिए लेकर वर्ष 2019 में गठित टास्क फोर्स कोर्ट के आदेश का सही तरीके से अनुपालन नहीं कर पा रही है. खंडपीठ को यह भी बताया गया कि कई साइलेंट जोन जिनमें सीसीएल के गांधीनगर अस्पताल शामिल हैं इसके आसपास अभी भी ध्वनि प्रदूषण हो रहे हैं जबकि साइलेंट जोन में ध्वनि नहीं होना चाहिए था.

खंडपीठ को प्रार्थी की ओर से यह भी बताया गया कि रांची में ध्वनि प्रदूषण को लेकर शिकायत करने वालों का नाम सार्वजनिक हो जा रहा है, जिससे उन्हें डर का सामना करना पड़ रहा है. खंडपीठ ने मामले में ध्वनि प्रदूषण रोकने को लेकर कोर्ट के आदेश के अनुपालन को लेकर उठाए गए कदम के बारे में राज्य सरकार एवं झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से जवाब मांगा है. मामले की अगली सुनवाई 12 नवंबर निर्धारित की है.

सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से खंडपीठ को बताया गया कि हाई कोर्ट ने सितंबर 2023 के आदेश में रांची में रात 10:00 बजे से लेकर सुबह 6:00 बजे तक रांची शहर में डीजे बजने पर पाबंदी लगाई गई है. पर्व त्यौहार के मौके पर अधिकतम रात 12:00 तक ही डीजे बजाए जा सकता है. इसके लिए जिला प्रशासन से अनुमति लेनी होगी लेकिन टास्क फोर्स द्वारा कोर्ट के इस आदेश का अभी तक अनुपालन सही ढंग से किया जा रहा है.

रांची सीट पर महुआ माजी पिछले एक साल से हैं सक्रिय, लगा रहीं पूरा जोर

इधर, कांग्रेस के कई दावेदार पोस्टर वार में जुटे

संवाददाता। रांची

चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद सियासी हलचल तेज है. सभी पार्टियां चुनाव की तैयारियों में लगी हैं. सीट बंटवारे को लेकर भी मंथन चल रहा. वहीं रांची सीट को लेकर करीब-करीब तय है कि यह झामुमो की ही रहेगी. हालांकि इंडिया गठबंधन में अब तक ऑफिशियली सीट शेयरिंग नहीं हुई है. मगर इस सीट को लेकर दावेदार अपने-अपने तरीके से तैयारी में जुटे हैं और पार्टी पर दबाव बनाना शुरू कर दिया है.

कांग्रेस की ओर से ये हैं प्रमुख दावेदार : रांची से झामुमो की प्रबल दावेदार डॉ. महुआ माजी महीनों से तैयारी में जुटी हैं. अपने पुराने कैडर को चुस्त-दुरुस्त करने में जुटी हैं, दुआ-सलाम भी जारी है. शहर में विगत एक साल से ही पोस्टर उनकी शोभा बढ़ा रहे हैं. मगर दूसरी तरफ कांग्रेस के दावेदार ने सोशल मीडिया पर पोस्टरबाजी शुरू कर दी है. इसमें युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव राजेश सिन्हा सन्नी सबसे आगे हैं. कांग्रेस की ओर से प्रमुख दावेदारों में राजेश सिन्हा के अलावा प्रदेश महासचिव राजेश गुप्ता, आदित्य विक्रम जायसवाल, कुमार राजा, रोहित सिंह शामिल हैं. राजेश तो इतने आगे बढ़ चुके हैं कि चुनाव की घोषणा के पूर्व ही कैडरों के साथ कई बैठक करके अपनी दावेदारी को मजबूत करने में जुट गये थे. वहीं चुनाव घोषणा होते ही सन्नी ने सोशल मीडिया में पोस्टर जारी किया है, जो चर्चा का विषय बना हुआ है. अब रांची सीट किसके खाते में जाती है, इसका इंतजार सभी को है.

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल ने मुख्य चुनाव आयुक्त को लिखा पत्र, कहा

पंडरा में दर्ज केस की जांच करे सीबीआई

संवाददाता। रांची

रांची। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखा है. पत्र में मरांडी ने आग्रह किया है कि पंडरा में दर्ज केस की जांच सीबीआई से कराई जाए. पत्र में आगे लिखा है कि कथित वकील सुजीत कुमार पर ईडी को मैसेज करने के नाम पर अफसरों से ठगी का आरोप लगाया गया है.

पुलिस अफसर कर रहे उगाही: पत्र में लिखा है कि जांच अधिकारी इस मामले का उपयोग कई अधिकारियों से भारी मात्रा में धन उगाही कर रहे. अधिकारियों के निर्देश पर विपक्षी दलों को फंसाने के लिए इस केस को एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है. इसके पीछे सत्ता पक्ष के लोग काम कर रहे हैं.

पैसे का इस्तेमाल चुनाव के लिए किया जा रहा : बाबूलाल ने पत्र में लिखा है कि ईडी के नाम पर धोखाधड़ी से जो राशि अर्जित की गई है, उसका इस्तेमाल चुनाव के लिए किया जा रहा है. कई सरकारी अफसर जांच के दायरे में हैं, उन्हें चुनाव के दौरान मतदान का प्रबंधन करने और चुनाव के दौरान उनके एजेंट के रूप में कार्य करने की धमकी दी जा रही है. इस मामले में पुलिस ने संजीव पांडे और वकील सुजीत कुमार को गिरफ्तार किया है.

उन्हें विभिन्न थानों में छिपा कर रखा गया है. बाबूलाल ने मुख्य चुनाव आयुक्त से आग्रह किया है कि पुलिस एसीबी से इस मामले को सीबीआइ में स्थानांतरित किया जाना चाहिए, ताकि चुनाव निष्पक्ष और उचित तरीके से हो सके.

तैयारी झारखंड में अपनी तरफ से चुनाव तैयारी में जुट गयी है पुलिस, सुरक्षा रहेगी चाक-चौबंद

चुनाव को लेकर 63 बड़े नक्सलियों पर रहेगी पुलिस की पैनी नजर

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा हो गयी है. राज्य में दो चरणों में चुनाव होगा. पहले चरण का मतदान 13 नवंबर और दूसरे चरण का 20 नवंबर को होगा. वहीं चुनाव परिणाम 23 नवंबर को आयेंगे. तारीखों की घोषणा के बाद झारखंड पुलिस भी चुनावी तैयारियों में जुट गयी है, ताकि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांतिपूर्ण तरीके से मतदान हो सके. इसे लेकर झारखंड पुलिस की नजर 63 बड़े नक्सलियों पर रहेगी. चुनाव आयोग के निर्देश पर शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न कराने को लेकर झारखंड को 100 कंपनी अर्द्धसैनिक बल मिल गया है. इनमें सीआरपीएफ, सीआईएसएफ, बीएसएफ, एसएसबी और आइटीबीपी शामिल हैं. इन बलों को राज्य के सभी 24 जिलों में तैनात किया जाएगा.

इन 63 बड़े नक्सलियों पर रखी जाएगी नजर : झारखंड पुलिस की नजर 63 बड़े नक्सलियों पर रहेगी. इनमें राजू यादव, गुलशन उरांव, विरेंद्र गंझू, जितेंद्र सिंह, अकेला, शिवराज, प्रभात, लवलेश गंझू, कुंदन खेरवार, पप्पू शर्मा, मृत्युंजय, रविंद्र गंझू, छोटू खेरवार, मनोहर गंझू, मिसिर बेसरा, पतिराम मांझी, चमन, रघुनाथ हेंब्रम, अजय महतो, संजय महतो, साहेबराम मांझी, अमोद मोदक,साधु चरण, सुलेमान हांसदा, राहुल चंपिया, सागेन अंगरिया, सालुका कायम, सामएल बूढ़, सहेंद्र यादव, करीम, आक्रमण गंझू और ब्रजेश गंझू, फिरोज अंसारी और अनिल तुरी,लालचंद्र हेंब्रम, कुंवर मांझी, रणविजय महतो,प्रयाग मांझी, मोछू, रामप्रदास मारडी, पांचा उरांव, बलराम लोहरा, मार्टिन केरकेट्टा,राजू भुइया, पंकज कोरवा,कृष्णा यादव, जयंती, गुलशन मुंडा, अमित मुंडा,सहदेव सोरेन, बिरसेन गंझू, सहदेव महतो,बिरेन सिंह, प्रभात मुंडा, आरिफ, गोदराय यादव और रविंद्र यादव शामिल हैं.

झारखंड में अब सिर्फ चाईबासा जिला है घोर नक्सल प्रभावित

झारखंड का एकमात्र जिला चाईबासा है, जो देश के घोर नक्सल प्रभावित 12 जिलों में शामिल है. केंद्रीय गृह मंत्रालय के वामपंथ उग्रवाद डिविजन ने अप्रैल 2024 में देशभर की नक्सल समस्या से ग्रस्त जिलों की सूची जारी की थी. इसमें नौ राज्यों के 38 जिले शामिल थे. इनमें झारखंड के पांच जिलों (गिरिडीह, गुमला, लातेहार, लोहरदगा और चाईबासा) को नक्सल प्रभावी जिला माना गया था.

राज्य में शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराया गया था लोकसभा चुनाव : बता दें कि झारखंड में लोकसभा चुनाव 2024 शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराया गया था. झारखंड पुलिस ने अपनी विशेष रणनीति के बल पर नक्सलियों की तमाम हिंसा की साजिश को नाकाम कर शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न कराया था. अब झारखंड पुलिस के सामने विधानसभा चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने की चुनौती है. झारखंड पुलिस का मानना है कि चुनाव में नक्सली हिंसा पुरानी बात हो गयी है. विधानसभा चुनाव में भी झारखंड पुलिस बेहतर काम करेगी.

थाना या गन हाउस में शस्त्रों को जमा करने का निर्देश

खूंटी। जरियागढ़ थाने में हुई शस्त्रों की जांच करां। खूंटी की कार्यपालक दंडाधिकारी अनुराधा कुमारी लाइसेंसी हथियार धारियों के लाइसेंस की जांच करने जरियागढ थाना पहुंची. सभी आर्म्स धारियों को बुलाकर इन्होंने आर्म्स लाइसेंस और आर्म्स की जांच की. कार्यपालक दंडाधिकारी ने सभी लाइसेंस धारियों से आदर्श चुनाव संहिता लागू होने के कारण निकटतम थाने या गन हाउस में शस्त्र को जमा करने और रसीद लेने का निर्देश दिया. मौके पर थाना प्रभारी राजू कुमार सहित अन्य उपस्थित थे.

- शस्त्र को जमा करने और रसीद लेने का निर्देश

ब्रीफ खबरें

टैक्स अफसर चुनाव निर्देशों का पालन करें

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने राज्य के सभी वाणिज्य कर पदाधिकारियों से कहा कि निर्वाचन अवधि में कर वंचना पर अंकुश लगाने एवं तत्संबंधी निर्वाचन व्यय की मॉनिटरिंग के लिए केंद्रीय निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पूर्णतया अनुपालन करें. साथ ही आवश्यक प्रवर्तन की कार्रवाई में किसी प्रकार की कोताही न करें. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार एवं वाणिज्य कर आयुक्त अमित कुमार के मार्गदर्शन में सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी एवं जिलों में गठित वाणिज्य कर सेल के नोडल पदाधिकारियों को कर्नाटक के वाणिज्य कर विभाग के जरिये निर्वाचन के दौरान कुशल व्यय प्रबंधन एवं प्रवर्तन से संबंधित किए गए अनुप्रयोगों को साझा किया गया. इस अवसर पर अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ नेहा अरोड़ा ने जिले के पदाधिकारियों एवं कर्नाटक के वाणिज्य एवं कर विभाग के पदाधिकारियों के साथ समन्वय सूत्र के रूप जिलों के पदाधिकारियों के व्यय प्रबंधन एवं प्रवर्तन संबंधी शंकाओं का निराकरण किया.

रांची में इंडिया ब्लॉक की बैठक कल होगी

रांची। विस चुनाव को लेकर इंडिया गठबंधन की गतिविधियां तेज हो गयी हैं. झामुमो महासचिव विनोद पांडेय हेमंत का दूत बनकर दिल्ली गए हैं. उनकी कांग्रेस के आला नेताओं से बात हो सकती है. पांडेय बातचीत करके गुरुवार को रांची लौटेंगे. इधर सीट शेयरिंग को लेकर सीएम हेमंत ने 18 अक्टूबर को रांची में एक बैठक बुलायी है. जिसमें पटना से राजद नेता तेजस्वी यादव, कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता और माले से दीपांकर भट्टाचार्य हिस्सा लेंगे. बैठक में अंतिम रूप से सीट शेयरिंग पर मुहर लग सकती है. इधर 18 को ही रांची में कांग्रेस प्रदेश चुनाव समिति की बैठक है. जिसमें प्रत्याशियों के नामों पर चर्चा होगी. एक दिन बाद 19 अक्टूबर को कांग्रेस नेता राहुल गांधी रांची आएंगे. इसके पहले 18 को सीट शेयरिंग पर फैसला लिया जाएगा. फिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी से भी मंजूरी ली जाएगी. इसके बाद इसे सार्वजनिक किया जायेगा. झामुमो सीट शेयरिंग फाइनल होने के बाद अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर देगा.

डीसी ने मतगणना स्थल का किया निरीक्षण

रांची। डीसी वरुण रंजन ने चुनाव को लेकर पंडरा मतगणना स्थल का निरीक्षण किया. इस दौरान सभी निर्वाची पदाधिकारी, ईवीएम नोडल पदाधिकारी आदि मौजूद थे. डीसी ने काउंटिंग सेंटर पंडरा एवं वज्रगृह परिसर को देखते हुए तमाम व्यवस्थाओं का जायजा लिया. वहीं उन्होंने तमाम व्यवस्था को दुरुस्त करने का निर्देश सम्बंधित अधिकारी को दिया. निरीक्षण के क्रम में स्ट्रांग रूम में इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के रख-रखाव की व्यवस्था, काउंटिंग कक्ष, पोलिंग पार्टी रूट, पार्किंग सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया. मतगणना केंद्र का निरीक्षण के क्रम में उन्होंने सीसीटीवी कैमरा, पंडाल, स्ट्रांग रूम, पार्किंग व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, सुरक्षाकर्मियों, चुनाव में तैनात कर्मियों के लिए भोजन की व्यवस्था, शौचालय आदि की व्यवस्था दुरुस्त करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारी को दिया गया. मतगणना क्रम में पूरे परिसर में गंदगी नहीं रहे एवं उन्होंने सम्बंधित अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि बिल्डिंग का रंग-रोगन भी कराने को कहा.

हेमंत सोरेन के जेल से वापस लौटकर राज्य की कमान संभाले 100 दिन पूरे हुए

हम मिलकर समृद्ध, विकसित और खुशहाल झारखंड का निर्माण करेंगे

विशेष संवाददाता। रांची

आज जेल से वापस लौटकर राज्य की कमान संभाले 100 दिन पूरे हुए हैं. साथ ही कल चुनाव आयोग द्वारा झारखंड में विधानसभा चुनाव की घोषणा भी हुई है. दिसंबर 2019 में झारखंड की अपनी महान जनता के आशीर्वाद से मैंने राज्य की बागडोर संभाली. मकसद एक ही था-झारखंड रूपी पेड़ को सिंचित कर इसकी जड़ें मजबूत करना. इस पेड़ को भाजपा ने 20 वर्षों तक दोनों हाथों से लूटने का काम किया था. यही कारण था कि 20 वर्षों के युवा झारखंड में हमारे गरीब, वंचित और शोषित वर्ग के लोग सामाजिक सुरक्षा जैसी मूलभूत जरूरतों के लिए तरसते थे. जनता के आशीर्वाद व सहयोग से मैंने मूलभूतसुविधाएं उपलब्ध करायीं. आने वाले विधानसभा चुनाव में हमें भाजपा और विपक्ष के धनतंत्र, झूठ, साजिश और समाज को तोड़ने वाली राजनीति के खिलाफ मिलकर लड़ना है. आने वाले समय में आपके विश्वास और समर्थन के साथ हम मिलकर एक समृद्ध, विकसित और खुशहाल झारखंड का निर्माण करेंगे. आदरणीय दिशोम गुरुजी के सपनों का समृद्ध झारखंड बनकर रहेगा.

लाखों प्रवासी लोगों को झारखंड वापस लाया: मार्च 2020 में पूरे देश में जब लॉकडाउन लगा, तो आपने और हमने अपने राज्य के लाखों प्रवासी लोगों को झारखंड वापस लाने का बीड़ा उठाया. झारखंड देश के पहला राज्य था, जो पहली ट्रेन, पहले प्लेन से अपने लोगों को घर पहुंचा रहा था, विरासत में मिली लचर स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए पूरी सरकार और प्रशासन ने सुविधाओं को दुरुस्त करना शुरू किया. कोरोना के समय पूरे देश में ऑक्सीजन सप्लाई करने वाला भी झारखंड पहला राज्य बना.

हर षड्यंत्र, हर बाधा हर झूठ को मात दी

सरकार गठन के बाद से विपक्ष द्वारा फैलाए गए हर षड्यंत्र, हर बाधा, हर झूठ को मात दी. उन्हें हर उपचुनाव में भी हमने मात दी. और यह काम मेरे सभी झारखंडवासियों के साथ और आशीर्वाद से ही संभव हुआ है.

जोहार! जय हिंद ! जय झारखंड !

किसानों के 2 लाख रुपये तक के कृषि ऋण माफ

राज्य के हमारे लाखों मेहनती किसानों का 2 लाख रुपये तक ऋण माफ हुआ. केसीसी, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, बिरसा सिंचाई कूप योजना, धान खरीद, किसान पाठशाला जैसी योजनाओं से राज्य के लाखों किसानों को सशक्त करने का प्रयास शुरू हुआ. देश-विदेश में फंसे या मदद मांग रहे श्रमिक भाइयों और बहनों को भी संवेदनशीलता के साथ हमेशा मदद पहुंचाई गयी.

माताओं-बहनों और बेटियों के लिए मंईयां सम्मान योजना

राज्य की हमारी लाखों माताओं-बहनों और बेटियों के मान, सम्मान और स्वाभिमान से जोड़ने के लिए उन्हें मंईयां सम्मान योजना, हजारों करोड़ के बैंक क्रेडिट लिंकेज, फूलो झानो आशीर्वाद अभियान, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना जैसी योजनाओं से जोड़ने का काम हुआ. दिसंबर से 18-50 वर्ष की माताओं-बहनों को 2500 रुपये की सम्मान राशि भी मिलने लगेगी.

नौनिहालों के लिए सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की शृंखला शुरू की

अपने राज्य के नौनिहालों के लिए, हमने सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की शृंखला शुरू की, जो पंचायत स्तर तक जाएगी. प्री और पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप की राशि दो से तीन गुना बढ़ाया गया. गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, मरांग गोमके ओवरसीज स्कॉलरशिप, साइकिल वितरण जैसी योजनाओं के जरिए उनके सपनों को पंख देना का काम किया है, आप और हमने मिलकर.

हजारों पदों पर 75 से 100% तक नियुक्तियां युवाओं की

झारखंड के युवाओं को नौकरी और रोजगार से जोड़ने के लिए कई नियमावलियों का निर्माण हुआ. पेपर लीक रोकने वाला सख्त कानून भी हमने बनाया. झारखंड के हजारों युवाओं को नौकरी दी. हजारों पदों पर 75 से 100 प्रतिशत तक नियुक्तियां झारखंड के युवाओं की हुई.

राजधानी को कांटाटोली फ्लाईओवर का तोहफा दिया

कांटाटोली फ्लाईओवर, दुमका में राज्य का सबसे लंबा पुल, मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजनाओं, एम्स्ट्रोम अस्पताल, ट्रांसमिशन लाइन और गांव-गांव में सड़क सुदृढ़ीकरण जैसे अनेक आधारभूत संरचनाओं की कई कड़ियों को जोड़कर हमने राज्य को दिशा देने का भी काम किया.

1.36 लाख करोड़ बकाये के लिए लगातार आवाज उठायी

झारखंड का 1 लाख 36 हजार करोड़ रुपए बकाये के लिए मैंने आवाज उठायी तो मुझे जेल में डाल दिया गया. मेरा गुनाह इतना ही था कि मैं झारखंडवासियों की सेवा कर रहा था, अपने लोगों को हक-अधिकार दे रहा था. लेकिन केंद्र के कानों पर जूं नहीं रेंगी.

कर्मचारियों की वर्षों की ओपीएस की मांग भी पूरी हुई

राज्य के पारा टीचर, आंगनबाड़ी सेविका/सहायिका, जल सहिया, स्वास्थ्य सहिया, मनरेगा कर्मी, रसोइया दीदी, सहायक पुलिसकर्मियों, होम गार्ड और पोषण सखी जैसे लाखों लोगों को हक-अधिकार दिया. सरकारी कर्मचारियों की वर्षों की ओपीएस की मांग भी पूरी हुई, हजारों अधिवक्ताओं को पेंशन, बीमा और प्रोत्साहन राशि देने वाला पहला राज्य भी झारखंड बना.

200 यूनिट मुफ्त बिजली, बकाया बिजली बिल भी माफ : लाखों परिवारों को हमने 200 यूनिट मुफ्त बिजली और बकाया बिजली बिल माफ कर महंगाई के इस दौर में थोड़ी राहत देने का भी काम किया. कोरोना काल में बिरसा हरित ग्राम योजना, नीलांबर-पीतांबर जल समृद्धि योजना शुरू की, पोटो हो खेल विकास योजना भी हमने तभी ही शुरू की. मनरेगा में काम रहे लोगों के लिए हमने मजदूरी दर बढ़ायी. हमने हर वर्ष राज्य के कोने-कोने में सरकार आपके द्वार के महाअभियान के तहत लाखों-करोड़ों राज्यवासियों को सर्वजन पेंशन योजना, हरा राशन कार्ड, सोना सोबरन धोती- साड़ी योजना, अबुआ आवास योजना जैसी कई कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा.

सांसद चंद्रप्रकाश ने पथ निर्माण के डिप्टी सेक्रेटरी के खिलाफ ईडी को लिखा पत्र, कहा

टेंडर में हेराफेरी कर अर्जित की अकूत संपत्ति

प्रमुख संवाददाता। रांची

गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने पथ निर्माण विभाग के डिप्टी सेक्रेटरी प्रसन्न कुमार के खिलाफ ईडी और पथ निर्माण के प्रधान सचिव सुनील कुमार से शिकायत की है. उन्होंने ईडी और पथ विभाग के प्रधान सचिव को लिखे पत्र में कहा है कि विभाग के डिप्टी सेक्रेटरी प्रसन्न कुमार ने नियम विरुद्ध सिंडिकेट बना कर टेंडर प्रक्रिया को प्रभावित किया है. विशेष संवेदकों को कार्य आवंटन कर अकूत अवैध धन-संपत्ति अर्जित की है. इसकी जांच उच्च स्तरीय कमेटी से कराई जानी चाहिए. साथ (स्टेट हाइवे ऑथरिटी ऑफ झारखंड) के सभी बड़े टेंडर में हेरा-फेरी और जाली दस्तावेज के आधार पर अपने सिंडिकेट के सदस्य संवेदकों को कार्य आवंटित कर अरबों रुपए की अवैध संपत्ति एवं बेनामी सम्पत्ति अर्जित की है. साथ ही कई संवेदकों के कंपनी में अवैध धन का निवेश किया.

- पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार को भी जानकारी
- डिप्टी सेक्रेटरी प्रसन्न कुमार की संपति का भी ब्योरा ईडी को सौंपा

14 साल के चल अचल संपत्ति का दिया ब्योरा : सांसद ने पथ विभाग के डिप्टी सेक्रेटरी प्रसन्न कुमार के साल 2010 से 2024 तक सभी चल-अचल संपत्ति का विवरण ईडी और विभाग के प्रधान सचिव को सौंपा है.

ईडी को ये सौंपा है संपति का ब्योरा

- रांची के धुर्वा में 8 कट्ठा का प्लॉट जिसकी कीमत 55 लाख रुपए है
- रांची में शेयर बाजार में लगभग 35 लाख का शेयर है.
- पटना में जेडी वीमेंस कॉलेज शेखपुरा मोड़ के पीछे अपार्टमेंट में एक फ्लॉट जिसकी कीमत 88 लाख रुपए है.
- रांची के वेशायर होम रोड, बरियातू में 12 कट्ठा का प्लॉट अपने नाम से जिसकी कीमत लगभग 1.25 करोड़ रुपए है.
- पटना में आशियाना नगर में हाउस न. 34 के बगल में 6 कट्ठा का प्लॉट जिसकी कीमत लगभग 80 लाख रुपए है.
- जमशेदपुर के साकची में हनुमान मंदिर के बगल में बायीं तरफ 6.5 कट्ठा का प्लॉट पत्नी के नाम से.
- जमशेदपुर के मानगो, डीमना रोड में वसुंधरा अपार्टमेंट में प्लॉट न. 26 एवं 27 दोनों पत्नी के नाम से.
- जमशेदपुर के घर के पास स्टेट बैंक ऑफ इंडिया नाम से 3 लॉकर एवं खाता.
- रांची के अशोकनगर पोस्ट ऑफिस में लगभग 60 लाख का (एनएससी-केवीपी) पत्नी एवं बेटी के नाम से है.
- पटना में पंजाब नेशनल बैंक, राजा बाजार शाखा में 12 लाख एवं 17 लाख का फिक्स्ड डिपॉजिट है.
- नोएडा उत्तर प्रदेश में अकूत संपत्तियां अर्जित की हैं.

आधार कार्ड पंजीयन सेवा केंद्र में लग रही लंबी लाइन

रांची। कांटा टोली स्थित मंगल टावर में आधार पंजीकरण एवं सुधार सेवा में लोगों की लंबी लाइन लग रही है. सुबह से लेकर शाम तक भीड़ कम नहीं होती है. इसमें स्कूली बच्चों से लेकर बड़ों तक को दो लाइन की कतारों में देखा जा सकता है. अपनी बारी की इंतजार करते लोगों की भीड़ देखने को मिल रही है. कोई सुबह से तो कोई दोपहर बाद खड़ा रहता है.रांची से बाहर से आने वाले लोगों को ज्यादा मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है.

झारखंड जानता है असली बंटी-बबली कौन हैं: भाजपा

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य की प्रेस वार्ता पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है. उन्होंने कहा कि प्रेस वार्ता देख कर ऐसा प्रतीत होता है जैसे वह चुनावी हार के बाद होने वाली प्रेस वार्ताओं का अभ्यास कर रहे हों. सुप्रियो भट्टाचार्य ने संवैधानिक संस्थाओं, विशेष रूप से चुनाव आयोग को अनुचित रूप से निशाना बनाया और चुनाव आयोग की गरिमा को गिराने का प्रयास किया है. चुनाव आयोग और केंद्रीय जांच एजेंसियों के खिलाफ इस्तेमाल किए गए अपमानजनक शब्दों से झामुमो की हताशा और निराशा स्पष्ट हो रही है.

झामुमो के अंदर प्रवेश कर गया है कांग्रेस का डीएनए : झामुमो के अंदर कांग्रेस का डीएनए प्रवेश कर रहा है और तभी कांग्रेस की राह पर चल कर ये संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम कर रहे हैं. हेमंत सरकार झारखंड के इतिहास में सबसे भयभीत और सहमी हुई सरकार है और यह भय जनता के भारी आक्रोश की वजह से है. झारखंड में एक ही बंटी-बबली है और वो कौन है, यह सब जानते है. **झामुमो, कांग्रेस और राजद तीनों ही परिवारवादी पार्टी :** झामुमो, कांग्रेस और राजद तीनों ही परिवारवादी पार्टी हैं, ऐसे दलों को लोकतंत्र की रक्षा की बातें करना शोभा नहीं देता. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के इस्तेमाल पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री बाबूलाल मरांडी ने वकील सुजीत कुमार के मुद्दे को कई बार उठाया है. परंतु, राज्य सरकार इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए है. ऐसा प्रतीत होता है जैसे कि सुजीत कुमार को मोहरा बनाकर ईडी को बदनाम करने की बड़ी साजिश रची जा रही है.

- ईवीएम पर हार का ठीकरा फोड़ना झामुमो की निराशा
- संवैधानिक संस्थाओं पर हमला, झामुमो की हताशा का प्रतीक

विकसित और खुशहाल झारखंड बनाएंगे हम लोग : सूरज मंडल

रांची। करमटोली स्थित धूमकुड़िया भवन में बुधवार को झारखंड आंदोलनकारी मोर्चा की बैठक पूर्व सांसद, झारखंड स्वशासी परिषद (जैक) के पूर्व उपाध्यक्ष एवं झारखंड मजदूर मोर्चा के अध्यक्ष डॉ. सूरज मंडल की अध्यक्षता में हुई. जिसमें आगामी विधानसभा के चुनाव में मंथन किया गया. डॉ. सूरज ने कहा कि लंबे समय से झारखंड विरोधियों का राज्य कायम रहना ही विकट समस्या है. उन्होंने कहा कि झारखंडियों की परेशानियों के हल यह है कि जिस प्रकार आंदोलनकारियों ने अलग प्रदेश लिया है वैसे ही सत्ता की चाबी अपने हाथों में लेकर विकसित और खुशहाल झारखंड बनायेंगे. झारखंड आंदोलनकारी प्रभाकर तिर्की ने कहा कि सभी पांच प्रमंडल में आंदोलनकारियों की गोलबन्दी कर वैसे प्रत्याशियों को चुनाव मैदान में उतारा जाये जो अलग राज्य गठन के आंदोलनकारी रहे हैं. पूर्व विधायक बहादुर उरांव ने कहा कि सूरज मंडल के नेतृत्व में झारखंड आंदोलनकारियों की आक्रोशपूर्ण लड़ाई की जरूरत है. आंदोलनकारी विनोद कुमार भगत ने कहा कि आगामी चुनाव में झारखंड आंदोलनकारियों को एकजुटता के साथ अपनी बातों को मुखरता से लोगों के सामने रखना जरूरी है. बैठक में आंदोलनकारी सूरज प्रसाद स्वर्णकार ने कहा कि गैर आंदोलनकारियों को सत्ता से उखाड़ फेंकने की बजाय झारखंड की स्थिति में सुधार के लिये कोई और रास्ता नहीं बचा है.

खादगढ़ा सब्जी मंडी में लगी आग, मची अफरा-तफरी

संवाददाता। रांची

सुखदेवनगर थाना के पास स्थित खादगढ़ा सब्जी मंडी में बुधवार सुबह आग लग गयी. देखते ही देखते सब्जी मंडी के निचले से लेकर ऊपरी फ्लोर तक आग फैल गयी. आग लगने से मौके पर अफरा तफरी मच गयी. अगलगी की सूचना मिलते ही सब्जी बेचने वाले दुकानदार मौके पर पहुंचे और जल्दी-जल्दी अपनी सब्जियां हटाने में लग गये. वहीं स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई. आग शॉट सर्किट से लगी या फिर किसी असामाजिक तत्व ने इस घटना को अंजाम दिया, इसका खुलासा अब तक नहीं हो पाया है. सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच की. बताया जा रहा है कि बुधवार की सुबह अचानक से सब्जी मंडी के निचले हिस्से और ऊपर के फ्लोर पर आग लग गई. आग की लपटें काफी तेज थीं. स्थानीय लोगों ने अपने स्तर से आग बुझाने का काफी प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिल पायी. इसके बाद घटना की जानकारी अग्निशमन विभाग को दी गई. अग्निशमन विभाग के दमकल ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया.

उप प्रशासक ने सुपरवाइजरों को शहर व छठ घाटों की उत्तम सफाई का प्रबंध करने का दिया निर्देश

दीपावली-छठ महापर्व का रखें ख्याल : नगर निगम

संवाददाता। रांची

आगामी दीपावली एवं छठ महापर्व को देखते हुए नगर निगम के उप प्रशासक गौतम प्रसाद साहू की अध्यक्षता में नगर निगम सभागार में स्वच्छता शाखा के पदाधिकारियों एवं कर्मियों संग बैठक हुई. उन्होंने कहा कि जिस मुस्तैदी के साथ दुर्गा पूजा महोत्सव के दौरान कार्य किए गए, उसी प्रकार दिवाली तथा छठ महापर्व में भी कार्य किये जाये. दीपावली में हर घर में सफाई होती है, और यह निगम की जिम्मेदारी है कि त्योहारों के दौरान एक स्वच्छ और सुंदर वातावरण नागरिकों को प्रदान करें. इसलिए सभी टीम समन्वय स्थापित कर कार्य करें. इसके मद्देनजर सभी वार्डों में विशेष सफाई अभियान चलाए. उन्होंने निर्देश दिया कि निगम क्षेत्र के जलाशय, छठ घाट के लिए, चिन्हित किए गए हैं, सभी जलाशयों को छठ पर्व से पूर्व अच्छी तरह से सफाई सुनिश्चित करें. रांची नगर निगम क्षेत्र में कुल 72 छठ घाट चिन्हित किए गए हैं. सभी घाटों तथा उनके संपर्क पथों पर सुचारू रूप से झाड़ू, कचरे का उठाव, झाड़ियों की कटाई आदि कार्य सुनिश्चित करें. उन्होंने बड़े घाटों में वीड हार्वेस्टिंग मशीन का उपयोग आवश्यकतानुसा करने की बात कही. 53 वार्डों में नियमित फॉगिंग व एंटी लार्वा दवा का छिड़काव करना का निर्देश दिया.

नगर निगम में बुधवार को बैठक करते अधिकारीगण.

विस चुनाव के लिए आम नागरिकों को वोट के प्रति जागरूक करने का निर्देश

चुनाव को लेकर वार्ड सुपरवाइजरों को वोट के लिए नागरिकों को जागरूक करने का निर्देश दिया. 18 व 19 अक्टूबर को जयपाल मुंडा स्टेडियम में आर्ट-81 महोत्सव का आयोजन हो रहा है, जिसमें कला के माध्यम से वोटरों को जोड़ने का प्रयास होगा. इसमें पेंटिंग, स्टेज परफॉरमेंस, फूड कोर्ट, क्विज आदि आयोजित होंगे. इसके लिये सुपरवाइजर को भी प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया, ताकि आम नागरिक भी अपनी चुनाव-थीम वाली पेंटिंग, नारे, कविता या चित्रकारी साझा कर सकें.

राजनीति

पूर्व सीएम चंपाई सोरेन से राज्य के युवाओं से की अपील, कहा

आइए, साथ मिल कर बनाते हैं एक 'नया झारखंड'

प्रमुख संवाददाता। रांची

पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने युवाओं से अपील की है कि आइए, साथ मिल कर एक "नया झारखंड" बनाते हैं, उन लोगों के जीवन-स्तर को बेहतर बनाने का प्रयास करते हैं, जिन्होंने इस नए राज्य के साथ अपने बेहतर भविष्य के सपने देखे थे.

उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर राज्य के युवाओं से कहा है कि युवा शक्ति के कंधों पर किसी भी राज्य तथा राष्ट्र का भविष्य होता है. मात्र 24 साल पुराने हमारे झारखंड राज्य को लेकर आपके मन में कई सपने, उम्मीदें एवं आकांक्षाएं होंगी. आप में से कई साथी अपने परिवार, समाज, राज्य तथा राष्ट्र के लिए बहुत कुछ करना चाहते हैं, लेकिन व्यवस्था की वजह से मजबूर हैं. आपकी परेशानियों तथा आपके मुद्दों को हमने करीब से देखा-समझा है.

पिछले साढ़े चार दशकों के बेदाग रहा राजनीतिक सफर : चंपाई ने अपने पोस्ट में लिखा है कि पिछले साढ़े चार दशकों के मेरा बेदाग राजनीतिक सफर रहा है. हमने हमेशा युवाओं, छात्रों, महिलाओं एवं बड़े-बुजुर्गों समेत समाज के सर्वांगीण विकास के लिए काम किया है. हर किसी के मुद्दों व शिकायतों को सुनने और उनका समाधान तलाशने के लिए प्रयासरत रहा हूं. हमारे कार्यकाल में दर्जनों डिग्री कॉलेज, पॉलीटेक्निक और अन्य शिक्षण संस्थानों का निर्माण शुरू किया गया था. पांच महीनों के अल्पकालिक कार्यकाल के दौरान शुरू की गई विभिन्न नियुक्ति प्रक्रियाओं को रोकने की जद्दोजहद ने ना सिर्फ आपको, बल्कि मुझे भी खासा निराश किया है.

पूरी व्यवस्था में लाना है परिवर्तन

हमारा मकसद सिर्फ सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था में परिवर्तन लाना है. हमलोग एक ऐसी व्यवस्था बनाएंगे, जहां ब्लॉक से लेकर सीएम तक, हर कोई आपकी शिकायतों को सुने एवं पूरी ईमानदारी के साथ उन पर कार्रवाई करे. साथ मिलकर हम एक ऐसी सरकार बनाएंगे जो कैलेंडर बना कर, पारदर्शिता से सभी नियुक्ति प्रक्रियाओं को पूरा करवाएगी. एक ऐसी व्यवस्था बनाएंगे, जिसमें सिर्फ योग्य एवं प्रतिभाशाली छात्रों का चयन हो तथा पेपर लीक एवं भ्रष्टाचार का कोई स्थान ना रहे.

भाजपा सरकार आने के तुरंत बाद शुरू होगी नियुक्ति प्रक्रिया

भाजपा की सरकार बनने के बाद 2.87 लाख नियुक्तियां की जाएंगी. साथ ही 5 लाख युवाओं को स्वरोजगार के अवसर देंगे, ताकि वैसे लोग भी विकास की मुख्य धारा से जुड़ें, जो नियुक्ति प्रक्रिया में शामिल नहीं हो सकते. आपसे कई लोग पहली बार वोट देंगे. उन युवाओं से विशेष अनुरोध है कि भाजपा को वोट देकर, मोदी के हाथों को मजबूत बनाएं.

---

17 और 18 को भी राज्य के विभिन्न इलाकों में बारिश की संभावना

राजनीतिक समीकरण के साथ मौसम का मिजाज भी बदला

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड में बदलते राजनीतिक समीकरण के साथ मौसम का भी मिजाज बदल रहा है. नेताओं का इधर से उधर आना-जाना लगा हुआ है. इसी तरह बेमौसम बारिश भी हो रही है. बुधवार को रांची सहित विभिन्न इलाकों में झमाझम बारिश हुई.

मौसम केंद्र ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में डिप्रेशन की वजह से मौसम ने करवट ली है. इस कारण बादल छाए हुए हैं और बारिश भी हो रही है. मौसम विभाग के अनुसार, 17 और 18 अक्टूबर को भी राज्य के विभिन्न हिस्सों में बारिश की संभावना जताई गई है. वज्रपात की भी संभावना जताई गई है. 17 अक्टूबर को रांची सहित देवघर, धनबाद, गोड्डा, दुमका, गिरिडीह, जामताड़ा, पाकुड़ साहेबगंज, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सिमडेगा में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है. वहीं 18 अक्टूबर को भी बारिश की संभावना जताई गई है. इन दो दिनों तक बादल छाये रहेंगे. 19 अक्टूबर से मौसम साफ हो जाएगा.

सात जिलों में हुई झमाझम बारिश : बुधवार को सात जिलों धनबाद, रांची, खूंटी, लोहरदगा, गुमला, पूर्वी-पश्चिमी सिंहभूम में झमाझम बारिश हुई. सबसे ज्यादा 24.4 मिमी बारिश हुई. वहीं सरायकेला में अधिकतम पारा 35.8 डिग्री दर्ज किया.

बौद्ध परिपथ पर केंद्रित 'चरथ भिक्खवे' यात्रा बोधगया पहुंची, साहित्यकार सह प्रधान संपादक रणेंद्र लिखित पुस्तक 'देशज बुद्ध' का विमोचन

मैत्री, करुणा और सद्भाव का व्यापक संदेश जन-जन तक पहुंचे : प्रो. शाही

संवाददाता। रांची

बौद्ध परिपथ पर संकेंद्रित चरथ भिक्खवे यात्रा अपने दूसरे पड़ाव पर मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के सामने स्थित राजस्व सर्वे एवं प्रशिक्षण संस्थान पहुंची. प्रो. सदानंद शाही के नेतृत्व में समस्त यात्रीगण जलपान के बाद बोधगया में महाबोधि मंदिर के दर्शन के लिए पहुंचे. वहां उन सभी का स्वागत और अभिनंदन बीटीएमसी कार्यालय में भंते धर्मेंद्र द्वारा किया गया. मंदिर के मनोरम परिसर का भ्रमण करने के बाद सभी यात्री पुनः राजस्व प्रशिक्षण संस्थान में देशज बुद्ध पुस्तक के विमोचन के लिए पहुंचे. अनेक विद्वानों की संगति में साहित्य, संस्कृति और समाज व अनेक विषयों पर इस कार्यक्रम ने सचल कार्यशाला के रूप में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई.

देर शाम पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में पुस्तक के प्रधान संपादक रणेंद्र ने विषय-प्रवेश में बुद्ध के विचारों और बौद्ध धर्म की संस्कृति व झारखंड की आदिवासी संस्कृति के मध्य आदान-प्रदान के संदर्भ में अपनी बात रखी. झारखंड में प्रचलित बुद्ध की अनेक किंवदंतियों का पुरावशेषों के आधार पर विश्लेषण इस पुस्तक में किया गया है. यात्रा के संयोजक प्रो. शाही ने देश को जानने, उसकी प्रतीति करने और अंततः उससे सच्चा प्रेम करने के संदर्भ में 'चरथ भिक्खवे' यात्रा के मूल भाव को व्यक्त किया. उन्होंने बुद्ध के संबंध में नए तथ्यों की दिलचस्प खोज के लिए रणेंद्र को बधाई दी और उम्मीद जताई कि मैत्री, करुणा,

बोध गया में साहित्यकार रणेंद्र की पुस्तक का लोकार्पण करते साहित्यकार एवं प्रबुद्ध जन.

सद्भाव का व्यापक संदेश जन-जन तक पहुंच सकेगा. प्रो. रामसुधार सिंह ने ढाई हजार साल पहले राजकुमार सिद्धार्थ के बुद्ध बनने की यात्रा और उस समय प्रचलित धार्मिक व सामाजिक रूढ़ियों से संघर्ष की बात की. बुद्ध द्वारा लोकानुकंपाय दी गई देशना का भी उल्लेख उन्होंने किया. विमोचित पुस्तक में देशज नाम के आकर्षण के बारे में भी बताया. इंग्लैंड में पले-बढ़े और बोधगया में 'द रुट फाउंडेशन' के निदेशक कबीर सक्सेना ने तिब्बती बौद्ध परंपरा द्वारा नालंदा ज्ञान परंपरा को वर्तमान समय में आगे बढ़ाने की बात रखी. इस बात पर जोर दिया कि भीतर की यात्रा अधिक महत्पूर्ण है, जिससे वास्तविक रूप में सब सुखी हो पाएं.

मुख्य अतिथि और 'अंधेरे में बुद्ध' की लेखिका डॉ. गगन गिल ने यात्रा के सांस्कृतिक-साहित्यिक महत्त्व को रेखांकित किया. 'देशज बुद्ध' पुस्तक के रणेंद्र जी की सराहना भी की. बताया कि बुद्ध के पथ का अनुसरण आज और अधिक ज़रूरी हो गया है. कार्यक्रम की अध्यक्ष और वरिष्ठ आलोचक डॉ. रंजना अरगड़े ने अपने जीवन के प्रमुख उद्देश्यों में एक, बोधगया आने के बारे में बताया. इस संदर्भ में पाली और बौद्ध साहित्य के प्रकांड विद्वान डॉ. धर्मानंद दामोदर कोसंबी की पुस्तक का भी उल्लेख किया, जिसमें 100 साल पहले बोधगया और बौद्ध धर्म की उजड़ी हुई स्थिति के बारे में दिलचस्प बयान किया गया है. मंच संचालन डॉ. परम प्रकाश राय और धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम के स्थानीय संयोजक डॉ. राकेश कुमार रंजन ने किया. इस अवसर पर डॉ. अनुज लुगून, डॉ. पृथ्वीराज सिंह, डॉ. शैलेंद्र, डॉ. पिंटू कुमार, डॉ. अनुज कुमार तरुण, डॉ. अंबे कुमारी, डॉ. रमाशंकर सिंह, प्रकाश उदय, डॉ. कुणाल किशोर, अंशुप्रिया, चाहत अन्वी, रवींद्र, अलोक की विशिष्ट उपस्थिति के अतिरिक्त मगध विश्वविद्यालय और दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के अनेक विभागों के विद्यार्थियों की सक्रिय उपस्थिति रही. कार्यक्रम के बाद 'साखी' पत्रिका के 'बुद्ध की धरती पर कविता' अंक और 'बुद्ध के बढ़ते कदम' अंक को विद्यार्थियों, शिक्षकों ने पढ़ा और खरीदा. देर रात सभी अतिथियों और श्रोताओं ने राजस्व संस्थान में रात्रिभोज भी किया. अगली सुबह यात्रा अपने अगले पड़ाव की ओर रवाना हुई.

अग्रसेन भवन में भाषण तथा चित्रकला प्रतियोगिता 20 को

रांची। अग्रवाल सभा रांची के 48 वें वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में 20 अक्टूबर को समाज के विभिन्न वर्गों के लिए अंतर्विद्यालय प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी. उनमें चित्रकला एवं जस्ट ए मिनट भाषण प्रतियोगिता शामिल हैं. चित्रकला प्रतियोगिता इन चार वर्गों में आयोजित की जाएगी- कक्षा 2 एवं 3 तक, कक्षा 4 से 6 तक, कक्षा 7 एवं 8 तक तथा कक्षा 9 से 12 तक है. सभी वर्गों के लिए विषय 'मं- तेरा नाम एक, काम अनेक रखा गया है. जस्ट ए मिनट भाषण प्रतियोगिता केवल कक्षा 8 से 10 तक के लिए आयोजित होगी, जिसकी भाषा केवल हिंदी होगी. भाषण का विषय प्रतियोगिता स्थल पर ही दिया जाएगा. सभी प्रतियोगिताओं में प्रवेश निःशुल्क है. यह जानकारी अग्रवाल सभा के उप मंत्री निर्मल बुधिया ने दी है.

1934 से दुर्गाबाड़ी में हो रहा कोजागोरी लक्ष्मी पूजा का आयोजन

दुर्गाबाड़ी में श्रद्धा-भक्ति से मनायी गयी लोक्खी पूजा

संवाददाता। रांची

श्री श्री हरी सभा तथा दुर्गा पूजा समिति की ओर से अल्बर्ट एक्का चौक स्थित श्री दुर्गा बाड़ी के प्रांगण में बुधवार को मां कोजागोरी लोक्खी पूजा (लक्ष्मी पूजा) का आयोजन किया गया. श्री श्री दुर्गा बाड़ी के प्रवक्ता प्रदीप रॉय बाबू ने बताया कि रात 8.5 बजे पूजा आरंभ हुई, जो रात्रि 9.40 बजे समाप्त हुई. पूजा के दौरान चूंकि रात्रि बेला की पूजा है, इसलिए इस विशेष पूजा में सर्वप्रथम पूजा के बाद मां की आरती की गई. आरती में शंख ध्वनि एवं बंग समुदाय की विशेष उल्लू ध्वनि का ही प्रावधान है. इसके उपरांत मां को भोग निवेदित किया गया, जिसमें मां को शुद्ध नारियल का लड्डु, चूड़ा, चीनी एवं बुंदिया तथा घी की पूड़ी एवं छेना के मिष्ठान्न सहित फल, फूल का भोग चढ़ाया गया. मां लक्ष्मी की आरती के बाद पुष्पांजलि संपन्न हुई, इसके बाद हवन किया गया, जो रात्रि 11 बजे समाप्त हुआ. दुर्गा बाड़ी में 1934 से कोजागोरी लक्ष्मी पूजा का आयोजन होता आ रहा है. इस पूजा की विशेषता यह है कि नयी फसलों का संचय एवं धन संपदा, सुख समृद्धि, दीर्घायु होने की कामना,साथ ही मंगल कामना के लिये मंदिरों सहित बंग समुदाय में घर घर यह पूजा की जाती है एवं मां को नारियल से बने लड्डू का भोग अवश्य ही चढ़ाया जाता है तथा यह भी मान्यता है कि आज लक्ष्मी जी की पूजा करने से एवं घर के चारों ओर आल्पोना (रंगोली) देकर मां का आह्वान किया जाता है. साथ ही घर के सभी दरवाजे, खिड़कियां खुले रखते हैं, ताकि मां का आगमन हो एवं परिवार के सभी लोगों को सुखमय जीवन जीने का आशीर्वाद मां से प्राप्त हो सके.

पूजा को बंगाल से आए दुर्गा बाड़ी के चयन रॉय ने संपन्न कराया. तथा पूजा का संचालन एवं संपन्न कराने में श्री दुर्गा बाड़ी के गोपाल भट्टाचार्य, सेतांक सेन, श्यामल रॉय, संदीप चौधरी, प्रदीप रॉय, जयंत कर, अमित रॉय, मृणाल घोष, संजय रॉय, देवनाथ गांगुली, दीपेंद्र नारायण घोष, छोटन सूत्रधर, नारायण प्रमाणिक, सीमंतो प्रमाणिक समेत अन्य सदस्यों का सहयोग रहा. दुर्गा बाड़ी के सचिव गोपाल भट्टाचार्य ने बताया कि गुरुवार 17 अक्टूबर को सुबह 6 बजे से पहले पूजा आरंभ होगी एवं प्रातः 7.45 बजे कलश विसर्जन की जायेगी, क्योंकि पूर्णिमा संध्या 5.44 तक रहेगी. कल प्रतिमा विसर्जन नहीं होगा, क्योंकि संध्या बेला में मां लक्ष्मी जी का विसर्जन नहीं किया जाता है, इसलिए उसके आगामी दिन शुक्रवार 18 अक्टूबर को प्रातः 7.45 बजे से 8 बजे के मध्य लाइन टैंक रोड स्थित चडरी तालाब में प्रतिमा का विसर्जन होगा.

तिरुपति बालाजी मंदिर में हुआ विशेष अनुष्ठान

रांची। शरद पूर्णिमा के अवसर पर स्थानीय श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर (तिरुपति बालाजी) मंदिर में बुधवार को विशेष अनुष्ठान का आयोजन किया गया. इस अवसर पर आरती और विश्वरूप दर्शन हुआ. फिर सुप्रभातम् आदि के बाद पंचरात्र विधि से तिरुवाराधन हुआ और दूध, दही, हल्दी, चंदन, शहद, नारियल युक्त जल, गंगाजल और पुष्प, तुलसी इत्यादि औषधिये युक्त जल से महाभिषेक कराया गया. रात्रि 9.00 बजे से आराधना, महाआरती, नैवेध और महास्तुति, तीरथ, शठारी, तदियाराधन एवं अन्यान्य विधान के बाद दूध, चावल, काजू, कागजी बादाम, किसमीश इत्यादि मेवा से परिपूर्ण खीर महाप्रसाद तैयार कर भगवान को भोग लगाया और फिर वह निवेदित खीर को परमस्थान (बलिपीठम्) गरुड़ध्वज के पास खुले आकाश में अमृतत्व की प्राप्ति की अपेक्षा से रखा गया. इस अवसर पर श्रीस्तुति, भूस्तुति, गोदास्तुति, वेगासेतुस्तोत्रम्, अष्टभुजाष्टकम्, कामासिकाष्टकम् , परमार्थस्तुति और देवनायक पञ्चाशत का पाठ निरंतर होता रहा. यजमान पुलक-आयुषी सिंघानिया तथा आनंद प्रकाश-राधिका अग्रवाल थे, जबकि राम अवतार नारसरिया, कमल सिंघानिया, प्रदीप नारसरिया, जगमोहन नारसरिया, अनूप अग्रवाल, रंजन सिंह, विनोद अग्रवाल कोलकाता डॉ. संजय मिश्रा, प्रभास मित्तल, शंभू नाथ पोद्दार के अतिरिक्त भारी संख्या में श्रद्धालु अनुष्ठान में सहभागिता निभाई

हरमू रोड के श्रीश्याम मंदिर में मनाया गया शरद पूर्णिमा उत्सव

श्रीश्याम मंदिर में खाटू नरेश का शुक्ल शृंगार एवं भजन कीर्तन प्रस्तुत करते श्रद्धालु कलाकार.

संवाददाता। रांची

श्रीश्याम मित्र मण्डल के तत्वावधान में बुधवार को हरमू रोड के श्रीश्याम मंदिर में विराट रूप में शरद पूर्णिमा उत्सव का आयोजन किया गया. मण्डल के प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने बताया कि वर्ष में मात्र एक दिन ही खाटूनरेश का श्वेत (सफेद) शृंगार होता है, जिसमें फूल, पोशाक, आभूषण, प्रसाद, लाईट सभी कुछ श्वेत (सफेद) रहता है. कोलकाता से मंगाए गए सुगंधित राजनीगंधा,आरकिड, स्टार,बेली, मोती के सफेद फूलों की मोटी-मोटी मालाओं से खाटूनरेश का अनोखा शृंगार किया गया. मंदिर में विराजमान रिद्धी -सिद्धी, लड्डूगोपालजी , शालीग्राम जी, गरुड़ जी, हनुमान जी, शिव परिवार, प्राचीन चित्रोa व गुरुजनों का विशेष शृंगार भी सफेद श्वेत फूलों से किया गया. रात्रि 7 बजे व 8.30 बजे ग्वाल आरती, रात्रि आरती की गयी. मुख्य समारोह रात्रि 9 बजे मण्डल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी व महामंत्री विश्वनाथ मंदिर नारसरिया के नेतृत्व में प्रारंभ हुआ. खाटूनरेश की अखण्ड ज्योति प्रज्ज्वलित की गयी. श्वेत प्रसाद-खीर, पूड़ी, लुंजी, काजू मेवा का भोग लगाया गया. तीन घंटे का अनवरत भजनों का कार्यक्रम चला, जिसका संचालन मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी ने किया. श्रवण ढांढ़निया, साकेत ढांढ़निया, गौरव अग्रवाल मोनू, पंकज गाड़ोदिया, वेदभूषण जैन पप्पू, संजय सराफ आदि के साथ

धनबाद के प्रसिद्ध भजन गायक परितोष एवं मिनी प्रीतम ने एक से बढ़कर एक भजनों का गायन कर खाटूनरेश को रिझाया. इस अवसर पर रात्रि 12 बजे बाबा की विशेष शयन आरती की गयी. भक्तजनों को खीर- पुड़ी-लुजी का प्रसाद बांटा गया. संजय सराफ, अभिषेक सरावगी, रौनक पौदार, वेदभूषण जैन, अरविन्द सोमनी आदि ने भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया.

शनिवार को श्रीश्याम भण्डारा : श्रीश्याम मित्र मण्डल द्वारा हरमू रोड़ के श्रीश्याम मंदिर में शनिवार 19.10.2024 को 130 वां श्री श्याम भण्डारा का आयोजन सायं 5 बजे से होगा.

खास बातें

- वर्ष में मात्र एक ही दिन होता है श्रीश्याम का श्वेत शृंगार
- धनबाद से आये थे प्रसिद्ध भजन गायक परितोष एवं मिनी प्रीतम

रिम्स में बेसिक लाइफ सपोर्ट पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

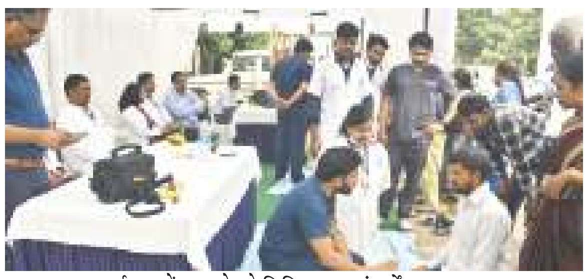

जागरूकता कार्यक्रम में भाग ले रहे चिकित्सक एवं नर्सें.

संवाददाता। रांची

विश्व निश्चेतना दिवस के अवसर पर रिम्स में एनेस्थिसिया विभाग के द्वारा आम जनता के लिए बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) पर एक महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. 16 अक्टूबर 1846 को पहली बार विलियम टीजी मोर्टन द्वारा मैसेट्यूचेट्स जनरल हॉस्पिटल, बोस्टन, अमेरिका में निश्चेतना विज्ञान का सफल प्रदर्शन किया गया था.

इस कार्यक्रम में निश्चेतना विभाग के चिकित्सकों ने इसमें अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया. इस कार्यक्रम का उद्देश्य आम लोगों को आवश्यक जीवन-रक्षक कौशल के बारे में जानकारी देना था. जागरूकता कार्यक्रम में बुनियादी बीएलएस तकनीकों को सिखाने पर ध्यान केंद्रित किया गया जो आपातकालीन स्थितियों में अति महत्वपूर्ण है. एनेस्थिसिया विभागाध्यक्ष प्रो डॉ. लाधू लकड़ा ने इस कार्यक्रम के महत्व पर जोर दिया.

डॉ मुकेश कुमार, सह प्राध्यापक के कुशल अध्यक्षता में यह ट्रेनिंग आयोजित की गई. उइस कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापक डॉ तुषार कुमार, डॉ सौरभ कुमार, डॉ भारती तथा डॉ सौरभ सुमन ने आम जन समूह को बीएलएस की बारीकियों से अवगत कराया.

जयपाल-जुलियुस-हन्ना साहित्य अवार्ड के लिए चुने गए तीन आदिवासी कवि

रांची। झारखंड के तीन आदिवासी कवियों को तीसरे जयपाल-जुलियुस-हन्ना साहित्य अवार्ड के लिए चुना गया है. इसमें महाराष्ट्र के विनोद मोतीराम आत्राम को उनके गोंडी-हिंदी कविता संग्रह ठेमसा बाघाजोत, सिलिगुड़ी, पश्चिम बंगाल की शिखा मिंज को उनके सादरी संग्रह 'निरदन' और पाकुड़, झारखंड के अल्बिनुस हेंब्रम को उनके संथाली संग्रह 'सिरजोऩरे जीवेदोक़' को शामिल किया गया है. यह अवार्ड 30 नम्वबर को मोरहाबादी स्थित टीआरआई हॉल में पद्मश्री दमयंती बेसरा के हाथों दिया जाएगा. फाउंडेशन की मुख्य कार्यकारी और अवार्ड की संयोजक वंदना टेटे ने बताया कि यह अवार्ड देश के सर्वोच्च आदिवासी नेता जयपाल सिंह मुंडा, झारखंड आंदोलन के लेखक-पत्रकार जुलियुस तिग्गा और लड़ाकू नेत्री हन्ना बोदरा की स्मृति में दिया जाता है. इसकी शुरुआत 2022 में की गई थी. यह अवार्ड देश की आदिवासी भाषा-लिपि या हिंदी-अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में लिखित तीन उत्कृष्ट मौलिक पांडुलिपियों को प्रकाशित किया जाता है.

गढ़वा में 24 वीं राज्यस्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता शुरू

संवाददाता। रांची

राजस्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता में भाग ले रहे खिलाड़ी.

गढ़वा जिला टेबल टेनिस संघ के मेजबानी में आयोजित 24वीं राज्य स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता का उद्घाटन बुधवार को जिला मुख्यालय के नवादा मोड़ स्थित बंधन मैरिज हॉल में किया गया. इस प्रतियोगिता में झारखंड के 142 खिलाड़ियों ने भाग लिया. प्रतियोगिता का उद्घाटन संघ के संरक्षक अलख नाथ पांडेय, झारखंड टेबल टेनिस संघ के उपाध्यक्ष सेबल गुप्ता, युवा सर्जन डॉ कुमार निशांत, अध्यक्ष मदन प्रसाद केशरी, सचिव आनंद सिन्हा,सिस्टर रोशना, संजय सोनी, सुशील केशरी, नंद कुमार गुप्ता, ललन सोनी, रविन्द्र जायसवाल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया.

मौके पर संरक्षक अलख नाथ पांडेय ने कहा कि खेलों में हार जीत आम बात है. अनुशासित खिलाड़ी हर हार से सबक लेकर जीत की ओर अग्रसर होते रहते हैं. विशिष्ट अतिथि डॉ कुमार निशांत ने कहा कि गढ़वा जिला टेबल टेनिस संघ तीन साल के अंदर दूसरी बार प्रतियोगिता आयोजित कर रही. अध्यक्ष मदन प्रसाद केशरी ने स्वागत भाषण किया. इस प्रतियोगिता में राज्य के 10 जिले के विभिन्न आयु वर्ग में 142 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं. जिसमें 91 बालक और 52 बालिकाएं शामिल हैं. इस मौके पर झारखंड राज्य टेबल टेनिस संघ के उपाध्यक्ष शैबाल गुप्ता, गढ़वा जिला टेबल टेनिस संघ के उपाध्यक्ष धनंजय सिंह, दीपक, ललन सोनी, अशोक कुमार दुबे, मुजीबुद्दीन खान, सह सचिव प्रिंस सोनी, रामाशंकर सिंह अभय कुमार, संजय सिंह, आमोद कुमार पाण्डेय,अजय कुमार ठाकुर, पलामू जिला टेबल टेनिस संघ के सचिव नवनीत सुंदरम, प्रवीण मिश्रा सहित कई लोग शामिल थे.

बुधवार को खेले गये मैच के परिणाम : महिला वर्ग के पहले सेमीफाइनल में पूर्वी सिंहभूम ने धनबाद को 3-0 से तथा महिला वर्ग के दूसरे सेमीफाइनल में गढ़वा ने रांची को 3-1 से हराकर फाइनल में जगह बनाएं. वहीं जूनियर बालक वर्ग में गढ़वा ने पूर्वी सिंहभूम को 3-0 से तथा रांची ने बोकारो को 3-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया. बालिका वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में रांची में गढ़वा को 3-1 से जबकि पूर्वी सिंहभूम ने बोकारो के अनुपस्थिति में फाइनल में प्रवेश किया.

सड़क सुरक्षा और दुर्घटना के प्रति जागरूक रहें : डॉ आनंद

संवाददाता। रांची

मेदांता अब्दुर रज्जाक अंसारी मेमोरियल वीवर्स अस्पताल, रांची के प्रमुख न्यूरो सर्जन डॉ. आनंद कुमार झा ने सड़क दुर्घटनाओं और अन्य आकस्मिक दुर्घटनाओं से होने वाले ट्रॉमा पर जागरूकता फैलाने का आह्वान किया. डॉ. झा बुधवार को विश्व ट्रॉमा दिवस के अवसर पर अस्पताल में आयोजित एक कार्यक्रम में विचार व्यक्त कर रहे थे. उन्होंने कहा कि भारत में हर वर्ष लाखों लोग सड़क दुर्घटनाओं का शिकार होते हैं, जिनमें से एक बड़ा हिस्सा गंभीर रूप से घायल हो जाता है. समय पर उपचार और ट्रॉमा प्रबंधन से हजारों जिंदगियां बचाई जा सकती हैं. ट्रॉमा की स्थिति में स्वर्णिम घंटे (गोल्डन ऑवर) का अत्यधिक महत्व है. यदि इस समय में उचित चिकित्सा सहायता दी जाए तो मरीज की जान बचाई जा सकती है और गंभीर स्थायी क्षति को रोका जा सकता है.

डॉ झा ने कहा कि ट्रॉमा के प्रति जागरूकता और सही कदम उठाने से ही हम सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वाली मौतों और विकलांगताओं को कम कर सकते हैं. सड़क सुरक्षा नियमों का पालन, हेलमेट और सीटबेल्ट का उपयोग, और सही समय पर चिकित्सा सहायता ट्रॉमा से बचाव के प्रमुख उपाय हैं. उन्होंने कहा कि मेदांता अस्पताल, रांची में उपलब्ध अत्याधुनिक सुविधाओं और विशेषज्ञ टीम के साथ, हर प्रकार के ट्रॉमा मरीजों को सर्वश्रेष्ठ इलाज प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है. इस विश्व ट्रॉमा दिवस पर उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक रहें और ट्रॉमा के लक्षणों को पहचानने और समय पर मदद लेने के लिए तत्पर रहें. मेदांता अस्पताल, रांची में विश्व स्तरीय इमरजेंसी एंड ट्रॉमा केयर सुविधा है. हॉस्पिटल के डायरेक्टर विश्वजीत कुमार ने कहा कि प्रति वर्ष 400 से अधिक लोगों की सड़क दुर्घटना में मौत होती है.

जाड़े की दस्तक ठंड से बचने की तैयारी में जुटे लोग, राजधानी में सजने लगे गर्म कपड़ों के बाजार

सात राज्यों के गर्म कपड़ों से सजा पोताला मार्केट

संवाददाता। रांची

जाड़े के मौसम ने दस्तक देनी शुरू कर दी है. जाडे.से निपटने के लिए लोग तैयारी में जुट गए है. बड़े से लेकर छोटे सभी अपनी आय के हिसाब से गर्म कपड़े के प्रबंध में जुट गए हैं. राजधानी में गर्म कपड़ों के बाजार भी सजने शुरू हो गये हैं. उन्हीं बाजार में शामिल है पोताला मार्केट, जिसके लिए तिब्बती बड़ी संख्या में रांची पहुंच चुके हैं. राजधानी के सर्कुलर रोड स्थित पोताला मार्केट में 98 गर्म कपड़ों के स्टॉल लगाये गये हैं. यहां पर हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक. ओडिशा और दार्जिलिंग से

सर्कुलर रोड में गर्म कपड़ों से सजने लगा पोटाला मार्केट.

350 लोग रांची पहुंचे हैं. ये सभी ऊन से बने स्वेटर, टोपी, जैकेट, ब्लेजर, कुर्ती, गलाबंद समेत अन्य गर्म कपडे. बेच रहे हैं. पोटाला मार्केट में एक ही छत के नीचे मनपसंद गर्म कपड़े आसानी से मिल रहे हैं.

किसकी क्या कीमत

- जैकेट-1800 -2000
- लेदर जैकेट- 1800 -2000
- बच्चो का स्वेटर- 800-1000
- उलेन कुर्ती - 1600-1800
- शॉल- 500-1000
- टोपी-130-280
- गलाबंद- 170
- लेडिज कोट-2000

पोताला मार्केट के अध्यक्ष शृंग दोरजे, रिनज़ीन लवंग, लोमसंत दंपत तथा मजेत लांग ने बताया कि 65 साल से रांची में दुकान लगाते आ रहे हैं. सबसे पहले फिरायालाल चौक में सात साल,शहीद चौक में पद्रह साल, जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में 20 साल स्टॉल लगा चुके है.फिलहाल सर्कुलर रोड में सात साल से दुकान लगा रहे हैं. अक्टूबर से लेकर जनवरी 2025 तक दुकानें खुली रहेंगी. सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक दुकान खुली रहेंगी. ग्राहक के हिसाब से सभी कपडे. स्टॉल में सजाये गये हैं. उचित कीमत पर हर प्रकार के गर्म कपड़े एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं. इस मार्केट में कम कीमत से लेकर ऊंची कीमत और फैशन के अनुरूप कपड़े लाये गये हैं.

रांची में 19 को पासवा का संविधान सम्मान सम्मेलन

संवाददाता। रांची

पब्लिक स्कूल्स एण्ड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन (पासवा) के तत्वावधान में 19 अक्टूबर को शौर्य सभागार जैप वन डोरंडा में संविधान सम्मान सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसके लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी संविधान सम्मान सम्मेलन के मुख्यअतिथि होंगे. पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे ने बताया कि झारखंड के विभिन्न सामाजिक, जातिगत एक्टिविस्ट, संविधानविद्, प्रोफेसर सहित अन्य प्रबुद्ध शिक्षाविद लगभग 500 प्रतिनिधि संविधान सम्मान सम्मेलन में आमंत्रित किए जाएंगे.

उन्होंने बताया कि सम्मेलन का आयोजन दिल्ली से प्रतिष्ठा सिंह, मनोज त्यागी,अनिल जैन के संयोजकत्व एवं देखरेख में होगा. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि राहुल गांधी का संवाद करना काफी लाभप्रद होगा. डॉ. रामेश्वर उरांव ने बताया कि लोकसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने संविधान, लोकतंत्र एवं सामाजिक न्याय को लेकर आम जनों तक मजबूती के साथ अपना दृष्टिकोण रखा था. क से समझने की कोशिश की थी, उसी कड़ी में झारखंड के सामाजिक, जातिगत, बौद्धिक, शैक्षणिक संविधानविद्, प्रोफेसर, डॉक्टर, इंजीनियर के साथ संवाद करेंगे और उनके विचारों को लेकर आगे बढ़ेंगे. पूर्व मंत्री सुबोध कांत सहाय, कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव, डॉ. राजेश गुप्ता, डॉ. कुमार राजा इस कार्यक्रम की सफलता के लिए कार्यक्रम की तैयारी पर अपनी निगाह रखे हुए हैं तथा संविधान सम्मान समारोह आयोजित करने वाली टीम से यथोचित मार्गदर्शन ले रहे हैं.

ब्रीफ खबरें

बीडीओ ने प्रभार ग्रहण किया

सिल्ली/मुरी। अनिल कुमार ने सिल्ली प्रखंड विकास पदाधिकारी के रूप में प्रभार ग्रहण किया. पूर्व प्रखंड विकास पदाधिकारी रेनू बाला ने पुष्पगुच्छ देखकर स्वागत किया. प्रभार ग्रहण करने के बाद प्रखंड के सभी कर्मियों से परिचय प्राप्त किया. उन्होंने कहा कि सिल्ली को विकास के रास्ते में अग्रसर करना हमारी प्राथमिकता होगी. विकासशील कार्यों एवं जनहित के कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने की हमारी कोशिश रहेगी.

हथियार के साथ छह अपराधी गिरफ्तार

लातेहार। मनिका पुलिस ने हथियारों के साथ छह अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. एसडीपीओ भरत राम ने मनिका थाने में प्रेसवार्ता में बताया कि एसपी को सूचना मिली कि कुछ अपराधी उग्रवादी संगठनों के नाम पर संवेदकों व व्यापारियों से लेवी मांग रहे हैं. किसी बड़ी तैयारी में हैं. सूचना के बाद एसडीपीओ के नेतृत्व में टीम का गठन हुआ. इसमें मनिका थानेदार शशि कुमार व अन्य जवान शामिल थे. सदस्यों ने रेड कर मनिका थाना क्षेत्र के जुंगुर ग्राम से अनिल यादव, सागर यादव, अखिलेश, मिथिलेश, शिवानंद उर्फ शिव, जावेद अंसारी को गिरफ्तार किया है. निशानदेही पर जंगल में तालाब से राइफलनुमा लोहे का चार हथियार व एक देसी कट्टा बरामद किया.

चैंबर का दिवाली ट्रेड फेयर 21 व 22 को

जमशेदपुर। सिंहभूम चैंबर भवन में 21 व 22 अक्टूबर को दिवाली ट्रेड फेयर का आयोजन किया गया है. ट्रेड फेयर वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देने एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है. बुधवार को पोस्टर का विमोचन किया गया. जिसमें चैम्बर के अध्यक्ष विजय आनंद मूनका, महासचिव मानव केडिया, उपाध्यक्ष ट्रेड एंड कॉमर्स अनिल मोदी, उपाध्यक्ष उद्योग पुनीत कांवटिया आदि मौजूद रहे. चैम्बर के अध्यक्ष विजय आनंद मूनका ने बताया कि व्यापार एवं उद्योग को बढ़ावा देना चैम्बर का मुख्य उद्देश्य है. इसी उद्देश्य से दीपावली ट्रेड फेयर का आयोजन किया जा रहा है. उन्होंने से लोगों से इस मेले में आकर मेले का लाभ उठाने की अपील की.

भाजपा बनाएगी पूर्ण बहुमत की सरकार

जमशेदपुर। भाजपा नेता शिव शंकर सिंह ने चुनाव आयोग के झारखंड विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान का स्वागत किया और कार्यकर्ताओं से चुनाव तैयारियों में पूरी ताकत से जुट जाने की अपील की. उन्होंने कहा कि कुशासन से प्रदेश की जनता ऊब चुकी है और बदलाव चाहती है. इस बार भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी. हेमंत सरकार का पांच साल तक जनता के दुख दर्द से कुछ भी लेना देना नहीं रहा.

चुनावी रणनीति पर आजसू की बैठक आज

जमशेदपुर। आजसू पार्टी जिला समिति के पदाधिकारियों, चुनाव प्रभारियों व सह प्रभारियों सहित वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की एक बैठक गुरुवार को आजसू पार्टी के केंद्रीय प्रधान महासचिव रामचंद्र सहिस के आवासीय कार्यालय ग्रीन वाटिका सिटी डिमना रोड मानगो में दोपहर 12 बजे से होगी. इसमें विधानसभा चुनावों की रणनीति तय की जाएगी तथा पदाधिकारियों में जिम्मेदारियां बांटी जाएंगी.

आदर्श आचार संहिता लगने के उपरांत बैठक आयोजित, अंचलाधिकारी प्रताप मिंज ने कहा-प्रशासनिक मैनेजमेंट हम सब की जिम्मेदारी

चुनाव प्रशासन का महत्वपूर्ण कार्य, लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी : बीडीओ

संवाददाता। बेड़ो

बैठक को संबोधित करते प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी.

आदर्श आचार संहिता लगने के उपरांत प्रखंड मुख्यालय के सभागार में बुधवार को चुनाव से संबंधित बैठक प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल उरांव की अध्यक्षता में की गई. इसमें सभी विभाग के पदाधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे. सभी पदाधिकारी और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए एवं चुनाव संबंधी जानकारी देते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल उरांव ने कहा कि चुनाव कराना प्रशासन का सबसे महत्वपूर्ण कार्य है. इसमें किसी भी प्रकार के लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी. शत प्रतिशत मतदान और सफल इलेक्शन कराना हमारा लक्ष्य है. आगामी एक महीना का हर एक पल हम सबके लिए चुनौती पूर्ण है और इस चुनौती का सामना हमें टीम भावना के साथ करना है. उन्होंने आगे कहा कि इस एक माह के दौरान किसी को भी किसी प्रकार की कोई छुट्टी नहीं दी जाएगी. केवल विशेष परिस्थिति में एक दिन की छुट्टी पर विचार किया जा सकता है. उन्होंने एफ एस टी और एस एस टी सहित अन्य कार्यों की जिम्मेदारी को विस्तार पूर्वक समझाया. उन्होंने बताया कि एसटी के लिए दो चेक पोस्ट बनाये जाएंगे. वहीं अंचलाधिकारी प्रताप मिंज ने बताया कि इस बार वोट प्रतिशत को बढ़ाने के लिए कई उपाय किए गए हैं, जिसमें प्रति घंटा 120 मतदाता को वोट करना सुनिश्चित करना है. यानी प्रति मिनट दो व्यक्तियों का मतदान संपन्न करना हम सब का दायित्व है. इसके लिए आवश्यक तैयारियां वक्त से पहले सुनिश्चित कर लिया जाना है. उन्होंने फार्म बी के बारे में बताया कि फार्म बी 85 वर्ष या उससे अधिक के ऐसे वृद्धाओं के लिए भरा जाना है जो मतदान केंद्र तक आने में सक्षम नहीं है. यह फॉर्म 40% से अधिक दिव्यांगजनों के लिए भी भरा जाना है किंतु साथ में दिव्यांगता का प्रमाण पत्र संलग्न करना भी आवश्यक है. पूरे चुनाव के सारे मैनेजमेंट की जिम्मेदारी हम सब की है और हमें इसे बखूबी अंजाम देना है. मौके पर प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी संजय तिर्की, प्रधान लिपिक फारूक नदीम, इलेक्शन प्रभारी राजेश कुमार नायक, सहायक अभियंता पुरुषोत्तम भाई पटेल, कनीय अभियंता सद्दाम हुसैन, दुर्गा टाना भगत, सुरेश लिंडा, अभय आशीष कोया, परमानंद के अतिरिक्त विभिन्न विभाग के पदाधिकारी व कर्मी, पंचायत सेवक, जन सेवक, रोजगार सेवक आदि मौजूद थे.

झारखंड में सरकार बदलने का समय आ चुका है : मेघवाल

मुख्यमंत्री पर कड़े प्रहार, कहा चाहिए डबल इंजन की सरकार

- चिरकुंडा टाउनहाल और धनबाद के हीरापुर अग्रसेन भवन में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा का प्रबुद्धजन सम्मेलन

संवाददाता। धनबाद/मैथनः

झारखंड में चुनावी बिगुल बजने के साथ भाजपा चुनावी मैदान में जोरशोर से उतर गई है. बुधवार को चिरकुंडा टाउनहाल और धनबाद के हीरापुर अग्रसेन भवन में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा द्वारा आयोजित प्रबुद्धजन सम्मेलन में केंद्रीय कानून, सांस्कृतिक एवं संसदीय कार्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने झारखंड सरकार पर जमकर तीर चलाए. निरसा में कहा कि झारखंड में झामुमो-कांग्रेस गठबंधन की जो सरकार है, वह केवल यहां के लोगों को छलने का काम किया है. पिछले चुनाव में किया गया एक भी वादा पूरा नहीं किया है. अब इसको बदलने का समय आ चुका है. उन्होंने कहा कि आज की सभा में जिस तरह से महिलाओं की उपस्थिति है. इससे साफ जाहिर होता है कि आगामी विधानसभा चुनाव में महिलाओं की भूमिका अहम होंगी. केन्द्र की मोदी सरकार गरीब असहाय लोगों के लिए है. मोदी सरकार ने नारी को वंदन करने का अवसर दिलाया है. एक अटके हुए बिल को संसद में सर्वसम्मति से पास कराकर इतिहास रचा है. श्री मेघवाल ने कहा कि हरियाणा के चुनाव में अनुसूचित जाति के लोग ने अहम भूमिका निभाते हुए विजयी दिलाई है. इसके बाद सभी दलों का नजर अनुसूचित जाति के वोटरों पर टिकी हुई है. इसलिए आपलोगों को सजग रहने की जरूरत है और एकजुट होकर भाजपा के पक्ष में मतदान करना है. कहा कि जम्मू-काश्मीर में धारा 370 अटका हुआ था, जिसे मोदी सरकार ने हटाकर पूर्ण रूप से भारत के अभिन्न अंग बनाने का काम किया है. भारत के लोगों को जम्मू काश्मीर में नौकरी करने का रास्ता खुलवाया है. इससे पहले केंद्रीय कानून, सांस्कृतिक एवं संसदीय कार्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल हेलीकॉप्टर से केएफएस मैदान पहुंचे. जहां पर भाजपा धनबाद जिला ग्रामीण घनश्याम ग्रोवर एवं विधायक अपर्णा सेनगुप्ता ने गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया. इसके बाद उन्हें काफिले के साथ चिरकुंडा के टाउन हॉल लाया गया. जहां उनका स्वागत झारखंड के पारंपरिक आदिवासी नृत्य से किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर एवं देश भक्ति गीत के साथ हुआ. निरसा विधानसभा के सभी प्रखंड अध्यक्ष एवं अन्य लोगों ने मुख्य अतिथि को माला पहनाकर सम्मानित किया.

केंद्र के फंड का करते हैं डायवर्सन मुख्यमंत्री

धनबाद। भारत के कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल बुधवार को भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की बैठक एवं प्रबुद्ध नागरिक सम्मेलन में शामिल होने धनबाद के अग्रसेन भवन पहुंचे. बैठक से पूर्व उन्होंने प्रेस वार्ता किया .जिसमे उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का चुनावी एजेंडा गुड गवर्नेन्स और विकास होता है. क्योंकि भारतीय जनता पार्टी सुशासन पर विश्वास रखती है और विकास को प्राथमिकता देती है .उन्होंने कहा कि जहां डबल इंजन की सरकार है वहां विकास की गति बढ़ती है और गुड गवर्नेन्स भी तेजी से आता है. इसलिए झारखण्ड वासियों को अगर सही मायने में झारखंड में सम्पूर्ण विकास चाहिए तो भाजपा का शासन आवश्यक है. केंद्र से मिलने वाले फंड का दूसरे दल के मुख्यमंत्री अपने नाम से योजना चलाने के लिए डायवर्सन शुरू कर देते है. जैसे झारखण्ड सरकार केंद्र से मिलने वाली पेंशन की सारी योजनाओं को बंद कर मंइयां सम्मान योजना लेकर आ गई है. यह गवर्नेंस मॉडल नहीं है .गवर्नेंस मॉडल का मतलब जो सारी योजनाएं चल रही है वह चले. लेकिन जो नई योजनाएं राज्य सरकार द्वारा शुरू की जा रही है, उसके लिए पहले प्रोपर फाइनेंशियल मैनेजमेंट की जाए. कहा कि 2014 से नरेंद्र मोदी की सरकार ने फंड देने में किसी प्रकार की कोई भेदभाव नहीं की है. गड़बड़ दूसरे दल के मुख्यमंत्री करते हैं जो अपने नाम से योजना चलाते हैं .वहीं उन्होंने भाजपा के द्वारा लाई गई गोगो दीदी योजना के संबंध में कहा कि इस योजना में फंड का डायवर्सन नहीं होगा. इस योजना के लिए सरकार पहले प्रोपर फंड की व्यवस्था करेगी. फिलहाल इस योजना के लिए फॉर्म भराया जा रहा है. उन्होंने यह भी कहा कि अगर झारखण्ड डबल इंजन की सरकार बनती है तो निश्चित तौर पर कोयला चोरी पर लगाम लगेगी,कोयले का उत्पादन बढ़ेगा और प्रदूषण भी कम किया जायेगा.

हरियाणा में अनुसूचित जाति मोर्चा ने किया बेहतर प्रदर्शन

हरियाणा में अनुसूचित जाति मोर्चा ने बेहतर प्रदर्शन कर वहां बीजेपी की सरकार बनाने का काम किया है. झारखंड में भी एससी मोर्चा बेहतर प्रदर्शन करते हुए एनडीए गठबंधन की सरकार बनाने में अहम भूमिका निभाने का काम करेगा. उन्होंने कहा कि मोदी है तो मुमकिन है और कमल का निशान सुशासन व विकास का निशान है.

विधायक ने कहा हेमंत सरकार से जनता त्रस्त

विधायक अपर्णा सेनगुप्ता ने कहा कि झारखंड में अंधी, गुंगी व बहरी सरकार से जनता त्रस्त है. इसलिए झारखंड में विकास के लिए डबल इंजन की सरकार बनाना आवश्यक है. सम्मेलन की अध्यक्षता मोर्चा के जिलाध्यक्ष परेश चंद्र दास, संचालन बप्पी बाउरी व धन्यवाद ज्ञापन नरेंद्र कुमार हरि ने दिया.

चुनाव में मुंडा समाज देगा सशर्त समर्थन

अनगड़ा। प्रखंड के गोंदली पोखर स्थित राजधानी होटल में भारत मुंडा समाज अनगड़ा प्रखंड अध्यक्ष रिझुवा मुंडा के नेतृत्व में प्रेस वार्ता कर मुंडा ने बताया कि विधानसभा चुनाव में भारत मुंडा समाज को राष्ट्रीय व क्षेत्रीय दल प्राथमिकता दें. जो भी राजनैतिक दल मुंडा समाज के लोगों को टिकट देगा उस राजनैतिक दल को भारत मुंडा समाज अपना समर्थन देगा. पूर्व में मुंडा समाज कई समुदायों को बसाने का काम किया है, किंतु वर्तमान समय में मुंडा समाज की भागीदारी बहुत कम रह गयी है. मौके पर सोहन मुंडा, देवराज पहान, सोहन पहान, राजेश पहान आदि मौजूद रहे.

पशुओं से भरा वाहन पकड़ा, चालक धराया

रातू। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बीती रात बेलांगी के समीप लोहरदगा से पशुधन का खेप लेकर पश्चिम बंगाल जा रहे कंटेनर जेएच 01 8 जे 9124 को पकड़ा. उसमें 16 काड़ा और 22 भैंस लदे थे. दो भैंस मृत पायी गयी. वरीय अधिकारियों के निर्देश पर उसे बेलांगी समेत, काटू, लहना, मुरगू, मखमंदरो, चितरकोटा बड़काटोली, चितरकोटा छोटकाटोली और मांडर मलटोटी के 38 किसानों से आधार कार्ड लेकर उन्हें जिम्मा लगा दिया गया ताकि पशुओं की बेहतर देखभाल हो सके. चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है. कंटेनर भी जब्त है. थानेदार रामनारायण सिंह ने बताया कि मामले को लेकर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गयी है. पुलिस वितरित काड़ा और भैसों पर सतत निगरानी रखेगी.

बंगाल बॉर्डर पर की वाहनों की जांच हुई

सोनाहातू। विधानसभा चुनाव को लेकर प्रखंड के अधिकारियों ने वाहन चेकिंग अभियान चलाया है. प्रखंड के बंगाल बॉडर और सिल्ली - जमशेदपुर सड़क पर बुधवार को दिन भर वाहनों की जांच की गई. चार पहिया वाहनों के डिक्की आदि की जांच की गई. दो पहिया वाहनों के चालकों के बैग आदि की जांच की गई. इस दौरान बॉडर पर लगी चेक पोस्ट का निरीक्षण किया गया और आवश्यक निर्देश दिये गए. अभियान में सोनाहातू बीडीओ खगेश कुमार, सीओ मनोज महथा,थाना प्रभारी चंदन कुमार, पुलिस कर्मी आदि मौजूद थे.

न्यूज अपडेट

संत जेवियर्स में स्नातकोत्तर के नए छात्रों का स्वागत

रांची। संत जेवियर्स कॉलेज में बुधवार को नए सत्र 2024-26 में नामांकित स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों का स्वागत किया गया. इस अवसर पर आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम में जेसुइट शिक्षा प्रणाली एवं विरासत पर चर्चा की गयी. तत्पश्चात कॉलेज के विजन एवं मिशन के बारे में बताया गया. साथ ही विद्यार्थियों को कॉलेज में उपलब्ध सारी सुविधाओं, दिशा-निर्देशों एवं कॉलेज की विभिन्न कमेटियों के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया. प्राचार्य डॉ. फादर एन. लकड़ा एसजे ने कहा कि चरित्र निर्माण के साथ शिक्षा के उद्देश्य को पहचानिए और समाज को समर्थ बनाइए। उन्होंने जेसुइट सोसाइटी के स्वर्णिम इतिहास के बारे में भी छात्रों को बताया. कॉलेज के उप प्राचार्य डॉ. फादर प्रदीप रोबर्ट कुजूर, एसजे ने स्पष्ट दिशा-निर्देश देकर बताया कि कॉलेज ने अनुशासन के कारण ही अग्रणी संस्थान के रूप में खुद को स्थापित किया है.

अग्रसेन भवन में 'जलसा' आज से, पोस्टर लांच

रांची। फैशन डिजाइनर हनी मिढा सिन्हा की ओर से 17 और 18 अक्टूबर को अपर बाजार स्थित महाराज अग्रसेन भवन में दो दिवसीय "जलसा" सीजन-2 प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा, जिसके लिए मंगलवार को पोस्टर लॉन्च किया गया. आयोजनकर्ता हनी मिढा सिन्हा ने बताया कि महिलाओं को उनके व्यापार को प्रोत्साहन देने के लिए "जलसा" सीजन-2 का आयोजन किया जा रहा है. करवा चौथ, दिवाली के साथ अन्य त्योहार नजदीक हैं. इसके मद्देनजर महिलाओं से जुड़े हर प्रकार के सामान यहां उपलब्ध होंगे. गुरुवार और शुक्रवार को आयोजित हो रहे प्रदर्शनी में महिला परिधान, डिजाइनर कपड़े, जेवर, आर्टिफिशियल गहने, गिफ्ट आइटम, बच्चों से संबंधित वस्तुएं, खिलौने, स्टेशनरी के सामान, फुटवियर, बेड शीट्स, दिवाली के सामान, हस्तशिल्प की वस्तुएं, पर्स, होम डेकोर, घर के बने खाखरे, पापड़, मठरी, खिचिया, ऑर्गेनिक दाले आदि उपलब्ध होंगे.

प्लेसमेंट ड्राइव में आईएचएम के 25 छात्रों का चयन

रांची। आईएचएम रांची में ओबेरॉय ट्राइडेंट होटल की प्लेसमेंट ड्राइव में 2022-25 बैच के 25 छात्रों का चयन किया गया. इसमें कुल 73 छात्र-छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया था. कार्यक्रम सुचारु रूप से संचालित हुआ. इंटरव्यू प्रक्रिया के दौरान ग्रुप इंट्रोडक्शन राउंड आयोजित किया गया, जिसमें चयनित छात्रों ने व्यक्तिगत साक्षात्कार (पीआई) के लिए क्वालीफाई किया. उनमें पांच प्रमुख विभागों फ्रंट ऑफिस, हाउसकीपिंग, एफएंडबी सर्विस, फूड प्रोडक्शन और सेल्स एंड मार्केटिंग के छात्र शामिल थे. चुने गये 25 छात्रों में से विशेष रूप से नौ छात्रों को किचन ट्रेड टेस्ट के लिए भुवनेश्वर भेजा जाएगा. इस प्लेसमेंट ड्राइव के लिए ओबेरॉय ग्रुप का प्रतिनिधित्व ट्राइडेंट होटल भुवनेश्वर के महाप्रबंधक रोहित तिवारी और उप मानव संसाधन प्रबंधक ज्योति प्रकाश ने किया. आईएचएम रांची के प्राचार्य डॉ. भूपेश कुमार ने इस सफल प्लेसमेंट ड्राइव के लिए ओबेरॉय ट्राइडेंट को धन्यवाद दिया.

महानगर काली पूजा समिति की बैठक 20 को

रांची। रांची महानगर काली पूजा समिति ने राजधानी रांची में काली पूजा के भव्य आयोजन को लेकर तैयारी शुरू कर दी है. इसी कड़ी में आगामी 20 अक्टूबर को बिहार क्लब में अपराह्न 2:00 बजे से काली पूजा के सफलता को लेकर रणनीति के लिए बैठक बुलाई गई है, जिसमें 2024 के लिए महानगर काली पूजा की नई कमेटी का गठन किया जाएगा.रांची महानगर काली पूजा समिति के मुख्य संरक्षक आलोक कुमार दूबे, अध्यक्ष विनय सिंह के नेतृत्व में महानगर काली पूजा समिति के पदाधिकारियों ने वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उराँव, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, रांची विश्वविद्यालय के कुलपति अजीत कुमार सिन्हा, समाजसेवी लाल किशोर नाथ शाहदेव, डॉ राजेश गुप्ता सहित अन्य कई गणमान्य व्यक्तियों से मुलाकात कर 20 अक्टूबर के बैठक में आने का निमंत्रण दिया एवं साथ ही साथ 31 अक्टूबर को काली पूजा के आयोजन में मार्ग दर्शन करने का अनुरोध भी किया. महानगर काली पूजा समिति के प्रतिनिधमंडल में अजीत सिंह टिंकू, धीरज वर्मा, बबलू वर्मा, सपन साहू, रोहन सिंह ,अर्जुन सिंह, मोहित रजक, यश वर्मा, प्रिंस सिंह आदि शामिल थे.

मुखिया संघ ने कहा-राज्य सरकार ने किया अपमानित

संवाददाता। कांके

झारखंड प्रदेश मुखिया संघ की प्रेसवार्ता अध्यक्ष सोमा उरांव के आवासीय कार्यालय बोडेय़ा में की गई. इसमें मांगें माने जाने के बावजूद अब तक लागू नहीं करने को लेकर राज्य सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया. कहा गया कि 14 अक्टूबर को अंतिम कैबिनेट की बैठक में भी मुखिया के पांच सूत्री मांग पत्र को शामिल नहीं किया गया और इस प्रकार से सभी मुखिया गणों को सरकार ने ठेंगा दिखाते हुए अपमानित किया. मुखिया अपने आप को ठगा महसूस कर रहे हैं. विभागीय मंत्री डॉ इरफान अंसारी को यदि मांगें नहीं माननी थी तो लिखित आश्वासन नहीं देते. इसका जवाब मुखिया गण आगामी चुनाव सरकार को हरा कर देंगे.

चौपारण में 6.22 लाख के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता। चौपारण

आचार संहिता लगते ही चौपारण सीओ सजंय यादव व प्रभारी थानाप्रभारी पुअनि बिंदेश्वरी महतो द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई. इस संबंध में प्रेस विज्ञप्ति जारी कर चौपारण पुलिस ने बताया कि आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आदर्श आचार संहिता के दौरान बुधवार को करीब 08.30 बजे चौपारण थाना गेट के सामने अंचल अधिकारी संजय कुमार यादव

पुलिस द्वारा जब्त की गई राशि.

चौपारण एवं प्रभारी थाना प्रभारी पुअनि बिन्देश्वर महतो एंव अन्य बलों के साथ सयुंक्त वाहन चेकिंग के दौरान महारानी बस में एक व्यक्ति के पास से एक बैग में रखे थैला से कुल नगद राशि कुल 6,22,970 रुपये बरामद हुए. जांच करने पर पकड़ाये व्यक्ति कमलेश प्रसाद शर्मा, जिला-गया, बिहार द्वारा सही जानकारी एवं कैश से संबंधित कोई कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया. छापामारी दल में अंचल पदाधिकारी संजय कुमार यादव, पुअनि विन्देश्वर महतो, सअनि बादल कुमार महतो, सअनि मो. कमरुद्दीन आदि शामिल थे.

निर्देश झारखंड पुलिस मुख्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक की

पोक्सो कांडों का तय समय पर करें निष्पादन : एडीजी

संवाददाता। रांची

पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज कांडों का निर्धारित समय सीमा पर निष्पादन करने का एडीजी अभियान संजय आनन्द लाठकर ने निर्देश दिया है. बुधवार को झारखंड पुलिस मुख्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित किया था. इस दौरान एडीजी ने जिले के एसपी को यह निर्देश दिए. इस बैठक में रेंज के डीआईजी और जोनल आईजी भी शामिल हुए थे. इस बैठक में एडीजी अभियान ने महिलाओं के के खिलाफ होने वाले लैंगिक और पोक्सो एक्ट के तहत दर्ज कांडों के निर्धारित समय सीमा के अंदर निष्पादन की समीक्षा

की. समीक्षा के दौरान जिन जिलों के निष्पादन स्तर में कमी पाया गया, उन जिलों के एसपी को कांड के निष्पादन के कई बिन्दुओं पर निर्देश देते हुए कांड का निष्पादन त्वरित गति से करने और जिलों में दर्ज संवेदनशील कांडों की मॉनिटरींग करने साथ ही साथ जोनल आईजी और डीआईजी भी पॉक्सो एक्ट के अंतर्गत दर्ज कांडों की समीक्षा करते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर कांडों का निष्पादन सुनिश्चित कराने के लिए निर्देश दिया गया.

न्यायिक पदाधिकारियों के आवासों की भी सुरक्षा व्यवस्था करें सुनिश्चित

एडीजी अभियान जिले के एसपी को यह निर्देश दिया गया कि जब तक कोर्ट से संबंधित पदाधिकारी और कर्मी अपने कार्यालय में उपस्थित रहते हैं तब तक उनकी सुरक्षा के लिए सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे. साथ ही न्यायिक पदाधिकारियों के आवासों की भी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे. जिला के प्रधान सत्र न्यायाधीश से समन्वय स्थापित कर सीसीटीवी कैमरा स्थापित करने के लिए आवश्यकतानुसार उसकी संख्या की सूची जैपआईटी को उपलब्ध कराते हुए. सभी न्यायालयों में सीसीटीवी कैमरा की निगरानी के लिए पर्याप्त संख्या में तकनीकी रूप से दक्ष पुलिसकर्मियों की प्रतिनियुक्ति की जाये.

साक्षियों की गवाही न्यायालय में ससमय सुनिश्चित करने का आदेश

एडीजी ने कहा कि पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों की गवाही न्यायालय में ससमय सुनिश्चित करने और वैसे पुलिस पदाधिकारी और कर्मी जो न्यायालय में अपनी गवाही के लिए उपस्थित नहीं होते हैं, उनके विरुद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया. इसके अलावा जोनल आईजी और रेंज के डीआईजी निर्देश दिया गया की गवाहों की उपस्थिति के संबंध में विशेष समीक्षा करने सहित जिलों में स्थापित विधि शाखाओं को सशक्त बनाने की आवश्यकता पर ध्यान दें.

बेड़ो के महादानी मंदिर प्रागंण में अमृतमयी खीर के महाप्रसाद का वितरण

आरएसएस ने मनाया शरद पूर्णिमा उत्सव

सुनील कुमार गुप्ता। बेड़ो

बेडो में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वावधान में बुधवार की देर शाम महादानी मंदिर प्रागंण में शरद पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया गया. संघ के सदस्यों ने बौद्धिक कार्यक्रम का आयोजन किया. इस दौरान गुरुपद दास गोस्वामी ने बौद्धिक ज्ञान के माध्यम से हिंदू धर्म और संस्कृति की व्याख्या की. उन्होंने कहा कि भारत संतों की भूमि है सनातन धर्म में भारतीय संस्कृति और परंपरा का प्राचीन काल से ही मानते आ रहे हैं. भारत पूरे विश्व का गुरु रहा है, उसी आदर्श को स्थापित करना है. साथ ही गुरु और शिष्य की परंपरा को आगे लेकर चलना है. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ रांची विभाग मुख्य मार्ग प्रमुख गुरुपद दास गोस्वामी ने कहा कि शरद पूर्णिमा के दिन समुद्र मंथन हुआ था. इसी समुद्र मंथन में मां लक्ष्मी का अवतरण हुआ. माना जाता है कि आज के दिन मां लक्ष्मी पृथ्वी पर भ्रमण करती हैं. चांदनी रात में जब चंद्रमा पृथ्वी के सबसे निकट होती है. इस दिन गुरुत्वाकर्षण सबसे अधिक होता है. कार्यक्रम के दौरान मनोहर एवं मुकेश गोप के नेतृत्व में भगवा ध्वज लहराकर नमस्कार किया गया.

इस दौरान समाज में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 99 वर्ष पूरे होने के संदर्भ में आवश्यक जानकारी दी गई. कहा गया कि जब तक हिंदू एक है और एकता है तभी तक हम सुरक्षित हैं. लेकिन पूरे देश में चल रही विपरीत धारा के प्रति यदि हम लापरवाह रहेंगे तो हमें परिणाम भी भुगतना पड़ सकता है. समय रहते हिंदू समाज को जागना होगा. कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से रंजीत खत्री, जिला कार्यवाह विकास कुमार सिंह, खंड कार्यवाह मुकेश गोप,एकल अभियान के संरक्षक भीखा उरांव, रांची जिला शारीरिक प्रमुख मनोहर, भारत स्वाभिमान मंच रांची जिला प्रभारी डॉ एस पी साहु, एकल विद्यालय बेड़ो संघ अध्यक्ष डॉ रमेश प्रसाद गुप्ता, संस्कार प्रमुख मुकेश कुमार राय, महादानी मंदिर के मुख्य पुजारी अशोक पंडा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. कार्यक्रम का संचालन मुकेश कुमार गोप एवं मनोहर ने किया. रौशन महतो आदि उपस्थित रहे.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष शाम से समय में विशेष सुधार होगा. सही मेहनत का सही फल मिलने का समय है. समय बहुत ही उत्तम है. धन का आगमन होगा, पर यात्रा में सावधानी रखें, नुकसान हो सकता है. वाद-विवाद से प्रतिष्ठा में कमी आयेगी. जोखिम-जमानत के कार्य न करें.

वृष गलत खर्च में नियंत्रण अति आवश्यक है. मानसिक तनाव खत्म होगा, पर खर्च में बृद्धि होगी. विरोधी हार मानेंगे, पर बहुत जल्दी आय के द्वार भी खुल रहे हैं. राजकीय कार्यों में गति आएगी. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता मिलेगी. कोई छोटा निवेशादि लाभ देंगे.

मिथुन समय सामान्य है. जल्दबाजी में लिए हुए निर्णय ठीक नहीं होंगे, सोच-समझकर निर्णय लें. सुख के साधनों की चिंता हो सकती है. संपत्ति के कार्य सफल होंगे. धन लाभ होगा. कुछ धर्म और सत्कर्म भी किया विवाद से बचें.

कर्क समय बहुत ही उत्तम है. अधिक धन भी उन्माद का कारण बनता है. इस बात का ध्यान रखें. कर्म और भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा. पराक्रम से वृद्धि होगी. विद्यार्थी वर्ग को अल्प प्रयास से सफलता मिलेगी. निवेशादि से लाभ होगा.

सिंह समय सामान्य है. किसी से विवाद से मानहानि हो सकती है. कुछ मानसिक तनाव हो सकता है. परिश्रम द्वारा सफलता मिलेगी, किसी वाद-विवाद से बचने का प्रयास करें. व्यापार-व्यवसाय में अचानक लाभ के योग हैं.

कन्या व्यापार में लाभ का योग है. आय में कुछ कमी होगा थोड़े समय के लिए. कोई कार्य करने या बोलने से पहले सोच समझ लें. खर्च बढ़ सकता है. पराक्रम में वृद्धि होगी. निवेश करने के लिए समय सही है. रोजगार की प्राप्ति हो सकती है.

तुला व्यापार में निवेश करने का समय बहुत ही अच्छा है. जीवनसाथी के चलते प्रतिष्ठा बढ़ेगी.परिवार का सुख सहयोग मिलेगा.निवेशादि से लाभ होगा. रोजगार प्राप्ति हो सकती है. बौद्धिक कार्य सफल होंगे. कार्य होगा, पर दूसरों की देखादेखी नहीं करें.

वृश्चिक गलत लोगों से बचें. नेत्र रोग से परेशानी होगी. खान पान पर विशेष ध्यान रखें. रोग शत्रु से बचें. अचानक कार्य बनने के योग उपस्थित होंगे. यदि कोई छोटी यात्रा हो तो यात्रा शुभ होगी. निवेशादि लाभदायक रहेंगे, व्यापार अच्छा चलेगा.

धनु प्रेम में मधुरता होगी. पर क्रोध से बचें. खास कर बच्चों से विशेष प्रेम करें. शिक्षा में सुधार होगा पर ज्यादा आत्मविश्वास घातक है. व्यय बढ़ने से क्लेश हो सकता है.निर्णय सोच समझ कर लें, जोखिम न लें. प्रतिष्ठित व्यक्ति से भेंट हो सकती है.

मकर रुका हुआ धन प्रयास करने पर वापस आएगा. पर इसके लिए विशेष प्रयास करना होगा. यात्रा शुभ रहेगी. निवेशादि से लाभ होगा. कार्य व्यवसाय में सफलता की संभावना है. पराक्रम सिद्ध करने का समय है.

कुंभ पराक्रम में वृद्धि होगी. आने वाले कुछ विवाद भी होगा. कार्य करें पर सजग रहें. राजकीय कार्यों की रुकावटें दूर होंगी. निवेशादि से लाभ होगा. नोकरी इन्टरव्यू में सफलता मिलेगी. आपके कार्य और प्रभाव से रूके हुए काम बन सकते हैं.

मीन पैतृक धन का आगमन होगा. धन आगमन के लिए दिन अच्छा है. धर्म मे व्यय होगा. बिगड़ते कार्य बनने लगेंगे. निवेशादि लाभ देंगे कार्य व्यवसाय ठीक चलेगा. वाहन का प्रयोग सावधानी से करें. आय अच्छी होगी.

खूंटी में दो बाइक की टक्कर में जम्हार चर्च के फादर की मौत

खूंटी। जिले के जरियागढ़ थानांतर्गत डोड़मा-गोविंदपुर रोड पर दो मोटरसाइकिलों के बीच हुई टक्कर में आरसी विद्यालय जम्हार के फादर फुलजेम्स बागे (49) की मौत हो गई. फादर फुलजेम्स बागे मंगलवार की शाम अपनी मोटरसाइकिल से मुरहू के हस्सा स्थित संत नॉबर्ट चर्च से जम्हार लौट रहे थे. इसी दौरान सामने से आ रही एक बाइक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी. इस दुर्घटना में पक्की सड़क पर गिरने से फादर के सिर पर गंभीर चोट लगी. उसे सदर अस्पताल खूंटी लाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया. बुधवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर उसे स्वजनों को सौंप दिया.

फंदे पर लटकता महिला का शव, हत्या का लगाया आरोप

खूंटी। कर्रा थाना क्षेत्र के कांटी पोड़ाटोली से मंगलवार की देर रात फंदे पर लटका महिला का शव मिला. मृतक महिला बुधन देवी (21) है. सदर अस्पताल में बुधवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया. बुधन देवी के मायके वाले इसे हत्या का मामला बता रहे हैं. उन्होंने आरोप लगाया है कि पति सहित सांस-ससुर और जेठ बुधनी को बराबर प्रताड़ित करते थे. ससुराल में उसके साथ हमेशा मारपीट की जाती थी. उन्होंने कहा कि बुधन देवी ने आत्महत्या नहीं की है, उसकी हत्या की गई है. घटनास्थल पर जमीन पर खून के निशान हैं. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

अधिकारियों-कर्मचारियों को दिया मतदान प्रक्रिया का प्रशिक्षण

खूंटी। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रशिक्षण कोषांग ने बुधवार को लोयोला इंटर कॉलेज खूंटी और बिरसा कॉलेज खूंटी में मतदान प्रक्रिया से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया. प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य रूप से अड़की व कर्रा प्रखंड-अंचल कार्यालय के पदाधिकारियों, कर्मियों और शिक्षकों को निर्वाचन कार्य से संबंधित गहन प्रशिक्षण दिया गया. तीन पालियों में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस दौरान निर्वाचन प्रक्रिया, इवीएम वीवीपैट की तकनीकी जानकारी, निर्वाचन मार्गदर्शिका से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई.

एक से चार नवंबर तक चलेगा एफडीआई अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता मूट 2024

एनयूएसआरएल की टीम मध्यस्थता मूट में भाग लेने जाएगी बर्लिन

संवाददाता। रांची

नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ (एनयूएसआरएल) के छात्रों की एक उत्कृष्ट टीम ने एफडीआई अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता मूट 2024 (दक्षिण एशिया राउंड) में सेमीफाइनलिस्ट के रूप में शानदार प्रदर्शन किया है. इस टीम में सार्थक कुमार, लीजा गुप्ता, सूर्यांश सिंह, एयलाह सिंह और अभिनव शुक्ला शामिल हैं. कड़ी मेहनत और प्रतिभा के बदौलत इन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए बर्लिन जाने का अवसर मिला है. टीम ने अपनी उत्कृष्टता के बदौलत प्रतियोगिता के टॉप फोर में जगह बनाई है. इन्हें 1-4 नवंबर, 2024 को होने वाले अंतरराष्ट्रीय राउंड में हिस्सा लेना है.

छात्रों की सफलता सामूहिक प्रयास का प्रमाण है: सोनी भोला

एनयूएसआरएल के छात्रों ने न केवल अपने विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया, बल्कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से देश का मान भी बढ़ाया है. टीम ने जटिल कानूनी मुद्दों जैसे क्रमिक स्पष्टीकरण, तृतीय पक्ष फंडिंग, लागत की सुरक्षा और प्रतिकूल निष्कर्ष निकालने की शक्तियों को सफलतापूर्वक संबोधित किया. मूट कोर्ट की संयोजक सोनी भोला ने कहा कि हमारी टीम ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी जगह बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है. सभी सदस्यों ने एक साथ मिलकर रिसर्च किया और शिक्षकों के मार्गदर्शन से संदेहों का समाधान किया. उनकी यह सफलता केवल व्यक्तिगत प्रतिभा का परिणाम नहीं है, बल्कि विश्वविद्यालय के बेहतरीन माहौल और सामूहिक प्रयास का भी प्रमाण है.

छात्र आगे भी बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे : उपकुलपति

उपकुलपति डॉ प्रो अशोक आर पाटिल ने कहा कि हमारे छात्रों की प्रतिभा अब स्पष्ट रूप से सामने आ रही है. उनकी मेहनत के परिणाम सामने आ रहे हैं. मुझे विश्वास है कि वे आगे भी बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे. पूरे विश्वविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं हैं कि वे इस प्रतियोगिता में सफल होकर लौटें. इस प्रकार, एनयूएसआरएल के छात्र न केवल शिक्षा के क्षेत्र में, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना रहे हैं.

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने राजनीतिक दलों के लोगों के साथ की बैठक

सुविधा ऐप से नामांकन प्रक्रिया में मिलेगी सुविधा

रांची में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करते मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार.

संवाददात। रांची

बुधवार को विधानसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने निर्वाचन सदन में सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के लोगों के साथ बैठक की. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है. इस दौरान सभी राजनीतिक दलों एवं निर्वाचन में भाग लेने वाले प्रत्याशियों के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा कुछ आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए हैं. इसका अनुपालन कर स्वच्छ, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित होगा. निर्वाचन प्रक्रिया में सभी के लिए समान अवसर प्राप्त हो, इस उद्देश्य से प्रत्येक प्रत्याशियों द्वारा निर्वाचन के दौरान 40 लाख रुपये की खर्च सीमा तय की गई है. प्रत्याशियों के खर्च में पारदर्शिता लाने के लिए खर्च के ब्योरा की पंजी जिला निर्वाचन पदाधिकारी के कार्यालय में जमा करानी होती है. इस पंजी का जिला निर्वाचन पदाधिकारी के द्वारा उनके कार्यालय की वेबसाइट पर सार्वजनिक की जाती है.

उन्होंने सभी को बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा सुविधा (SUVIDHA) ऐप बनाया गया है, जिसके इस्तेमाल से प्रत्याशियों द्वारा नामांकन प्रक्रिया में उपयोग होने वाले सभी आवेदनों को भरा जा सकता है. साथ ही नामांकन के दिन के लिए आरओ ऑफिस में अपॉइंटमेंट भी ली जा सकती है. इसके साथ इस माध्यम से अपना ब्योरा भरने एवं एफिडेविट बनाने में भी सहायता प्राप्त होगी. उन्होंने कहा कि सी-वीजिल एप्प के माध्यम से आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन मामलों पर त्वरित शिकायत भी दर्ज कर सकते हैं. उन्होंने कहा कि निर्वाचन के दौरान प्रत्याशियों द्वारा प्रचार-प्रसार, निर्वाचन प्रक्रिया, स्टार कैंपेनर, राजनीतिक दल आदि के लिए राज्य द्वारा कुछ नियम बनाए गए हैं, साथ ही भारत निर्वाचन आयोग द्वारा भी क्या करे, क्या नहीं करें की निर्देशिका जारी की गई है. मौके पर सिस्टम एनालिस्ट एस एन जमील ने चुनाव में उपयोग आने वाले ऑनलाइन एप्लीकेशन जैसे सी-विजिल, सुविधा एप्प, केवाईसी आदि प्रत्याशियों के उपयोग में आने वाले विभिन्न एप्लिकेशनों के इस्तेमाल के विषय में बिंदुवार जानकारी दी. इस अवसर पर अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. नेहा अरोड़ा, ओएसडी गीता चौबे, सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी देव दास दत्ता सहित विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे.

सड़क चकाचक करने का काम शुरू

शुभम संदेश इंपैक्ट

संवाददाता। मेदिनीनगर

लगातार न्यूज व शुभम संदेश में प्रकाशित खबर का असर हुआ. इस पर ग्रामीण विकास विभाग के कार्यपालक अभियंता (ईई) ने संज्ञान लेते हुए गुणवत्ताहीन सड़क को चकाचक करने का कार्य शुरू कर दिया है. गुणवत्ताहीन सड़क आज तय मानकों के अनुरूप बनाया जा रहा है.

स्थानीय ग्रामीणों की सक्रियता और जिला प्रशासन की निगरानी ने इस बेहतर सड़क के निर्माण में बेहद भूमिका अदा की है. बता दें कि लगातार न्यूज ने मंगलवार को कौड़िया ग्रामीणों की शिकायत पर एक खबर प्रसारित की थी. जिस पर पलामू उपायुक्त शशि रंजन और कार्यपालक अभियंता ने संज्ञान लेते हुए सड़क ठीक करने का आदेश दिया था. इसके बाद बुधवार को संबंधित ठेकेदार द्वारा फिर से सड़क को उखाड़ कर बनाया जा रहा है. इधर स्थानीय ग्रामीणों ने शुभम संदेश व लगातार न्यूज के इस प्रयास के लिए आभार प्रकट किया.

मुख्यालय में प्रतिनियुक्त हुए छह पुलिस पदाधिकारी

रांची। झारखंड पुलिस मुख्यालय में दो इंस्पेक्टर समेत छह पुलिस पदाधिकारी प्रतिनियुक्त किए. डीजीपी अनुराग गुप्ता के आदेश के बाद डीआईजी कार्मिक ने इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया है. जिनको पुलिस मुख्यालय में प्रतिनियुक्त किया गया, उसमें इंस्पेक्टर अजय कुमार, महेंद्र दास के अलावा सब इंस्पेक्टर हेमंत भगत, ऋषिकेश कुमार सिन्हा, ललित खलखो और प्रीति कुमारी शामिल है.

बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी कल रांची में

रांची। बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव 18 अक्तूबर को रांची पहुंचेंगे. यहां वे राजद के नेताओ-कार्यकर्ताओं से विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लेंगे. प्रदेश राजद के प्रधान महासचिव संजय प्रसाद यादव ने बताया कि तेजस्वी यादव सीट शेयरिंग पर भी चर्चा करेंगे.

चुनाव की घोषणा से पूर्व ही

भारतीय वन सेवा के 20 अफसरों को सौंपा गया अतिरिक्त प्रभार

संवाददाता। रांची

राज्य सरकार ने 20 आईएफएस अफसरों को अतिरिक्त प्रभार सौंपा है. चुनाव की घोषणा से पहले इन अफसरों को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. वन विभाग ने इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया है.

नाम	कहां का मिला अतिरिक्त प्रभार
सत्यजीत सिंह	अध्यक्ष, झारखंड जैव विविधता पर्षद
डीके सक्सेना	अप्र निदेशक, प्रसार वानिकी, संथाल परगना, दुमका
पारितोष उपाध्याय	अप्र निदेशक, प्रसार वानिकी, दक्षिणी छोटानागपुर
संजीव कुमार	अप्र अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक कार्य नियोजना
रवि रंजन	अप्र निदेशक, प्रसार वानिकी, उत्तरी छोटानागपुर पलामू हजारीबाग
कुमार मनीष अरविंद	अप्र झारखंड सहभागी वन प्रबंधन परियोजना, रांची
एसआर नटेश	अप्र मख्य वन संरक्षक कार्मिक अराजपत्रित
आर थांगा पांडियन	महाप्रबंधक, लघु वन पदार्थ परियोजना अंचल, रांची
पीआर नायडू	अप्र निदेशक राज्य वन विकास निगम लिमिटेड
ममता प्रियदर्शी	महाप्रबंधक, लघु वन पदार्थ परियोजना अंचल, हजारीबाग
सौरभ चन्द्रा	अप्र, वन प्रमंडल पदाधिकारी, सामाजिक वानिकी वन प्रमंडल, दुमका
विजय शंकर दूबे	वन प्रबंधन परियोजना, रांची
मनीष तिवारी	अप्र वन संरक्षक, प्रादेशिक अंचल, गिरिडीह
विकास कु. उज्जवल	अप्र वन प्रमंडल पदाधिकारी सामाजिक वानिकी प्रमंडल हजारीबाग
श्रीकांत वर्मा	अप्र वन प्रमंडल पदाधिकारी, प्रचार एवं प्रसार प्रमंडल, रांची
मौन प्रकाश	अप्र, वन प्रमंडल पदाधिकारी, गोड्डा वन प्रमंडल, गोड्डा
अंकित कुमार सिंह	अप्र महाप्रबंधक, लघु वन पदार्थ अंचल, गिरिडीह
अवनीश कुमार चौधरी	अप्र वन संरक्षक, योजना अंचल, रांची
अहमद बिलाल अनवर	अप्र वन प्रमंडल पदाधिकारी, सिमडेगा
आलोक कुमार वर्मा	अप्र वन प्रमंडल पदाधिकारी, पोडाहाट वन प्रमंडल, पोडाहाट

नरबली के जुर्म में जेल में बंद थे तीनों

जेल में बंद साबिया, सबा और शहजादी सात साल बाद निकलेंगी जेल से बाहर

विनित आभा उपाध्याय। रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने 6 वर्षीय मासूम की नरबली के जुर्म में जेल में बंद तीन दोषियों को जमानत दे दी है. दरअसल गुमला सिविल कोर्ट ने वर्ष 2017 में चार लोगों साबिया, सब्बा, शहजादी और जमील को नरबली के जुर्म में दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनायी थी. इसके खिलाफ तीनों दोषियों ने हाईकोर्ट में क्रिमिनल अपील दाखिल की थी. इस केस के चौथे दोषी जमील को हाईकोर्ट से पहले ही बेल मिल चुकी है. साबिया, सब्बा और शहजादी की अपील पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस नवनीत कुमार की बेंच में सुनवाई हुई. दोषियों की ओर से हाईकोर्ट की अधिवक्ता शौर्या द्विवेदी ने बहस की. साबिया, सब्बा और शहजादी तीनों सगी बहनें हैं. इनके खिलाफ एक छह वर्षीय मासूम की बली देने का जुर्म सिद्ध हुआ था. निचली अदालत द्वारा सजा सुनाये जाने के बाद तीनो दोषी सात वर्ष से जेल की सलाखों के पीछे थी. हाईकोर्ट लीगल सर्विस पैनल के जरिये दोषियों ने अधिवक्ता शौर्या द्विवेदी को अपना अधिवक्ता नियुक्त किया था.

झारखंड वित्त अवर अंकेक्षण सेवा नियमावली हो गई लागू

केंद्र सरकार के विभागों में भी होगी वित्त विभाग के अंकेक्षकों की प्रतिनियुक्ति

- शैक्षणिक संस्थानों के साथ स्थानीय निकाय, बोर्ड व सहकारी समिति में भी दे सकेंगे सेवा

प्रमुख संवाददाता। रांची

अब वित्त विभाग में अंकेक्षण सेवा के कर्मियों की प्रतिनियुक्ति स्थानीय निकाय, बोर्ड, सहकारी समिति और शैक्षणिक संस्थानों में भी की जा सकेगी. इसके साथ ही इस कैडर के कर्मियों की प्रतिनियुक्ति मांग एवं उपलब्धता के आधार पर राज्य या केंद्र सरकार के किसी भी विभाग में विभागीय सहमति के बाद की जा सकेगी. इसके लिए वित्त विभाग ने झारखंड वित्त अवर अंकेक्षण सेवा नियमावली लागू कर दी है. इस नियमावली के तहत केंद्र सरकार या किसी अन्य राज्य सरकार के पूर्णतः या अंशतः नियंत्रण वाले किसी कार्यालय में, उनकी मांग के अनुरूप प्रतिनियुक्ति की जा सकेगी.

सेवा संपुष्टि के लिए दो साल संतोषजनक पूरा करना होगा काम : सेवा संपुष्टि के लिए दो वर्षों की परीक्ष्यमान अवधि संतोषजनक रूप से पूर्ण करना होगा. कार्मिक विभाग द्वारा संचालित हिंदी टिप्पण व प्रारूपण परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य होगा. परीक्ष्यमान अवधि में निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना अनिवार्य होगा. इस संवर्ग के कर्मियों को राजस्व पर्षद द्वारा आयोजित कम्प्यूटर ज्ञान व टंकण परीक्षा भी पास होना अनिवार्य होगा. राजस्व पर्षद द्वारा आयोजित विभागीय परीक्षा में पास होने के बाद ही सेवा संपुष्टि की जायेगी. परीक्ष्यमान अवधि में किसी तरह का दंड अधिरोपित होने की स्थिति में परीक्ष्यमान अवधि बढ़ायी जा सकेगी, जो अधिकतम दो वर्ष तक होगी. सभी विभागीय परीक्षा उत्तीर्णता के बाद अधिकतम दो वेतन वृद्धि तक दी जायेगी व अगली वेतन वृद्धियां नियमित रूप से सेवा संपुष्टि के बाद यथा नियम अनुमान्य होगी.

सीधी नियुक्ति से भरे जाएंगे 145 अंकेक्षक के पद : नियमावली के तहत सीधी नियुक्ति से 145 अंकेक्षक के पद भरे जाएंगे. प्रथम प्रोन्नति से वरीय अंकेक्षक के 72 पद भरे जाएंगे. द्वितीय प्रोन्नति से अंकेक्षण पदाधिकारियों के 36 पद भरे जाएंगे. सीधी नियुक्त की प्रक्रिया झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा अनुशंसा प्राप्त होने के बाद पूरी की जाएगी.

नव प्रोन्नत एएसआई को बैच पहनाकर सम्मानित किया गया

संवाददाता। रांची

रांची पुलिस लाइन में आयोजित समारोह में नव प्रोन्नत एएसआई को बैच पहनाकर सम्मानित किया गया. मौके पर एसएसपी, सिटी एसपी, कोतवाली और सदर डीएसपी सहित कई अधिकारी मौजूद रहे. एसएसपी ने कहा कि नवप्रोन्नत एएसआई ऐसा बदलाव लायें, जिससे खुद के साथ-साथ रांची पुलिस की भी अच्छी छवि बन सके. सम्मानित किये गये नवप्रोन्नत पुलिसकर्मियों में खुशी साफ झलक रही थी. बता दें कि झारखंड पुलिस मुख्यालय ने बीते दिनों करीब दो हजार पुलिसकर्मियों को प्रोन्नतिदी थी.

राजनीतिक हलचल विधायक रामचंद्र सिंह के लिए खतरे की घंटी, हर तरफ इसकी चर्चा

कांग्रेस ने की जिलाध्यक्ष को मैदान में उतारने की तैयारी

आशीष टैगोर। लातेहार

मनिका के कांग्रेस विधायक रामचंद्र सिंह के लिए खतरे की घंटी बजती सुनाई दे रही है. कांग्रेस का एक बड़ा तबका अपना प्रत्याशी मैदान में उतारने की तैयारी में है. अगर ऐसा हुआ तो कांग्रेस विधायक रामचंद्र सिंह के लिए चुनाव की डगर आसान नहीं होगी. मनिका में कांग्रेसियों ने एक बैठक की है और कांग्रेस जिला अध्यक्ष मुनेश्वर उरांव को आसन्न विधानसभा चुनाव में मनिका से अपना प्रत्याशी बनाने का निर्णय लिया है. कांग्रेसियों ने कहा कि अगर संगठन मुनेश्वर यादव को टिकट नहीं देती है तो उन्हें निर्दलीय मैदान में उतारा जायेगा.

मुनेश्वर उरांव ने शुभम संदेश से कहा

जनता चाहेगी तो चुनाव अवश्य लड़ेंगे

इससे पहले भी चुनाव लड़ चुके हैं मुनेश्वर उरांव

बता दें कि कांग्रेस जिला अध्यक्ष मुनेश्वर उरांव पहले भी चुनाव लड़ चुके हैं. साल 2014 के विधानसभा चुनाव में मुनेश्वर उरांव ने कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा था और 27,731 मत हासिल कर तीसरे स्थान पर रहे थे. भाजपा के हरिकृष्ण सिंह (31,583) ने राजद के रामचंद्र सिंह (30,500) को मात्र 1583 वोटों से हराया था. इससे पहले साल 2009 के विधानसभा चुनावों में मुनेश्वर उरांव ने झारखंड जनाधिकार मंच के टिकट से चुनाव लड़ा था और चौथे स्थान (7,425) पर रहे थे. भाजपा के हरिकृष्णा सिंह ने (18,645) कांग्रेस के रामेश्वर उरांव (16,876) को हराया था.

24अक्टूबर को नामिनेशन करेंगे मुनेश्वर उरांव : राजकिशोर सिंह

कांग्रेस पार्टी की एक बैठक मनिका में प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष राजकिशोर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गयी. बैठक में बूथ व पंचायतों के कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने भाग लिया. बैठक में जिला अध्यक्ष मुनेश्वर उरांव को मनिका से कांग्रेस का प्रत्याशी बनाने की मांग की गयी. राजकिशोर सिंह ने कहा कि अगर संगठन मुनेश्वर उरांव को टिकट नहीं देती है तो मुनेश्वर उरांव निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में 24 अक्टूबर को अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगें. बैठक में मोहन ठाकुर, मिथिलेश पासवान, अख्तर अंसारी, दिलीप राम व पवन कुमार समेत कई लोग उपस्थित थे. हालांकि इस संबंध में पूछे जाने पर शुभम संदेश से बात करते हुए कांग्रेस जिला अध्यक्ष मुनेश्वर उरांव ने कहा कि वे आम आवाम की इच्छा का सम्मान करते हैं. अगर जनता चाहेगी तो वे अवश्य चुनाव लड़ेगें.

40वीं सीनियर राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप पांडिचेरी में कल से

झारखंड ताइक्वांडो की टीम पुडुचेरी रवाना

संवाददाता। रांची

पुडुचेरी ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन और भारतीय ताइक्वांडो महासंघ द्वारा आयोजित 40वीं सीनियर राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप 18 से 20 अक्टूबर को पुडुचेरी के राजीव गांधी इंदौर स्टेडियम में आयोजित होने वाली चैंपियनशिप के लिए झारखंड ताइक्वांडो की टीम रवाना हुई. टीम झारखंड ताइक्वांडो के वरीय सदस्य व रांची जिला के सचिव सैयद फारुक नदीम कोच के नेतृत्व में धनबाद अल्लपुजा एक्सप्रेस से रवाना हुई. देवघर, हजारीबाग, रांची, धनबाद जमशेदपुर, गोड्डा के खिलाड़ियों का चयन देवघर में आयोजित स्टेट चैंपियनशिप में किया गया था. खिलाड़ियों, जो झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे, उनमें अविनाश नारायण सिंह,आदित्य नारायण सिंह, रोशन कुमार चौहान, उत्कर्ष सिंह, हर्षित राज, चेतन कुमार, दीपक कुमार, मनजीत सिंह, अकीब जावेद. महिला खिलाड़ीयों में बुधेश्वरी कुमारी, राजनंदिनी, नीरा कुमारी, अंजली केशरी शामिल है. सभी खिलाड़ियों को झारखंड ताइक्वांडो के सचिव नीरज कुमार, उपाध्यक्ष मनोज कुमार, कोषाध्यक्ष बमबम कुमार देव, संयुक्त सचिव रबीउल हुसैन, दिलीप कुमार, राजीव रंजन, देवघर ताइक्वांडो के अध्यक्ष अनूप कुमार, संरक्षक जेसी राज ने खिलाड़ियों को बधाई दी. साथ ही जीत के लिए शुभकामनाएं भी दी.

आत्म चिंतन का सुझाव

मुख्य चुनाव आयुक्त ने मीडिया सहित सभी संबंधित संस्थानों को आत्म चिंतन करने का सुझाव दिया है. चुनावों की पारदर्शिता, स्वतंत्रता, निष्पक्षता और सभी के लिए समान जमीन की उपलब्धता को ले भारत में अनेक तबकों के बीच से सवाल उठते रहे हैं. इस बार तो इलेक्ट्रॉनिक मशीनों को ले कर हरियाणा में जिस तरह के सवाल उठे हैं,उसके जवाब की प्रतीक्षा अब तक की जा रही है. देश के लोकतांत्रिक इतिहास में पहली बार कांग्रेस ने हरियाणा के चुनाव परिणामों को लेकर जिस तरह की प्रतिक्रिया दी और उस पर चुनाव आयोग ने जिस तरह का जवाब दिया,उसे ले कर भी अनेक सवाल उठाए जा रहे हैं. इस बीच झारखंड और महाराष्ट्र विधान सभा चुनावों के एलान के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ने एग्जिट पोल,उसकी प्रक्रिया,सर्वेक्षण सैंपल और उसकी प्रमाणिकता को ले कर सवाल उठाया है. इसके साथ ही हरियाणा का उल्लेख करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ने वोटों के गिनती और रुझानों के मीडिया पर आने के समय को ले कर जो सवाल उठाए हैं, वह भी ऐतिहासिक है. चुनाव आयोग ने लोगों के बीच संशय को खत्म करने के बजाय और पेचीदा हालात तो नहीं बना दिए हैं. यह सवाल भी उठ रहा है क्या सच में हकीकत का सामना किया जा रहा है. दरअसल यह बात अनेक महत्वपूर्ण हलकों से कही जा रही है. लोकतंत्र में चुनावों को हर हाल में निष्पक्ष बनाना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है. किसी तरह का संदेह और सवाल न उठे इसकी गारंटी भी चुनाव आयोग ही कर सकता है. महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव को पूरी तरह निष्पक्ष बना कर चुनाव आयोग अपनी गरिमा में वृद्धि ही करेगा. अतीत में चुनाव आयोग ने समय-समय पर उठने वाले सवालों को ले कर संजीदगी का प्रदर्शन किया है और चुनाव की प्रक्रिया को पूरी तरह गरिमामयी बनाने के लिए प्रयास किए हैं. यही कारण है कि दुनिया भर में भारत के चुनाव आयोग की साख है, लेकिन देश के भीतर पिछले कुछ समय से इस साख पर संशय के बादल मंडराते रहे हैं. चुनावों में मतदान खत्म होने से लेकर वोटों की गिनती वाले दिन तक एग्जिट पोल आने, फाइनल रिजल्ट आने से पहले रुझानों और परिणामों के ट्रेंड बताए जाने को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार की कड़ी प्रतिक्रिया एक अच्छी शुरुआत कही जा सकती है. राजीव कुमार ने कहा कि एग्जिट पोल्स के एक उम्मीद सेट करने से बहुत बड़ा अवरोध पैदा हो रहा है. मीडिया के लिए भी यह बड़ा आत्ममंथन का विषय है. मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि पिछले कुछ चुनावों से दो-तीन चीजें एक साथ हो रही हैं. अगर हम इस पूरे संदर्भ को एक साथ देखें तो यह समझना सभी के लिए बेहद जरूरी है, जिसमें पहले एग्जिट पोल आते हैं, जिसके बारे में कुछ पता नहीं कि उसका सैंपल साइज क्या था, उसका सर्वे कहां हुआ और उसका रिजल्ट कैसे आया. ऐसे में अगर कोई एग्जिट पोल नतीजों से मैच नहीं हुआ तो क्या आयोग की जिम्मेदारी है? इस पर चिंतन करने की जरूरत है.

> लोकतंत्र में चुनावों को हर हाल में निष्पक्ष बनाना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है. किसी तरह का संदेह और सवाल न उठे इसकी गारंटी भी चुनाव आयोग ही कर सकता है.

सुभाषित

न प्रहृष्यति सन्माने नापमाने च कुप्यति।
न क्रुद्धः परूषं ब्रूयात् स वै साधूत्तमः स्मृतः॥

मनुस्मृति में श्रेष्ठ सज्जन को इस प्रकार परिभाषित किया गया है. जिन्हें सम्मान दिये जाने पर हर्ष नहीं होता. जिन्हें अपमानित किये जाने पर भी क्रोध नहीं आता. जो अत्यधिक क्रोध आने पर भी कठोर वचन नहीं बोलते, वैसे ही लोगों को सज्जनों में श्रेष्ठ कहा गया है.

जानलेवा है कार्यस्थल का तनाव

पुणे की घटना भी सुर्खियों में नहीं आती अगर मृत महिला कार्यपालक की माता ने अपने मार्मिक एवं विस्तृत पत्र के माध्यम से घटना को उजागर नहीं किया होता. पत्र के अनुसार उक्त कर्मी पर कार्य का दबाव उसकी बर्दाश्त करने की क्षमता से अधिक था, जिसकी परिणति इस दुखद घटना में हुई. श्रम एवं नियोजन मंत्रालय ने ऐसे संकेत तो दिए हैं कि घटना की गंभीरता से जांच की जाएगी.

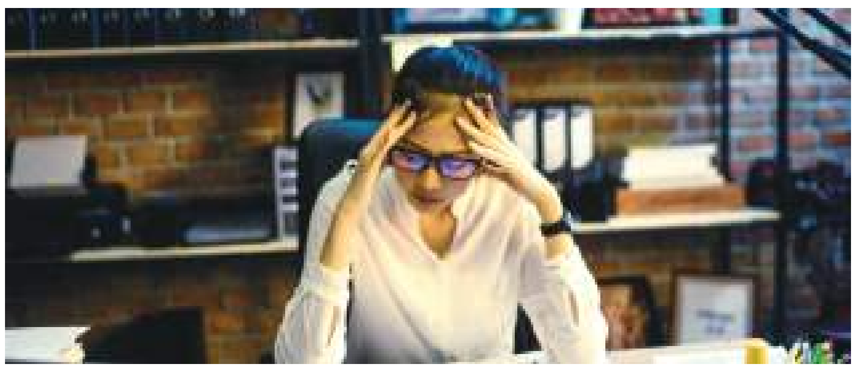

• देश-काल

डॉ. प्रमोद पाठक

तेज रफ्तार के इस दौर में समाज का संस्कार और समाज की मानसिकता बदल गई है. मनुष्य बस एक मशीन बन गया है.एक पागलपन का दौर चल रहा है. प्रबंधन विज्ञानी इसे रैट रेस यानी चूहा दौड़ कहते हैं.इस चूहा दौड़ के परिणाम घातक साबित हो रहे हैं.अत्यधिक तनाव इस चूहा दौड़ की बड़ी त्रासदी है, जिससे बचना नामुमकिन है.लेकिन जीवन एक लंबी दूरी की रेस है और बहुत तेज दौड़ने वाले बहुत दूर तक नहीं दौड़ पाएंगे किंतु यह सोचने की फुर्सत किसे है.पिछले दिनों एक बहुराष्ट्रीय कंपनी की पुणे की शाखा में कार्यरत एक युवा महिला कार्यपालक इसी मानसिकता का शिकार हुई और उसे जान से हाथ धोना पड़ा. कार्यस्थल के अत्याधिक तनाव का दबाव वह नहीं झेल पाई .दरअसल आज के कार्यस्थल पूरी तरह से मशीनी हो गए हैं जिसमें इंसानी भावनाओं के लिए जगह है ही नहीं.सूचना प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धि के इस युग में इन कार्यस्थलों में काम करने वाले लोग रोबोट की तरह हो गए हैं. उन पर अधिक से अधिक उत्पादन करने का अनावश्यक दबाव दिया जाता है जिसे प्रबंधन की भाषा में टारगेट कहते हैं. उत्पादकता बढ़ाने के चक्कर में इंसान का मशीनीकरण हो गया है. बहुराष्ट्रीय कंपनियां कर्ण प्रिय मुहावरे बनाकर अपनी छवि युवाओं के लिए तो आकर्षक बनाती हैं लेकिन वहां के कार्य संस्कृति की सच्चाई कुछ और ही है.पुणे की घटना तो महज एक उदाहरण है .आज के कार्यस्थल की भयावह परिस्थिति को दर्शाने वाले ऐसे कई उदाहरण मिल जाएंगे.

पुणे की घटना भी सुर्खियों में नहीं आती अगर मृत महिला कार्यपालक की माता ने अपने मार्मिक एवं विस्तृत पत्र के माध्यम से घटना को उजागर नहीं किया होता. पत्र के अनुसार उक्त कर्मी पर कार्य का दबाव उसकी बर्दाश्त करने की क्षमता से अधिक था जिसकी परिणीति इस दुखद घटना में हुई. श्रम एवं नियोजन मंत्रालय ने ऐसे संकेत तो दिए हैं कि घटना की गंभीरता से जांच की जाएगी.लेकिन प्रश्न है कि क्या इस तरह के अनावश्यक दबाव से पीड़ित कार्यपालक खुद को बचा पाएंगे. उक्त घटना के बाद बहुत से ऐसे अन्य जगह के कर्मियों ने अपने अनुभव साझा किए हैं और कार्यस्थल की यह दबी हुई सच्चाई आज सामने आ रही है.उत्पादकता बढ़ाने का दबाव आज के प्रबंधकों की सबसे बड़ी प्राथमिकता है. इसके पीछे अवधारणा यह है कि इस तरह से कार्यपालकों से अधिक से अधिक काम लेकर उत्पादन प्रक्रिया को अधिक लाभदायक बना दिया जा सकता है.किंतु ऐसी नीतियां कर्मियों पर अनावश्यक दबाव डालती हैं जिसका नतीजा पुणे जैसी दुखद घटनाओं में हम देख सकते हैं. विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस तरह के दबाव से उत्पन्न मानसिक स्थिति को वर्ष 2019 में बर्नआउट का नाम दिया था.बर्नआउट अत्यधिक दबाव से पैदा हुए मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव को कहा जाता है जिसके चलते कर्मियों को स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याएं हो सकती हैं. कैसी विडम्बना है कि उत्पादन बढ़ाने के लिए दिया गया यह दबाव अंततः कार्य के प्रति अरुचि बढ़ाता है और कार्य क्षमता को घटा देता है. अक्सर कर्मचारी इन परिस्थितियों में चुका हुआ महसूस करते हैं. मनोविज्ञान के शोध में आज से 100 साल से भी ज्यादा पहले यह स्थापित किया गया है कि उत्पादकता बढ़ाने के लिए दबाव नहीं, बल्कि कार्यस्थल को खुशहाल बनाना ज्यादा जरूरी है. कर्मियों की उत्पादकता उनके सुखद मानसिकता पर अधिक निर्भर है ना कि दबाव द्वारा उत्पन्न हुए भय, असुरक्षा और तनाव के माहौल पर.पर सुनता कौन है.

अब पुणे की ही घटना की बात करें. जिस कंपनी में यह दुखद घटना घटी वहां कर्मियों को चेतावनी दी जा रही है कि इस मामले पर कुछ भी बोलना उनके लिए नुकसानदेह होगा. जिस प्रबंधक के नेतृत्व में वह काम करती थी उनका कथन था की उसे उतना ही काम दिया गया जितना दूसरों को दिया गया था.अतः कार्य की अधिकता उसके दबाव का कारण नहीं थी. प्रबंधकीय भाषा में यह पूरा प्रकरण औद्योगिक संगठन की कार्य संस्कृति से जुड़ा है. प्रबंध विज्ञान की दुनिया भर में मानी हुई पत्रिका हॉवर्ड बिजनेस रिव्यू की एक शोध में यह पाया गया कि जब कोई कर्मचारी दबाव महसूस कर रहा हो या क्षुब्ध हो तो उसके वरिष्ठ प्रबंधक क्या कहते या करते हैं इसका बहुत असर पड़ता है.आज की ज्यादातर बहुराष्ट्रीय कंपनियां मुनाफा के दौड़ में कर्मचारियों की आहुति देने से भी परहेज नहीं करते.इस मामले में टाटा कंपनी के प्रबंधन से बहुत कुछ सीखा जा सकता है. किसी भी संगठन की कार्य संस्कृति उसके शीर्ष प्रबंधकों के व्यवहार पर निर्भर करती है. आज आवश्यकता है कार्य स्थलों को कर्मी हितैषी बनाने की ताकि कोई भी कर्मी अपने मन की बात शीर्ष प्रबंधन से कह सके. किंतु आज के प्रबंधन की दुनिया में इसके विपरीत बोलना मना है का सिद्धांत प्रचलित है.आज मुनाफा और उत्पादकता की अंधी दौड़ में मानवीय संवेदनाएं लुप्त हो रही हैं एवं कर्मियों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है. खास करके, जहां पेंशन की व्यवस्था नहीं है वहां अधिक से अधिक काम करके भविष्य के लिए इंतजाम करने के लिए लोग अपना जीवन दांव पर लगा देते हैं. यदि कर्मचारी भविष्य की सुरक्षा के प्रति आशान्वित रहेगा तो अधिक उत्पादक तो रहेगा ही साथ ही उसके उत्पादन की गुणवत्ता भी बेहतर होगी. दुर्भाग्यपूर्ण तो यह है की कई बार सरकारें भी इस सच्चाई को स्वीकार नहीं करतीं कि पेंशन की सुरक्षा कर्मियों को अपने कार्य जीवन में अधिक लगन से काम करने को प्रेरित करती है.आंकड़े बताते हैं कि भारत में कार्यस्थल मशीनी बन गए हैं. कोई 51 फ़ीसदी कर्मी प्रति सप्ताह 49 घंटे या उससे अधिक काम करते हैं. इस लिहाज से कई पश्चिमी देश काफी बेहतर स्थिति में है जहां ज्यादातर लोग 32 से 33 घंटे प्रति सप्ताह काम करते हैं. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

• बोधि-वृक्ष | डॉ. सत्यकेतु संजय

अलौकिक प्रेम

श्रीकृष्ण अब राजा बन गए थे. स्वाभाविक है कि राजकाज के लिए समय देना ही पड़ता. स्वयं भगवान ही जिन्हें राजा के रूप में मिल गए हों, उनकी प्रसन्नता की कोई सीमा होगी. द्वारकावासी दिनभर उन्हें घेरे रहते. जो एक बार दर्शन कर लेता, वह तो जाने का नाम नहीं लेता. बार बार आता. प्रभु मना कैसे करें और क्यों करें? ब्रज से दूर श्रीकृष्ण हमेशा अकेलापन महसूस करते. उन्हें गोकुल और ब्रज हमेशा याद आता. जिस भी ब्रजवासी के मन में अपने लल्ला से मिलने की तीव्र इच्छा होती, श्रीकृष्ण उसे स्वप्न में दर्शन दे देते. स्वप्न में आते तो उलाहना मिलती, इतने दिनों से क्यों नहीं आए. यही सिलसिला था. भक्त और भगवान वैसे तो दूर दूर थे. फिर भी स्वप्न में ही दर्शन हो जाएं तो ऐसे भाग्य को कोई कैसे न सराहे. श्रीकृष्ण से विरह से सबसे ज्यादा व्याकुल तो राधाजी थीं. राधा और कृष्ण मिलकर राधेकृष्ण होते थे पर दोनों भौतिक रूप से दूर थे. एक दिन की बात है. राधाजी सखियों संग कहीं बैठी थीं. अचानक एक सखी की नजर राधाजी के पैर पर चली गई. पैर में एक घाव से खून बह रहा था. राधा जी ने गोपियों को बहलाने का प्रयास तो किया पर सफल नहीं रहीं. किसी ने भी उनकी इस बात का विश्वास न किया. प्रश्नों से भाग रही थीं, अब पलटकर फिर से प्रश्न शुरू हो गए. सखियों ने पूछा, यदि यह घाव कान्हा के पैरों के नाखून से हुआ तो अबतक सूखा क्यों नहीं? कान्हा को गए तो कई बरस हो गए हैं. इतने में तो कोई भी घाव सूख जाए. देखो कुछ छुपाओ मत. हमसे छुपा न सकोगी. आज नहीं तो कल पता तो चल ही जाएगा. सो अच्छा है कि आज ही बता दो. राधा जी समझ गईं कि सखियों को आधी बात बताकर बहलाया नहीं जा सकता. वह तो अपने कन्हैया से आज ही रात स्वप्न में पूछ लेंगी. बात तो खुल ही जाएगी इसलिए बता ही देना चाहिए. राधा जी बोलीं, घाव तो सूखता तब न, जब मैं इसे सूखने देती. मैं रोज इसे कुरेदकर हरा कर देती हूं. सखियों की तो आंख फटी रह गई, यह सुनकर कि राधा जी घाव को हरा कर रही हैं. यह तो बड़ी विचित्र बात हुई. सबके चेहरे पर एक साथ कई भाव आए. अब राधा जी से फिर से प्रश्नों की झड़ी लगने वाली थी. इससे पहले कि कोई कुछ कहे राधाजी ने ही बात पूरी कर दी. राधा जी के पैर में चोट लगी है, घाव से खून बह रहा है. सभी चिंतित हो गए कि उन्हें यह चोट लगी कैसे. लगी भी तो किसी को पता क्यों न चला.

शालीनता और सादगी की एक मिसाल

• स्मृति

जगदीश रत्तानी

पद्म विभूषण रतन नवल टाटा का निधन टाटा समूह और भारतीय व्यापार व उद्योग की व्यापक दुनिया के लिए एक युग का अंत है. टाटा समूह का उन्होंने दो दशकों से अधिक समय तक नेतृत्व किया. टाटा समूह के प्रमुख के रूप में रतन टाटा का कार्यकाल उदारीकरण के युग के साथ का सह-टर्मिनस था जिसने भारतीय व्यापार परिदृश्य को नाटकीय रूप से बदल दिया और उसे साहसिक दांव, गहरे बदलाव और नई दिशाओं में ले गया. इनमें से कुछ भी आसान नहीं था, विशेष रूप से यह देखते हुए कि रतन टाटा को उस समूह को स्थानांतरित करने का काम सौंपा गया था जो हिंदू विकास दर की भारतीय कहानी का इतर हिस्सा था. उन्होंने इसे तेजी से आगे बढ़ाने और उच्च स्तर पर देखने की जिम्मेदारी उठाई.

इसका मतलब था बदलाव करना. अर्थात रतन टाटा पहले टाटा कंपनी को पुराने नियंत्रण से मुक्त कर अपने पूर्ण नियंत्रण ले सकें और फिर संगठन को दायरे और आकार पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित कर सकें. दुनिया की सबसे सस्ती कार का निर्माण (या लोगों की कार, जैसा नैनो को कहा जाता था), सॉफ्टवेयर दिग्गज टीसीएस को सार्वजनिक करना, टेटली और जगुआर लैंड रोवर को खरीदना उनके करियर की कुछ झलकियां हैं जिन्होंने समूह को हिलाकर रख दिया लेकिन इसके बावजूद जहाज को स्थिर रखा. यह एक चुनौतीपूर्ण यात्रा थी. रतन टाटा शांति के साथ काम करना पसंद करते थे इसलिए इस यात्रा को इसके सभी विस्तार के साथ कभी भी पूरी तरह से नहीं बताया गया. अपने पूर्ववर्ती जेआरडी टाटा के आकर्षण और चुंबकत्व के बिल्कुल विपरीत रतन टाटा अपने पूरे जीवन में अंतर्मुखी बने रहे.

जेआरडी स्पष्ट रूप से करिश्माई थे लेकिन रतन टाटा अभी भी एक शालीन नेता के रूप में खड़े थे जिन्होंने आज की बड़बोली और तेजतर्रार व्यापारिक दुनिया में शिष्टता और समझदार तरीके को बनाए रखा था. एक ऐसे युग में जब व्यापारिक नेता सोशल मीडिया पर अनिवार्य रूप से बोलते हैं, अपनी भड़कीली रुचियों के बारे में बताते हैं या अपनी पहुंच और शक्ति का प्रदर्शन करते हैं, तो ऐसे मामलों में रतन टाटा अलग थे. वे हमेशा सुर्खियों से दूर और अलग-थलग रहे. लगभग बंद दरवाजों के पीछे उन्होंने अपने जीवन के 86 साल बिताये.

> दुनिया की सबसे सस्ती कार का निर्माण (या लोगों की कार, जैसा नैनो को कहा जाता था), सॉफ्टवेयर दिग्गज टीसीएस को सार्वजनिक करना, टेटली और जगुआर लैंड रोवर को खरीदना उनके करियर की कुछ झलकियां हैं जिन्होंने समूह को हिलाकर रख दिया लेकिन इसके बावजूद जहाज को स्थिर रखा. यह एक चुनौतीपूर्ण यात्रा थी.

टाटा समूह के जाने-माने इतिहासकार स्वर्गीय रूसी एम लाला ने एक बार बातचीत में कहा था- 'रतन टाटा के पास गर्व करने के लिए बहुत कुछ है,' और यह कि 'जेआरडी को रतन पर गर्व होगा.' लाला ने कहा था, 'कुछ अर्थों में यह हो सकता है या यह तर्क देना संभव है कि रतन ने जो हासिल किया है- बिना करिश्मे, व्यक्तित्व या जेआरडी के चुंबकत्व के- वह जेआरडी की उपलब्धि से अधिक है. हालांकि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जेआरडी लाइसेंस राज से बंधे थे जबकि रतन उदारीकृत युग के तहत प्रदर्शन करने के लिए अपेक्षाकृत स्वतंत्र थे.'

टाटा समूह के अंदरूनी सूत्र के इस आकलन ने रतन टाटा की अनूठी उपलब्धियों के बारे में बहुत कुछ कहा. ये बातें उस समय कही गई थीं जब रतन टाटा ने अपनी सेवानिवृत्ति की घोषणा की थी और सायरस मिस्त्री को अध्यक्ष नामित किया गया था. उत्तराधिकार की यह कहानी जो अंततः समूह के लिए, सायरस मिस्त्री के लिए और व्यक्तिगत रूप से रतन टाटा के लिए बहुत गलत साबित हुई. फिर भी रतन टाटा इस झटके से भी उभरे और समूह को लगातार स्थिर रखा. उन्होंने 2017 में समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा सन्स के अध्यक्ष के रूप में टीसीएस के तत्कालीन अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक एन चंद्रशेखरन को नियुक्त किया और खुद चेयरमैन एमेरिटस का पद संभाला.

चंद्रशेखरन ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा है- 'टाटा समूह के लिए श्री टाटा एक चेयरपर्सन से कहीं अधिक थे. मेरे लिए वे एक संरक्षक, मार्गदर्शक और दोस्त थे. वे उदाहरण बनकर प्रेरित करते थे. टाटा समूह ने उनके नेतृत्व में उत्कृष्टता, सत्यनिष्ठा और नवाचार के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के साथ अपनी नैतिकता के प्रति हमेशा सच्चे रहते हुए अपने वैश्विक पदचिह्न का विस्तार किया.' **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

फिलिस्तीन मसले पर गहरी चुप्पी के मायने

• विमर्श

शेखर गुप्त

गाजावासियों और खासतौर पर फिलिस्तीनियों के लिए भारतीयों के मन में सहानुभूति इतनी कम क्यों है? हिजबुल्ला प्रमुख हसन नसरल्ला के मारे जाने का समय छोड़ दें तो कोई खास विरोध प्रदर्शन क्यों नहीं हो रहा है? नसरल्ला के मारे जाने पर भी ज्यादातर विरोध कश्मीर घाटी और लखनऊ के शिया बहुल इलाकों में ही हुआ. कोई प्रमुख राजनीतिक दल, कांग्रेस या मुस्लिम मतों पर भरोसा करने वाला कोई अन्य दल मसलन समाजवादी पार्टी या तृणमूल कांग्रेस इस पर नाराजगी तक नहीं दिखा पाया, विरोध प्रदर्शन तो दूर की बात है. कुछ वामपंथी समूहों ने जरूर पिछले दिनों जंतर मंतर पर फिलिस्तीन के लिए एकजुटता दिखाते हुए प्रदर्शन किया, लेकिन वह बेहद छोटा था. जो 'धर्मनिरपेक्ष' दल शुरू में इस पर बोले, वे जल्द ही वापस अपने खोल में चले गए. वे ऊहापोह में फंस गए और मुझे लगता है कि भारत में बहुसंख्यकों के इजरायल समर्थक रुख को देखकर वे सतर्क हो गए.

कांग्रेस ने वही किया जो वह अक्सर करती है. पहले एक्स पर कुछ कहा गया फिर दूसरों ने इससे इनकार कर दिया और बाद में बहुत संभालकर कुछ लिखा या कहा गया. केवल प्रियंका गांधी ने नाराजगी जाहिर की. उन्हें वायनाड से चुनाव भी लड़ना है, जहां 40 फीसदी से ज्यादा मतदाता मुसलमान हैं. हम विपक्ष की चिंता और सावधानी समझ सकते हैं. सभी को मुसलमानों के वोट चाहिए मगर हिंदुओं को अलग जाने देने की हिम्मत भी किसी के पास नहीं है. इसीलिए बड़ा सवाल यह है: व्यापक भारतीय जनमानस इतना उदासीन क्यों है? क्या मानवीय त्रासदी अब हमें द्रवित नहीं करती? या तमाम बड़ी शक्तियों की तरह हम भी हर परिस्थिति को राजनीति के चश्मे से देखना सीख गए हैं? तो क्या हिंदू इसे केवल इजरायल बनाम मुस्लिम मसला मान रहे हैं? दलील यह भी हो सकती है कि इसे केवल सांप्रदायिक नजरिये से नहीं देखा जा रहा है बल्कि इसे राष्ट्रीय हित की नजर से भी देखा जा रहा है. अगर फिलिस्तीनी भारत का समर्थन चाहते हैं तो पहले उन्हें पाकिस्तान, ईरान तथा तुर्किये और मलेशिया (हालांकि अब वे कश्मीर का नाम नहीं लेते) जैसे अपने दोस्तों तथा ओआईसी से आग्रह करना होगा कि वे उनके साथ कश्मीर का जिक्र बंद कर दें. वरना भारत को उनकी परवाह क्यों हो?

कश्मीर और फिलिस्तीन को समान बताकर इस्लामिक दुनिया की सहानुभूति जुटाने की पाकिस्तान की कोशिश के कारण ही भारत में कश्मीर पर सहानुभूति खत्म हो गई है. भारत के लोग पाकिस्तान द्वारा कश्मीर का मुद्दा बार-बार उठाए जाने पर नाराज हैं. कश्मीर घाटी के बाहर पूरे भारत की जनता यही कहती है: 'आखिर कौन सा कश्मीर मुद्दा?' अगर वहां कुछ था भी तो वह 5 पांच अगस्त 2019 को खत्म हो चुका है और अब वहां के चुनाव में 63.88 फीसदी मतदान तथा भाजपा की हार के साथ बात पूरी हो गई है. घाटी में भी पाकिस्तान के नजरिये को मिलने वाला समर्थन तेजी से घट रहा है.

हमने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि हमें इसे 'मुसलमान शत्रु का शत्रु यहूदी हमारा मित्र है' जैसा सरल नहीं मानना चाहिए. ऐसा इसलिए क्योंकि इस्लामिक दुनिया और भारत के बीच समीकरण बदल गए हैं. सोवियत संघ के पतन के बाद इजरायल शायद भारत में सबसे लोकप्रिय देश है.

विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर भारत-इजरायल रिश्तों के बारे में पढ़िए. इसकी शुरुआत इस पंक्ति के साथ होती है कि हम अहम साझेदार हैं. उसके बाद भारत की अन्य व्यापक और अहम साझेदारियों पर नजर डालिए. संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और मिस्र जैसे सबसे ताकतवर इस्लामिक और अरब देश इसमें शामिल हैं. ये सभी इजरायल के पड़ोसी भी हैं. वे इजरायल पर हमलावर ईरान और उसके सहयोगियों की मिसाइलों को मार गिराते रहे हैं. इस स्तंभ में हम ने अक्सर कहा भी है कि राष्ट्रहित हमेशा इस्लाम वाद पर भारी रहा है. ईरान, उसकी शिया बुनियाद और मुस्लिम ब्रदरहुड के साथ उसके रिश्ते उन सभी के लिए साझा खतरा हैं. (बिजनेस स्टैंडर्ड से साभार)

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर भारत-इजरायल रिश्तों के बारे में पढ़िए. इसकी शुरुआत इस पंक्ति के साथ होती है कि हम अहम साझेदार हैं. उसके बाद भारत की अन्य व्यापक और अहम साझेदारियों पर नजर डालिए. संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और मिस्र जैसे सबसे ताकतवर इस्लामिक और अरब देश इसमें शामिल हैं.

मीडिया में अन्यत्र

परमाणु निरस्त्रीकरण पर बहस छिड़नी चाहिए

हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिराने की अमेरिकी करतूत के बाद इन शहरों को अभूतपूर्व तबाही से गुजरना पड़ा था, जिसके 79 साल पश्चात निहोन हिदानक्यो को 2024 का नोबेल शांति पुरस्कार प्रदान किया गया. इस संगठन ने बच गये लोगों (जिन्हें हिबाकुशा कहा जाता है) के कल्याण के लिए काम किया और परमाणु हथियारों के उन्मूलन की जरूरत पर आम सहमति बनाने की अथक कोशिश की. आज, बम हमलों में बचे लोगों की संख्या बमुश्किल एक लाख से ऊपर है, और हिबाकुशा की औसत उम्र 86 साल से ज्यादा है. बम हमलों में अनुमानतः 1.5 लाख लोगों की मौत हुई और बहुत से अन्य लोगों की मौत रेडियोएक्टिविटी के संपर्क में आने के पश्च-प्रभावों के चलते बाद में हुई. परमाणु बम हमलों की भयावहता और युद्धोपरांत सरकार की निष्क्रियता (जिसका मुख्य कारण हिबाकुशा की पीड़ा की खबरों पर अमेरिकी प्रतिबंध था) हिदानक्यो के गठन के रूप में सामने आयी. उसने हिबाकुशा को चिकित्सकीय एवं कल्याणकारी लाभ दिये जाने की पैरवी की और आंदोलन चलाया तथा परमाणु हथियारों के खिलाफ अडिग रुख अपनाया. उनके नारे में इस पर जोर दिया गया है, "अब और हिबाकुशा नहीं". जापान में अपनी सक्रियता (एक्टिविज्म) के अलावा, हिदानक्यो अपनी पीड़ा साझा करने और दुनिया को परमाणु हथियारों की भयावहता के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए कई देशों की यात्राओं पर भी गया, जिनमें भारत भी है. नोबेल कमेटी की सराहना करनी होगी कि उसने हिदानक्यो के योगदान को स्वीकार किया. जैसा कि कुछ विद्वान दावा करते हैं, हिदानक्यो की सक्रियता ने जापान में राजनीतिक विमर्श को बृहत्तर लोकतंत्र और न्याय की ओर ले जाने तथा शांतिवाद के उस सिद्धांत के प्रति जनता को संवेदनशील बनाने में मदद की जिसे द्वितीय विश्व युद्ध में पराजय के बाद जापान के संविधान में शामिल किया गया.युद्ध-विरोधी संगठनों की सक्रियता और सामाजिक आंदोलनों (इनमें हिदानक्यो की निःस्वार्थता और यह तथ्य कि वे परमाणु हथियारों के इस्तेमाल के सीधे भुक्तभोगी थे, एक अलग मुकाम रखते हैं) के बावजूद, परमाणु-शक्ति से लैस राष्ट्रों ने अपने शस्त्रागारों में परमाणु हथियारों को तैयार रखना और इनका इस्तेमाल सैन्य शक्ति के प्रदर्शन के लिए करना जारी रखा है. इसका ताजा उदाहरण रूस का यह साफ बयान है कि वह पारंपरिक हमले के खिलाफ जवाबी कार्रवाई के लिए अपने परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से हिचकेगा नहीं. उसने इस धमकी का इस्तेमाल यूक्रेन पर अपना आक्रमण बेशर्मी से जारी रखने के लिए किया है. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

सहस्र/सहस्त्र

हजार को संस्कृत भाषा में सहस्र कहा जाता है, लेकिन इस शब्द के बोलने और लिखने में बहुत सारे लोग गलतियां करते हैं. वे सहस्र को सहस्त्र बोलते और लिखते पाये जाते हैं. इसका कारण अज्ञानता भी हो सकता है और भ्रम भी. अज्ञानता इसलिए कि वैसे लोगों को इस शब्द का सही ज्ञान नहीं है. भ्रम इसलिए कि सहस्र और सहस्त्र शब्द देखने में एक जैसे लगते हैं. यदि अर्थ के दृष्टिकोण से देखें तो सार्थक शब्द सहस्र ही है, सहस्त्र नहीं. इस संबंध में विचार अपेक्षित है. सहस्र शब्द के अंत में 'स्' और 'र' है, वहीं सहस्त्र के अंत में स्+त्र है. गौर करने की बात यह है कि 'स्र' और 'स्त्र' वाले शब्द संख्या में बहुत कम हैं. जैसे 'स्त्र' वाले शब्द हैं अस्त्र, शस्त्र, वस्त्र, मिस्त्री, शास्त्र आदि. इसी प्रकार 'स्र' से बने शब्द भी अधिक संख्या में नहीं हैं. जैसे सहस्र, स्रोत, स्राव, मिस्र, इस्राइल आदि. इसी प्रकार का भ्रम स्रोत के मामले में भी होता है, जिसे बहुत सारे लोग स्त्रोत बोलते हैं और लिखते भी हैं. स्रोत का मतलब है उद्गम स्थल यानी वह स्थान या वस्तु जहां से कुछ निकलता है या प्राप्त होता है. अगर आप स्रोत की जगह स्त्रोत लिखते हैं तो उसका कोई अर्थ नहीं होता. हां, इससे मिलता-जुलता शब्द है स्तोत्र, जिसका मतलब होता है किसी की स्तुति या प्रशंसा में लिखा गया श्लोक या ग्रंथ. यदि इन शब्दों की वर्तनी और उच्चारण को दिमाग में बैठा लिया जाये तो भविष्य में 'स्र' और 'स्त्र' को लेकर भ्रमित होने की संभावना समाप्त हो जाएगी. आश्चर्य की बात तो यह है कि हिंदी शब्द सागर के ऑन लाइन संस्करण में कहीं सहस्र तो कहीं सहस्त्र ही लिखा मिलता है. ऐसा लगता है कि जिन लोगों ने इस शब्द को कंपोज किया होगा, वे स्वयं ही सहस्त्र ही लिखने-बोलनेवाले होंगे और उसकी ढंग से प्रूफ रीडिंग नहीं की गयी होगी.

जब हुआ मेरा पुतला-दहन

• तीर-तुक्का

प्रमोद यादव

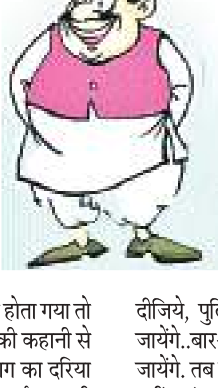

जब-जब देश, राज्य या शहर-कस्बे में कोई बड़ा घोटाला होता है, भ्रष्टाचार होता है या कोई बड़ा नेता कोई बड़ा ही बेतुका बयान बकता है तब 'पुतला-दहन' का पावन पर्व शुरू हो जाता है और फिर सियासत गरमा जाती है. देश स्तर पर होता है तो यह कार्यक्रम बिजली की गति से शहर-दर-शहर सफ़र करता है(टीवी न्यूज के माध्यम से) और कसबे या शहर स्तर का होता है तो राज्य के किसी मंत्री-संत्री या मुख्य- मंत्री का पुतला फूंक अपनी अंतरात्मा को शांत कर लेते हैं. पुतला-दहन से हमेशा की तरह होता कुछ नहीं...ना सरकार कभी इससे जलती (गिरती) है ना ही कोई मंत्री-संत्री मरता या इस्तीफा देता है. ,ना ही फूंकने वाले किसी पुण्य के भागीदार बन ' स्वर्गीय' स्थिति को प्राप्त होते हैं बल्कि अगले चुनाव के बाद पासा पलट जाता है और पुतले फूंकने वाले खुद पुतलों की शक्ल में फूंके जाते हैं. पुतला-दहन के इतिहास के विषय में केवल इतनी जानकारी है कि बचपन में पहली बार दशहरे के दिन रावण के पुतले को दहकते देखा...तब इसे एक पर्व की भांति ही जाना .इस पर्व के मर्म से मैं सर्वथा अनभिज्ञ था.पर साल-दर साल यही सब देखते-देखते समझदार होता गया तो पुतले के मर्म को समझता गया .. राम -रावण की कहानी से भिज्ञ हुआ.. जाना कि एक छोटी सी चिंगारी आग का दरिया कैसे बनती है..भाई लखन ने रावण की बहन शूर्पनखा की नाक काट दी तो नौबत यहां तक पहुंची कि लंका-दहन हो गया और रावण रिवेन्ज लेने के मूड में बेवकूफी पर बेवकूफी और अन्याय पर अन्याय करता गया पर रामजी के न्याय के आगे टिक ना सका और देवों के देव महादेव के अनन्य भक्त रावण फिसड्डी साबित हो भस्म हो गया . मोराल ऑफ़ द स्टोरी ये है कि न्याय अन्याय पर भारी पड़ता है, सच का बोलबाला, झूठे का मुंह काला होता है. अच्छाई की बुराई पर सदैव जीत होती है. इसी बात को रिमाईंड कराने हर साल दशहरे पर रावण का पुतला–दहन करते हैं. पर रावण कभी मरता नहीं, बल्कि हर साल कुछ अधिक ऊंचाई के साथ खड़ा हो जाता है. आज के दौर में सत्य-असत्य, न्याय-अन्याय, अच्छाई- बुराई के बीच का फर्क समझ से परे है. जो बुरे हैं, बुरा काम करते हैं – वे ही मलाई खा रहे हैं. पड़ोस का ठाकुर कुछ नहीं करता सिवा तिकड़म के..मोहल्ले में कोई उसे पसंद भी नहीं करता. फिर भी रोज बिरयानी की सोंधी-सोंधी खुशबू केवल उसी के घर से आती है. नए युग के नए-नए सारे उपकरण केवल उसी के घर इंट्री मारते हैं. अच्छाई के साथ चलने वाले बेचारे टेंशन में होते हैं. किसी सड़क दुर्घटना में घायल आदमी का हेल्प कर दीजिये, पुलिस के धारावाहिक इंटरव्यू से आप पागल हो जायेंगे..बार-बार थाने जाने के चक्कर में अपना घर भी भूल जायेंगे. तब कान पकड़ यही कहेंगे- 'नहीं... दुबारा ऐसी भूल नहीं करूंगा कोई मरता है तो मरे. '

लाइफ लाइन

झारखंड के औषधीय वृक्ष

पीड़ा, कफ, पित्त तथा रुधिर विकार नाशक है कुचला

कुचला एक झारखंड की औषधीय वृक्षों में से एक महत्वपूर्ण वृक्ष है. लेकिन आज वन प्रदेश में खोजने पर भी देखने को नहीं मिलता है और इसकी पहचान लगभग झारखंड के जनजाति लोगों के बीच से विलुप्त हो गई है. इसे हिंदी में कुचला कहते हैं. अंग्रेजी में प्वाइजन नट और लैटिन में स्ट्रिकनास नक्स भोमिका कहते हैं. यह एक के जहरीला फल है और इसका उपयोग गोमूत्र में शोध करके लकवा अर्थात पैरालिसिस में उपयोग पारंपरिक वैद्य जन सैकड़ों वर्षों से करते आ रहे हैं. आज भी आयुर्वेदिक की दुकानों में शोधित कुचला से बनी हुई दवा मिल जाती है.

अनिल कुमार पाठक
पारंपरिक चिकित्सक

कुचला का फल अत्यंत पीड़ा को दूर करने वाला, कफ, पित्त तथा रुधिर विकार को नाश करने वाला होता है. पाश्चात्य मत के अनुसार कुचला के बीच उत्तेजक, स्नायु बलदायक होता है. वात, अजीर्ण, ध्वज भंग, शूल, आंतों की दुर्बलता, श्वास, शुक्र प्रमेह, मनोविकार, आक्षेप, नशा को रोकने के लिए के साथ साथ कई प्रकार के रोगों में हित कारक है. इसका उपयोग होमियोपैथी दवा के रूप में भी किया जाता है. मैं भी कुचला के बीज को शोधित कर उपयोग में लाता हूं.

कुचला के वृक्ष ऊंचे ऊंचे होते हैं. मटमैले रंग की इसकी त्वचा या छाल होती है. इसके पत्र गोल और 3-4 शिराऐं दिखाई पड़ती हैं. पुष्प हरिदाभ श्वेत एवं छोटे पुष्पदंड में लगा रहता है. इसके फल लड्डू की आकृति में छोटे नारंगी की तरह रहते हैं. पकने पर रक्ताभ पित वर्ण का दिखता है. फल के भीतर सफेद गूदा प्राप्त होते हैं. इसके बीज चपटा चक्राकार होता है और आसानी से इसका चूर्ण नहीं बनाया जा सकता है. झारखंड राज्य के वन प्रदेश से लगभग विलुप्त हो गया है और बहुत खोजने पर शायद कहीं कहीं देखने को मिल जाए. चूंकि कुचला बहुत ही उपयोगी पौधा है, इसलिए झारखंड सरकार के साथ-साथ राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड को इसके संवर्धन संरक्षण पर एक विशेष योजना बनाकर काम करने की आवश्यकता है.

(औषधीय पौधा की खेती एवं संवर्धन संरक्षण के जानकार)

सभी तस्वीर : अनिल कुमार पाठक

सिंघाड़ा खा कर दिल के रोगों का भगाइए

जल्द ही झारखंड के बाजारों में सिंघाड़े बिकते नजर आएंगे. बरसात के बाद मिलने वाला यह छोटा सा यह फल बेहद गुणकारी है. इसे यूं ही कच्चा छीलकर खाते हैं. इसे उबालकर हरी चटनी के साथ या नमक, चाट मसाला, नींबू और काली मिर्च आदि डाल कर भी खाते हैं. इसकी सब्जी, सलाद और अचार भी बनाए जाते हैं.

सिंघाड़े में 74 फीसदी तक पानी होता है. एंटी ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है. ये वो मॉलिक्यूल होते हैं जो शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले फ्री रेडिकल्स की मात्रा को भी कम करते हैं. इसमें पोटैशियम की मात्रा अधिक होने से ब्लड प्रेशर और हार्ट डिजीज की आशंका घटती है. 100 ग्राम सिंघाड़े में मात्र 97 कैलोरी होती है. इसमें फाइबर, प्रोटीन, मैगनीज, पोटैशियम, कॉपर, विटामिन बी 6 भरपूर मात्रा में मिलता है. फाइबर अधिक होने से इनको खाने के बाद लंबे समय तक भूख नहीं लगती है. वजन घटाने में भी मददगार होते हैं.

इओसिनोफिलिस

मुश्किल से पहचान में आते लक्षण, जानिए बचाव के तरीके

इओसिनोफिलिस एक शारीरिक असमान्यता है जिसमें हमारे शरीर में इओसिनोफिलिस कोशिकाओं की संख्या बढ़ जाती है. सवाल है कि इओसिनोफिलिस कोशिका क्या होती है. इओसिनोफिल श्वेत रक्त कोशिका यानी वाइट ब्लड सेल्स का एक प्रकार है. ये कोशिकाएं हमारी रोग प्रतिरोध व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो शरीर में मौजूद बैक्टीरिया, वायरस व संक्रमण से हमारा बचाव करता है. जब किसी कारण खून में इसकी संख्या बढ़ जाती है, तो इस स्थिति को इओसिनोफिलिया कहते हैं. इओसिनोफिल कोशिकाओं के बढ़े हुए स्तर को "ब्लड इओसिनोफिलिया" कहा जाता है. यही इओसिनोफिलिया ऊतकों को प्रभावित करे तो इस स्थिति को "टिश्यू इओसिनोफिलिया" कहा जाता है. इओसिनोफिलिया मरीज के फेफड़ों, दिल, रक्त वाहिकाओं साइनस, गुर्दे और मस्तिष्क को प्रभावित कर सकता है. इसलिए इसके इलाज के लिए यथाशीघ्र चिकित्सक से संपर्क किया जाना चाहिए.

डॉ राजेश कुमार सिंह
फिजीशियन व गहन रोग विशेषज्ञ, मेडिका, रांची

इओसिनोफिलिया के कारण

इओसिनोफिल की स्थिति में पीड़ित के रक्त में इओसिनोफिल्स की संख्या बढ़ जाती है. रक्त में इओसिनोफिल्स की संख्या बढ़ने के लिए कई कारक जिम्मेदार हो सकते हैं. आइए, इन कारकों की चर्चा करें–

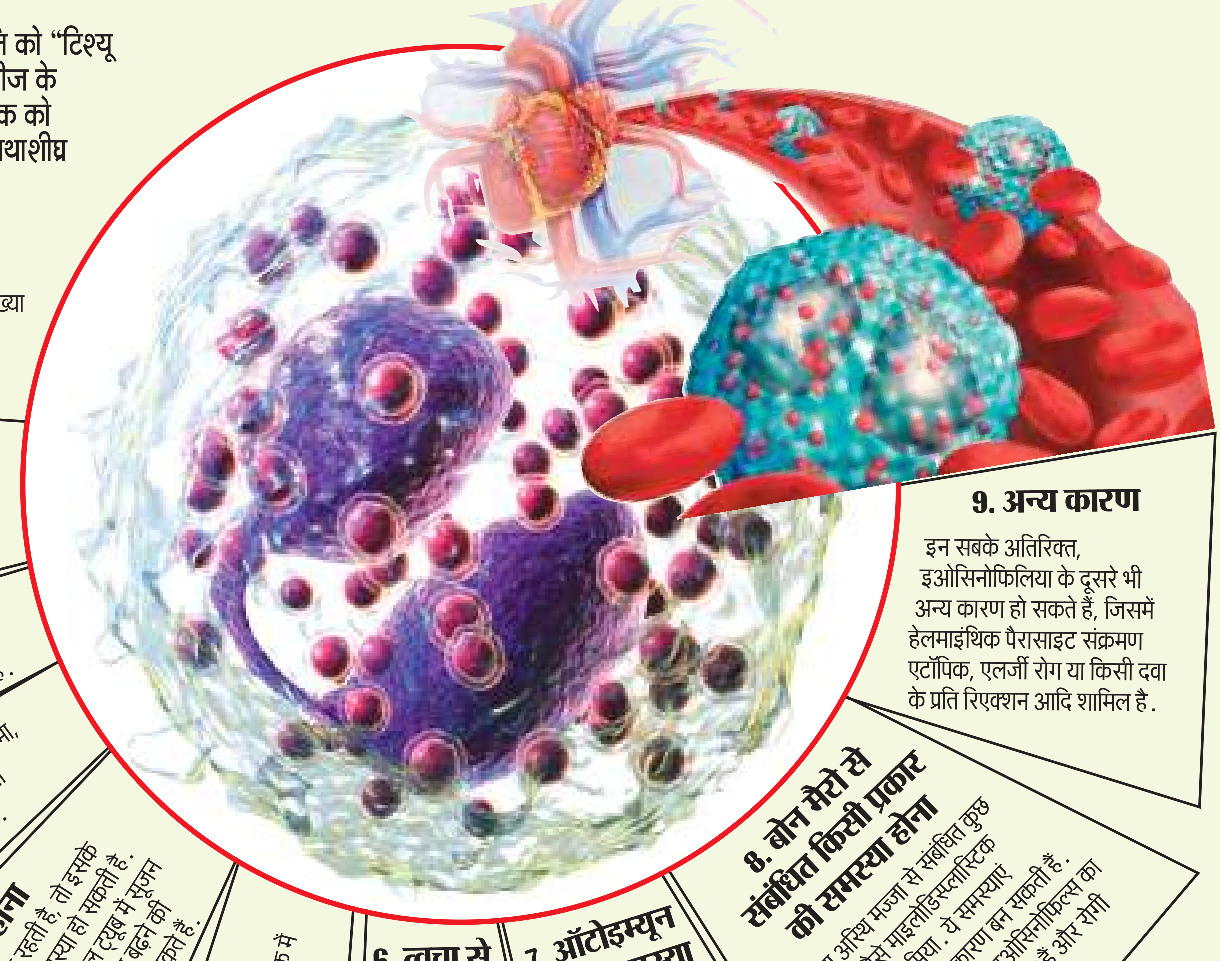

1. एलर्जी से संबंधित विकार

कई बार जब पीड़ित एलर्जी से ग्रसित रहता है तो उसके रक्त में इओसिनोफिल्स की मात्रा बढ़ जाती है. अस्थमा, एलर्जिक राइनाइटिस, और एटोपिक डर्मेटाइटिस कुछ ऐसे एलर्जी है, जिससे एक व्यक्ति गंभीर रूप से प्रभावित हो सकता है.

2. पैरासाइट और फंगल इंफेक्शन

पैरासाइट और फंगल संक्रमण भी इओसिनोफिलिया के प्रमुख कारणों में शरीक हैं.

3. कैंसर

कुछ खास प्रकार के कैंसर जैसे ल्यूकेमिया, लिम्फोमा, और मैलिग्नेंट मेलानोमा आदि से ग्रस्त होने पर भी रक्त में इओसिनोफिल्स की मात्रा बढ़ जाती है.

4. दमा की शिकायत होना

यदि आपको दमा की शिकायत रहती है, तो इसके कारण इओसिनोफिलिया की समस्या हो सकती है. दरअसल दमा की वजह से ब्रोन्कियल ट्यूब में सूजन आ सकती है. रक्त में इओसिनोफिल्स बढ़ने की वजह से दमा पीड़ित अधिक परेशान हो सकते हैं.

5. एलर्जिक राइनाइटिस

एलर्जिक राइनाइटिस में इओसिनोफिल्स नाक में सूजन और खुजली जैसी समस्या उत्पन्न हो सकती है.

6. त्वचा से संबंधित कोई समस्या होना

त्वचा से संबंधित समस्याएं, जैसे कि एक्जिमा और सोरायसिस, इओसिनोफिलिया के मुख्य कारणों में से एक है.

7. ऑटोइम्यून डिजीजसमस्या होना

कुछ ऑटोइम्यून बीमारियां, जैसे रूमेटिक आर्थराइटिस और सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस, इओसिनोफिलिया जैसे रोग के मुख्य कारण बन सकते हैं.

8. बोन मैरो से संबंधित किसी प्रकार की समस्या होना

बोन मैरो या अस्थि मज्जा से संबंधित कुछ समस्याएं हैं, जैसे माइलोडिस्प्लास्टिक सिंड्रोम और ल्यूकेमिया. ये समस्याएं इओसिनोफिलिया का कारण बन सकती हैं. इन स्थितियों में, बोन मैरो इओसिनोफिल्स का उत्पादन करने में असमर्थ रहते हैं और रोगी को बहुत परेशान करते हैं.

9. अन्य कारण

इन सबके अतिरिक्त, इओसिनोफिलिया के दूसरे भी अन्य कारण हो सकते हैं, जिसमें हेलमाइंथिक पैरासाइट संक्रमण एटॉपिक, एलर्जी रोग या किसी दवा के प्रति रिएक्शन आदि शामिल है.

इओसिनोफिलिया के लक्षण

आमतौर पर इओसिनोफिलिया के लक्षण स्पष्ट नहीं होते हैं. मरीज यदि खुद ध्यान दे तो कुछ लक्षणों की पहचान कर सकता है. ऐसे ही कुछ प्रमुख लक्षण हैं शरीर में सूजन होना, खुजली होना, दिल संबंधी परेशानी होना, नर्व डैमेज होना आदि. दरअसल कारणों के अनुसार मरीज में अलग अलग लक्षण भी सामने आ सकते हैं. जैसे अस्थमा के कारण इओसिनोफिलिया होने पर घबराहट होना, सांस फूलना और सांस लेने में दिक्कत होना जैसी समस्याएं हो सकती हैं. वहीं किसी दवा के प्रति रिएक्शन होने पर त्वचा संबंधित लक्षण दिख सकते हैं जैसे कि त्वचा पर लाल चकत्ते होना. परजीवी संक्रमण के कारण इओसिनोफिलिया होने पर पेट में दर्द होना, बुखार, खांसी, दस्त और त्वचा पर चकत्ते होना आदि आदि लक्षण सामने आते हैं. इनके अलावा इओसिनोफलिया के कुछ दुर्लभ लक्षण भी होते हैं जो बहुत कम देखे जाते हैं. ऐसे लक्षणों में वजन घटना, रात को पसीना आना, लिम्फ नॉड्स का आकार बढ़ना और नसों को नुकसान पहुंचने के कारण प्रभावित अंगों में झुनझुनी या सुन्न महसूस होना आदि शामिल हैं. महत्वपूर्ण बात तो यह है कि हम किसी लक्षण के उभरने पर आमतौर इसकी खास जांच नहीं कराते. होता आमतौर पर यह है कि जब डॉक्टर किसी और रोग की जांच के लिए रक्त का परीक्षण करते हैं तब कराए गए ब्लड टेस्ट में खुलासा होता है कि मरीज को इओसिनोफिलिया भी है. ऐसे में पाठकों को सलाह दी जाती है कि कुछ खास लक्षण यदि आप भी महसूस करते हैं तो तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें और उनकी सलाह पर रक्त की जांच कराएं. ये खास लक्षण हैं घरघराहट होना या सांस फूलना, पेट दर्द, दस्त, बुखार, खांसी या त्वचा पर किसी दूसरे प्रकार की समस्या, शरीर के किसी भाग का सुन्न हो जाना या उसमें झुनझुनी जैसी सनसनी महसूस होना, अपने आप शरीर का वजन कम होना आदि.

कैसे करें बचाव

बेशक इओसिनोफिलिया के पीछे कई कारण हो सकते हैं, जिससे बचाव संभव नहीं है. फिर भी कुछ सामान्य सावधानियां अपना कर हम इस रोग से बचाव कर सकते हैं. ऐसी ही कुछ सावधानियां है–

- एलर्जी पैदा करने वाले पदार्थों से दूरी बनाएं.
- बाहर से घर आने के बाद अपने हाथों को अच्छी तरह से धोएं.
- अपने शरीर के साथ-साथ घर की सफाई का खास ध्यान रखें.
- मौसम में बदलाव के समय खान-पान का ख़ास ध्यान रखें.
- कच्चे फलों और सब्जियों को खाने से पहले उन्हें अच्छी तरह धोएं.
- बाहर की चीजों और फास्ट फूड एवं कोल्ड ड्रिंक्स का अत्यधिक सेवन करने से बचें.
- खाने और पानी की स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें. आवश्यकता के अनुसार पानी को उबाल कर पीएं.
- यौन संबंधी गतिविधियों में विशेष रूप से सावधानियां बरतें.
- दूध और अन्य डेयरी उत्पाद के सेवन पर खास ध्यान रखें.

इओसिनोफिलिया का परीक्षण

इओसिनोफिल्स कोशिकाओं की बढ़ती मात्रा के निदान के लिए डॉक्टर मरीज के शरीर से ऊतकों का सैंपल ले सकते हैं और उनकी जांच कर सकते हैं। परीक्षण के परिणाम के आधार पर ही डॉक्टर इलाज की योजना बनाते हैं। इतना ही नहीं इओसिनोफिलिया की जांच के लिए डॉक्टर शरीर में मौजूद अन्य द्रवों की जांच भी कर सकते हैं। इसके साथ साथ इओसिनोफिल्स (eosinophils) कोशिकाओं का बढ़ा हुआ स्तर खून की जांच के दौरान मिल सकता है। इओसिनोफिल्स या इसके कारण की पुष्टि के लिए कुछ अन्य टेस्ट भी डॉक्टर करवा सकते हैं, जैसे –लिवर फंक्शन टेस्ट, छाती का एक्स रे, अल्ट्रासाउंड, या एमआरआई कैंसर के कारण की पहचान कर सकते हैं. यूरिन टेस्ट, अन्य प्रकार के खून टेस्ट, ऊतक व बोन मेरो का बायोप्सी टेस्ट, स्टूल टेस्ट, ट्यूमर मार्कर टेस्ट आदि के जरिए डॉक्टर एक व्यापक मूल्यांकन करेंगे और स्थिति के आधार पर इलाज की योजना बनाएंगे.

इओसिनोफिलिया पीड़ित का कैसा हो आहार

क्या खाएं

- **फल :** सेब, संतरे, अंगूर, ब्लूबेरी, केला, पपीता, और अनानास
- **सब्जियां :** पालक, ब्रोकोली, गाजर, टमाटर, खीरा, और मूली
- **होल ग्रेन :** जई, ओट्स, क्विनोआ, और ब्राउन राइस
- **हेल्दी फैट :** अलसी का तेल, जैतून का तेल, और एवोकाडो
- **प्रोटीन :** चिकन, मछली, टोफू, और बीन्स

क्या न खाएं

- **एलर्जी पैदा करने वाले खाद्य पदार्थ :** डेयरी उत्पाद, अंडे, नट्स, बीज, फलियां, और सीफूड.
- **पैरासाइट संक्रमण वाले खाद्य पदार्थ :** कच्चे या आधे पके हुए मांस या समुद्री जीव का भोजन. कच्चे या अधपके अंडे, और बिना धोए हुए फल और सब्जियां भी स्थिति को खराब कर सकती हैं.
- **कैंसर वाले खाद्य पदार्थ :** प्रोसेस्ड फूड, रेड मीट, तला हुआ भोजन, और शर्करा युक्त पेय पदार्थ.

ढूंढने से नहीं मिलेगी पेट की चर्बी

बैली फैट यानी पेट की चर्बी को लेकर बड़ी संख्या में लोग बेहद चिंतित रहते हैं. खास कर महिलाएं इस समस्या से अधिक परेशान रहती हैं. बैली फैट को कम करने के लिए योग-व्यायाम और डाइट के साथ दिनचर्या में भी बदलाव लाने चाहिए. योग विशेषज्ञों से हमने जाना चार योगासन के बारे में जिन्हें नियमित करने से बेली फैट की समस्या से छुटकारा मिल सकता है. आइए, इन योगासन के बारे में जाने...

भुजंगासन

इस योग को करने से पेट पर अधिक बल पड़ता है. इससे पाचन तंत्र बहुत मजबूत होता है. इससे कब्ज, अस्थमा, महिलाओं को होने वाली मासिक धर्म में समस्या को दूर किया जा सकता है. शुरुआती दौर में भुजंगासन योग की मुद्रा में करीब 15- 20 सेकंड के लिए रहने की सलाह दी जाती है. कुछ समय अभ्यास के बाद समय सीमा को धीरे-धीरे बढ़ाकर एक मिनट करें.

ऐसे करें : भुजंगासन करने के लिए आपको सबसे पहले योग मैट पर पेट के बल लेटकर अपने दोनों पैरों के अंगूठों और एड़ियों को मिलाते हुए दोनों हथेलियों को सीने के सामने जमीन पर रखें. अब सांस लेते हुए हथेलियों पर दबाव डालें और सिर, छाती और नाभि तक पेट को ऊपर उठाएं. इस स्थिति में आसमान की तरफ देखें. गर्दन को सीधी रखें. कुछ देर इस स्थिति में बने रहें और फिर सांस छोड़ दें. धीरे-धीरे सामान्य अवस्था में आ जाएं. इस योगासन को 3-5 बार दोहरा सकते हैं.

धनुरासन

धनुरासन करने से ना केवल पेट की बल्कि पीठ की चर्बी भी कम की जा सकती है. इसके अलावा इस योगासन के नियमित अभ्यास से ब्लड सर्कुलेशन भी बेहतर होता है, यह कब्ज, अपच और लिवर की सुस्ती को कम कर सकता है. ध्यान रखें कि जिन लोगों को सिरदर्द, माइग्रेन या अनिद्रा की समस्या है, उन्हें इसे नहीं करना चाहिए.

ऐसे करें : धनुरासन के अभ्यास के लिए सबसे पहले पेट के बल लेट जाएं. अब हाथों को पैरों के पास रखते हुए घुटनों को मोड़ें. मुड़े हुए घुटनों को पकड़कर रखें. अब श्वास लेते हुए सीने को ऊपर की ओर उठाएं और हाथों से पैरों को खींचें. श्वास की गति पर ध्यान केंद्रित करें. अब 15-20 सेकेंड तक इस अवस्था में रहें, फिर पूर्व की स्थिति में आ जाएं.

मार्जरी आसन

इस योगासन को कैट पोज भी कहते हैं. इस आसन को करने से पाचन तंत्र मजबूत होता है. इसे करने से रीढ़ की हड्डी मजबूत बनती है. महिलाएं प्रसव के बाद इस योगासन को करेंगी तो बेली फैट कम होगा.

ऐसे करें : मार्जरासन करने के लिय आप सबसे पहले फर्श पर एक योगा मैट को बिछा कर अपने दोनों घुटनों को टेक कर या वज्रासन की मुद्रा में बैठ जाएं. अब अपने दोनों हाथों को फर्श पर आगे की ओर रखें. अपने दोनों हाथों पर थोड़ा सा भार डालते हुए अपने हिप्स (कूल्हों) को ऊपर उठाएं. अपनी जांघों को ऊपर की ओर सीधा करके पैर के घुटनों पर 90 डिग्री का कोण बनाए. इस स्थिति में आपकी छाती फर्श के समान्तर होगी और आप एक बिल्ली के समान दिखाई देगें. अब आप एक लंबी सांस लें और अपने सिर को पीछे की ओर झुकाएं, अपनी नाभि को नीचे से ऊपर की तरफ धकेलें और टेलबोन (रीढ़ की हड्डी का निचला भाग)) को ऊपर उठाएं. अब अपनी सांस को बाहर छोड़ते हुए अपने सिर को नीचे की ओर झुकाएं और मुंह की ठुड्डी को अपनी छाती से लगाने का प्रयास करें. इस स्थिति में अपने घुटनों के बीच की दूरी को देखें और ध्यान रखें की इस मुद्रा में आपके हाथ झुकने नहीं चाहिए. अपनी सांस को लम्बी और गहरी रखें. अब फिर से अपने सिर को पीछे की ओर करें और इस प्रक्रिया को दोहराहएं. इस क्रिया को आप 10-20 बार दोहराएं.

अर्ध मत्स्येन्द्रासन

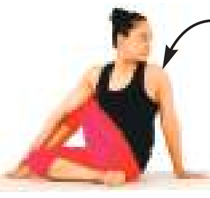

रीढ़ की हड्डी और पैरों सहित लगभग पूरा शरीर इस आसन में शामिल होता है. इसलिए स्वास्थ्य की दृष्टि से यह शरीर के विभिन्न अंगों के लिए फायदेमंद होता है. मधुमेह के रोकथाम में अहम भूमिका निभाता है. अगर पेट की चर्बी कम करनी हो तो इस आसन का अभ्यास जरूर करें.

ऐसे करें : इस आसन को करने के लिए आप जमीन बैठ जाएं और पैरों को सीधा कर लें. इस समय आप रीढ़ की हड्डी को सीधा रखें. इसके बाद बाएं पैर को मोड़ें और इससे कुल्हे के नीचे दबाएं. अब दाएं पैर को ऊपर की मोड़े, इसका घुटना ऊपर की ओर रखें. इसके बाद जो पैर ऊपर की ओर है, उस ओर शरीर के ऊपरी हिस्से को घुमाएं. ऐसा करते समय आप ऊपर वाले पैर को नीचे वाले पैर से क्रॉस करें और तलवे को घुटने के पास ले आएं. बाएं हाथ को जमीन पर रखें और गहरी सांस को अंदर भरें. इस पोजिशन में करीब 20 से 30 सेकेंड तक शरीर स्थिर रखें. इसके बाद ठीक विपरीत दिशा में आसन को दोहराएं. शुरुआत में आसन को ज्यादा देर तक न करें. इसके बाद धीरे-धीरे समय को बढ़ाएं.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

एशेज टेस्ट सीरीज : पर्थ में 21 नवंबर से खेला जाएगा पहला टेस्ट

एजेंसी। सिडनी

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की एशेज टेस्ट सीरीज वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में शुरू होगी. यह पहली बार होगा जब एशेज टेस्ट का आयोजन नयी जगह पर किया जाएगा. पर्थ स्टेडियम 1882 से चली आ रही प्रतिद्वंद्विता में एशेज टेस्ट आयोजित करने वाला आठवां ऑस्ट्रेलियाई मैदान बन जाएगा. पहला टेस्ट 21 नवंबर 2024 से 25 नवंबर तक पर्थ में खेला जायेगा, जबकि दूसरा टेस्ट चार से आठ दिसंबर तक ब्रिसबेन में होगा, जो दिन रात का टेस्ट होगा. एडीलेड ओवल में तीसरा टेस्ट 17 से 21 दिसंबर के बीच खेला जायेगा. मेलबर्न में पारंपरिक बॉक्सिंग डे टेस्ट 26 दिसंबर से और सिडनी में पांचवां टेस्ट चार से आठ जनवरी के बीच खेला जायेगा. एशेज इस समय ऑस्ट्रेलिया के पास है जिसने 2023 में इंग्लैंड में ड्रॉ खेला था.दोनों टीमों का ऐलान अभी नहीं हुआ. सीरीज से 15 दिन पहले दोनों टीमों का ऐलान हो सकता है. पिछली बार जब इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया की टीम एशेज में भिड़ी थी, तो 5 मैचों की सीरीज 2-2 से बराबरी रही थी. 5वां और अंतिम टेस्ट 5 दिन तक चला. अंतिम सेशन में मेजबान इंग्लैंड को 49 रनों से जीत मिली. इस तरह से 5 मैचों की सीरीज 2-2 से बराबरी रही. एक समय ऑस्ट्रेलिया की टीम सीरीज में 2-0 से आगे थी.

एशेज सीरीज हेड टू हेड

अब तक इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच 73 एशेज सीरीज खेली जा चुकी हैं, जिनमें से ऑस्ट्रेलिया ने 34 बार जीत हासिल की है, जबकि इंग्लैंड ने 32 बार बाजी मारी है. सात सीरीज ड्रॉ पर खत्म हुई हैं. दोनों ही टीमों ने एशेज में लगातार आठ-आठ बार जीत दर्ज करने का रिकॉर्ड बनाया है. इंग्लैंड ने यह कारनामा 1882-83 से 1890 तक किया था, इस दौरान इंग्लैंड ने 16 टेस्ट मैचों में जीत दर्ज की और केवल चार मैच हारे थे. गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया ने 2023 में इंग्लैंड के साथ 2-2 की ड्रॉ सीरीज के बाद एशेज ट्रॉफी अपने पास बनाए रखी है. अब देखना होगा कि 2025-26 में कौन सी टीम एशेज ट्रॉफी पर कब्जा करती है.

एशेज 2025-26 का शेड्यूल

- **पहला टेस्ट :** पर्थ स्टेडियम, 21-25 नवंबर 2025
- **दूसरा टेस्ट (डे-नाइट) :** गाबा, 4-8 दिसंबर 2025
- **तीसरा टेस्ट :** एडिलेड ओवल, 17-21 दिसंबर 2025
- **चौथा टेस्ट :** मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड, 26-30 दिसंबर 2025
- **पांचवां टेस्ट :** सिडनी क्रिकेट ग्राउंड, 4-8 जनवरी 2026

क्या है एशेज का इतिहास?

एशेज टेस्ट क्रिकेट के इतिहास की सबसे पुरानी सीरीज है, जिसका अभी तक आयोजन होता है. इस रोमांचक सीरीज की शुरुआत 1882-83 में हुई थी. 1882 में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड खेलने आई थी. उस सीरीज का पहला टेस्ट मैच इंग्लैंड के ओवल स्टेडियम में खेला गया था. यह मुकाबला कंगारुओं ने जीत लिया था. इंग्लैंड पहली बार अपने घर पर कोई टेस्ट मैच हारी थी. इसके बाद इंग्लिश मीडिया का एक बोल्ड स्टेटमेंट सामने आया था. इंग्लैंड की कंगारुओं से मिली इस हार को इंग्लिश क्रिकेट की मृत्यु कहा गया था. न्यूजपेपर द स्पोर्ट्स टाइम्स में छपा, इंग्लिश क्रिकेट की 29 अगस्त 1882 को ओवल में मौत हो गई. बॉडी के आखिरी राइट्स करने के बाद राख-एशेज को ऑस्ट्रेलिया ले जाया जाएगा. गौरतलब है कि इसके बाद 1883 में इंग्लैंड की टीम ने ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था. टूर पर जाने से पहले इंग्लिश कप्तान इवो ब्लिंग ने इस बात का एलान किया था कि वह एशेज लेने जा रहे हैं.

भारत-न्यूजीलैंड बेंगलुरु टेस्ट : बारिश के कारण पहला दिन टॉस भी नहीं हो सका

बारिश की भेंट चढ़ा पहले दिन का खेल

एजेंसी। बेंगलुरु

बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले जा रहे भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला के पहले मैच का पहला दिन बारिश से धुल गया. बारिश के कारण पहला दिन टॉस भी नहीं हो सका. अब मैच का टॉस भी 17 अक्टूबर को होगा. मैदान पर पूरे दिन बारिश की वजह से कवर्स मौजूद थे. कई बार ऐसा अपडेट भी आया कि मैच शुरू हो सकता है, लेकिन करीब ढाई बजे मैच के प्रसारण के दौरान पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर सबा करीम ने घोषणा की 16 अक्टूबर का खेल रद्द हो गया है. दूसरे दिन का खेल 17 अक्टूबर को सुबह 9:15 पर शुरू होगा.

इससे पहले अंपायर दिनभर लगातार मैदान का निरीक्षण करते रहे. पिच के चारों ओर पैच और नमी दिखी. भारतीय टीम इस महीने की शुरुआत में बांग्लादेश को हराने के बाद आत्मविश्वास से भरी हुई है. न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज भारतीय दल के लिए अपनी कमियों को दूर करने और नवंबर में ऑस्ट्रेलिया की यात्रा से पहले अपनी ताकत को परखने के लिए महत्वपूर्ण होगी.

सभी की निगाहें अनुभवी रोहित शर्मा और विराट कोहली पर होंगी, जो बांग्लादेश सीरीज में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए थे और 4 पारियों में अर्धशतक बनाने में विफल रहे थे. जबकि यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल और ऋषभ पंत जैसे युवाओं ने बांग्लादेश के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन किया, लेकिन गेंदबाजों और ऑलराउंडरों ने खूब वाहवाही बटोरी. बांग्ला टाइगर्स के खिलाफ पहले टेस्ट में रविचंद्रन अश्विन की शानदार बल्लेबाजी और दो टेस्ट में जसप्रीत बुमराह की तेज गेंदबाजी ने मेहमान टीम को बुरी तरह से परेशान कर दिया था.

भारत और न्यूजीलैंड का टेस्ट इतिहास

जब भी न्यूजीलैंड की टीम भारत दौरे पर आई और उसने यहां टेस्ट सीरीज खेली है, तब-तब उसे रोना ही पड़ा है. फैंस को यहां सीधे-सरल शब्दों में बता दें कि न्यूजीलैंड की टीम अब तक भारतीय जमीन पर कोई भी द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज नहीं जीत सकी है. कीवी टीम ने पहली बार 1955 में भारत का दौरा किया था, तब उसे 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-0 से हार झेलनी पड़ी थी. इस सीरीज के तीन मुकाबले ड्रॉ रहे थे. इसके बाद न्यूजीलैंड टीम 1965 में भारत आई और इस बार भी उसे एक भी टेस्ट जीतने का मौका नहीं मिला. तब भारत ने 4 टेस्ट की सीरीज में 1-0 से हराया था. 3 टेस्ट ड्रॉ रहे थे. फिर 4 साल बाद यानी 1969 में एक बार कीवी टीम ने भारत का दौरा किया और इस बार भारतीय जमीन पर उसने पहला टेस्ट जीता. इस बार न्यूजीलैंड 3 मैचों की टेस्ट सीरीज 1-1 से बराबर करने में सफल रही थी. एक मैच इस बार भी ड्रॉ रहा था.

- कुल सीरीज : 12
- भारत जीता : 10
- न्यूजीलैंड जीता : 00
- ड्रॉ : 2

भारत में न्यूजीलैंड टीम का टेस्ट मैचों में रिकॉर्ड

- कुल टेस्ट मैच : 36
- भारत जीता : 17
- न्यूजीलैंड जीता : 2
- ड्रॉ : 17

न्यूजीलैंड टीम को पिछली सीरीज में हार मिली

भारत और न्यूजीलैंड के बीच आखिरी टेस्ट सीरीज नवंबर 2021 में हुई थी. यह सीरीज भारतीय जमीन पर ही हुई थी, जहां न्यूजीलैंड को 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से हार झेलनी पड़ी थी. यदि ओवरऑल टेस्ट सीरीज और मैचों का रिकॉर्ड देखा जाए तो इसमें भी भारतीय टीम का ही पलड़ा भारी नजर आता है.

भारत-न्यूजीलैंड के बीच ओवरऑल सीरीज रिकॉर्ड

- कुल टेस्ट सीरीज : 23
- भारत जीता : 12
- न्यूजीलैंड जीता : 7
- ड्रॉ : 4

भारत-न्यूजीलैंड के बीच ओवरऑल टेस्ट रिकॉर्ड

- कुल टेस्ट मैच : 62
- भारत जीता : 22
- न्यूजीलैंड जीता : 13
- ड्रॉ : 27

न्यूजीलैंड का भारत दौरा

- 16 अक्टूबर से : पहला टेस्ट, बेंगलुरु
- 24 अक्टूबर से : दूसरा टेस्ट, पुणे
- 1 नवंबर से : तीसरा टेस्ट, मुंबई

एडी टी10 लीग में पदार्पण के लिए तैयार है यूपी नवाब

एजेंसी। नयी दिल्ली

एडी टी10 लीग में नई फ्रेंचाइजी यूपी नवाब अपना पदार्पण करने के लिए तैयार है. टीम के मालिक वेंचर कैपिटलिस्ट लविश चौधरी हैं. मूल रूप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले चौधरी की गाजियाबाद और मुजफ्फरनगर से यात्रा उनकी जड़ों से उनके गहरे जुड़ाव और क्रिकेट के प्रति आजीवन जुनून को दर्शाती है. यह नया उद्यम उन्हें खेल के प्रति अपने प्यार को अपने रणनीतिक निवेश दृष्टिकोण के साथ जोड़कर एक ऐसी टीम बनाने का मौका देता है जो उत्तर प्रदेश की भावना और लचीलेपन का प्रतिनिधित्व करती है. लविश चौधरी ने टीम के लिए अपनी आकांक्षाओं को साझा करते हुए एक बयान में कहा, क्रिकेट मेरे जीवन का एक मूलभूत हिस्सा रहा है, और एडी टी10 लीग में एक फ्रैंचाइजी का मालिक होना एक सपने के सच होने जैसा है. यूपी नवाबों के साथ, मेरा लक्ष्य उत्तर प्रदेश के गौरव को वैश्विक मंच पर लाना और लीग में एक मजबूत दावेदार के रूप में अपनी उपस्थिति स्थापित करना है.

डेलानी की जगह गैबी लुईस बनीं आयरलैंड की कप्तान

एजेंसी। डबलिन

गैबी लुईस को आयरलैंड महिला क्रिकेट टीम का नया कप्तान नियुक्त किया गया है, जो अब तक की सबसे अनुभवी खिलाड़ी लॉरा डेलानी की जगह लेंगी. डेलानी ने सभी प्रारूपों में आयरलैंड का 207 बार प्रतिनिधित्व किया है और पिछले आठ वर्षों से वह उनकी कप्तानी भी कर रही हैं. वे महिला टी20 विश्व कप में जगह बनाने में असमर्थ रहीं, लेकिन हाल ही में उन्हें सफलता मिली है, अगस्त में श्रीलंका के साथ द्विपक्षीय मुकाबले में 1-1 से बराबरी की, जब लुईस ने शतक बनाया और उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गईं. इसके बाद उनकी टीम ने वनडे में श्रीलंका को 2-1 से हराया. लुईस, जो वर्तमान में मेलबर्न में क्लब क्रिकेट खेल रही हैं, ने कहा, मुझे पता है कि जब मैं पहली बार सीनियर टीम में आई थी, तो डेल्स उन टीम-साथियों में से एक थीं जिनसे आप प्रेरणा लेते थे. शौकिया से पेशेवर युग में जाने के बाद, उन्होंने लगातार अपने खेल को विकसित करने और सुधारने की कोशिश की है, और मैं डेल्स के साथ कई और मौकों पर खेलने के लिए उत्सुक हूं.

हरमनप्रीत को कप्तानी से हटाने की मांग

नयी दिल्ली । आईसीसी इवेंट में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए ऑस्ट्रेलिया सबसे बड़ी परेशानी का सबब बन चुकी है. पिछले कुछ वर्षों से भारत और ट्रॉफी के बीच यह टीम एक ऐसी दीवार बन गई है क्रिकेट/खेल हरमनप्रीत कौर को कप्तानी से हटाने की मांग, क्या होगा बीसीसीआई का फैसला? 16 अक्टूबर (आईएएनएस). आईसीसी इवेंट में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए ऑस्ट्रेलिया सबसे बड़ी परेशानी का सबब बन चुकी है. पिछले कुछ वर्षों से भारत और ट्रॉफी के बीच यह टीम एक ऐसी दीवार बन गई है, जिसे लांघना हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम के लिए नामुमकिन बन गया. अब महिला टी20 विश्व कप 2024 के ग्रुप स्टेज से बाहर होने के बाद टीम की कप्तान पर एक्शन लिया जा सकता है.

डिविलियर्स, कूक व नीतू हॉल ऑफ फेम में

एजेंसी। दुबई

आईसीसी ने एक बड़ा ऐलान किया है. उसने बुधवार को तीन नए दिग्गज क्रिकेटर्स को हॉल ऑफ फेम में शामिल किया है. इस बार ये सम्मान साउथ अफ्रीका के दिग्गज खिलाड़ी एबी डिविलियर्स, इंग्लैंड के एलिस्टर कूक के साथ भारतीय दिग्गज नीतू डेविड को मिला है. आईसीसी की हॉल ऑफ फेम की लिस्ट में कुक 113वें, नीतु डेविड 114वें और डिविलियर्स 115वें नंबर हैं. इस सम्मान समारोह का जश्न महिला टी20 विश्व कप 2024 टूर्नामेंट के अंतिम चरण के दौरान दुबई में मनाया जाएगा. बता दें आईसीसी हॉल फेम की शुरुआत 2009 में हुई थी. इसके जरिए आईसीसी क्रिकेट दिग्गजों को सम्मानित करती है. नीतु डेविड बनीं दूसरी भारतीय महिला

भारतीय महिला क्रिकेट की लेजेंड नीतु डेविड आईसीसी हॉल ऑफ द फेम की लिस्ट में शामिल होने वाली भारत की दूसरी महिला खिलाड़ी हैं. वह टीम इंडिया की बेहतरीन स्पिनर्स में से एक थीं. उन्होंने भारतीय टीम के लिए 97 वनडे और 10 टेस्ट मैच खेल चुकी हैं. नीतु ने अपने करियर के दौरान वनडे में 16.34 की औसत से 141 और टेस्ट में 18.90 की औसत से 41 विकेट चटकाए थे. इतना ही नहीं वह 100 वनडे विकेट हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर भी हैं. नीतु का करियर 13 सालों का रहा. उन्होंने 1995 में इंटरनेशनल डेब्यू किया था, वहीं आखिरी मुकाबला 2008 में खेला था.

आईपीएल 2025 से ठीक पहले मुंबई इंडियंस ने टीम में कई अहम बदलाव किए

पारस महाम्ब्रे बने मुंबई इंडियंस के नये बॉलिंग कोच

एजेंसी। मुंबई

मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2025 से ठीक पहले टीम में कई अहम बदलाव किए हैं. मुंबई ने टीम के लिए नया बॉलिंग कोच नियुक्त किया है. मुंबई इंडियंस ने टीम इंडिया के पूर्व कोच पारस महाम्ब्रे को मौका दिया है. वे टीम के नए बॉलिंग कोच हैं. पारस से पहले महेला जयवर्धने को भी अहम जिम्मेदारी मिली थी. वे टीम के हेड कोच हैं. पारस की बात करें तो उनका कोचिंग में अब तक शानदार रिकॉर्ड रहा है. वे टी20 विश्व कप 2024 के दौरान टीम इंडिया के साथ थे. मुंबई इंडियंस ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट के जरिए बताया कि पारस को बॉलिंग कोच बनाया गया है. मुंबई के लसिथ मलिंगा भी हैं. मलिंगा के साथ पारस के आने से कोचिंग स्टाफ काफी मजबूत हो गया है. पारस इससे पहले भी मुंबई इंडियंस का हिस्सा रह चुके हैं. उनका क्रिकेट करियर भी अच्छा रहा है. पारस मुंबई के लिए घरेलू मैचों में राइम-आर्म मीडियम पेसर की भूमिका निभाते थे. टी20 वर्ल्डकप विनिंग टीम इंडिया का हिस्सा रह चुके हैं पारस

रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम इंडिया ने टी20 विश्व कप 2024 का खिताब जीता था. भारत ने दमदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराया था. पारस इस टीम का हिस्सा थे. वे बॉलिंग कोच की भूमिका में थे.

ऐसा रहा है पारस का क्रिकेट करियर

पारस का क्रिकेट करियर बहुत ज्यादा लंबा नहीं रहा. उन्होंने टीम इंडिया के लिए 2 टेस्ट और 3 वनडे मैच खेले. पारस ने फर्स्ट क्लास मैचों में 284 विकेट झटके हैं. वे 105 पारियों में 1665 रन भी बना चुके हैं. पारस ने लिस्ट ए के 83 मैचों में 111 विकेट लिए हैं. वे अपने क्रिकेट करियर के बाद कोच की भूमिका में आ गए.

महेला जयवर्धने को मुंबई ने बनाया हेड कोच

मुंबई इंडियंस का आईपीएल 2024 में काफी निराशाजनक प्रदर्शन रहा था. लेकिन इससे पहले टीम दमदार प्रदर्शन कर चुकी है. मुंबई ने अगले सीजन से ठीक पहले महेला जयवर्धने को हेड कोच बना दिया. अब टीम कप्तान भी बदल सकती है.

बड़ी घोषणा — कैटिच को एक साल का अनुबंध विस्तार मिला, क्लब तैयारी में जुटा

मैनचेस्टर ओरिजिनल्स पुरुष टीम के प्रभारी बने रहेंगे साइमन कैटिच

एजेंसी। मैनचेस्टर

खास बातें

- मैनचेस्टर से इस सत्र में सिर्फ एक मैच जीत सका
- स्टीफन पैरी को महिला टीम के कोच पद से हटाया

मैनचेस्टर ओरिजिनल्स ने साइमन कैटिच को एक साल का अनुबंध विस्तार दिया है, जबकि इस सत्र में उनकी पुरुष टीम ने केवल एक जीत हासिल की थी, हालांकि क्लब ने स्टीफन पैरी को महिला टीम के कोच पद से हटा दिया है. पैरी ने दो साल तक महिला टीम की कमान संभाली थी. दोनों कोचों के भविष्य पर निर्णय ओरिजिनल्स बोर्ड द्वारा लिए गए, जिसे 2025 से लंकाशायर के साथ उनके घनिष्ठ संबंधों को दर्शाने के लिए पुनर्गठित किया गया है. काउंटी अगले सत्र में ओरिजिनल्स में बहुसंख्यक शेयरधारक बन जाएगी, जब उन्हें ईसीबी द्वारा 51% हिस्सेदारी सौंपी जाएगी, जबकि शेष 49% एक निजी निवेशक को बेची जाएगी. लंकाशायर के क्रिकेट निदेशक मार्क चिल्टन को पैरी के उत्तराधिकारी के रूप में महिला टीम के मुख्य कोच की नियुक्ति प्रक्रिया का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी दी गई है. लंकाशायर बोर्ड में शामिल जेम्स शेरिडन ने ब्रॉडकास्टर मार्क चैपमैन से ओरिजिनल्स के अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला है, हालांकि चैपमैन बोर्ड में बने रहेंगे. ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज कैटिच ने 2021 में हंड्रेड के उद्घाटन सत्र से ओरिजिनल्स के पुरुषों को कोचिंग दी है, और कहा कि 2025 में वापसी के लिए सहमत होने के बाद उनका अधूरा काम रह गया है. कैटिच ने ईएसपीएनक्रिकइंफो के हवाले से कहा, पिछले तीन वर्षों में मैनचेस्टर ओरिजिनल्स का नेतृत्व करते हुए मुझे बहुत मज़ा आया और मैं अगले साल का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूं. ओरिजिनल्स पुरुषों के हंड्रेड के 2022 और 2023 सीजन में उपविजेता रहे, ट्रेंट रॉकेट्स और ओवल इनविंसिबल्स के खिलाफ़ कड़े फ़ाइनल में हार गए. लेकिन वे इस साल चोटिल जोस बटलर की अनुपस्थिति से उबरने में विफल रहे, फिल साल्ट की कप्तानी में अपने आठ मैचों में से केवल एक में जीत हासिल करने के बाद सातवें स्थान पर रहे. कैटिच ने कहा, हम सभी इस बात से निराश हैं कि यह सीजन कैसा रहा, खास तौर पर 2022 और 2023 में हम इतने करीब आ गए थे. मुझे लगता है कि हंड्रेड के पिछले तीन संस्करणों की घटनाओं को देखते हुए हमारे पास अधूरा काम है और ओरिजिनल्स में हम सभी यह सुनिश्चित करेंगे कि हम अगले साल फिर से पटरी पर लौटें... हम मैनचेस्टर के लिए इसे जीतने के लिए दृढ़ हैं. इस बीच, पैरी को इस सीज़न में महिला हंड्रेड में छठे स्थान पर रहने के बाद बदल दिया गया है.

मैंने अपने भविष्य के बारे में कोई समय सीमा तय नहीं की है : मेसी

ब्यूनस आयर्स। फीफा विश्व कप 2026 के लिए दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर में बोलिविया पर 6-0 की जीत के साथ अर्जेंटीना के लिए अपनी 10वीं अंतरराष्ट्रीय हैट्रिक लगाने के बाद लियोनेल मेसी ने कहा कि जब भी वह नेशनल टीम के लिए खेलते हैं, तो उन्हें एक बच्चे जैसा महसूस होता है. आठ बार के बैलन डी''ओर विजेता ने बोलिविया पर कॉनमेबोल विश्व कप क्वालीफाइंग जीत में अपनी हैट्रिक के अलावा दो असिस्ट भी दर्ज किए. मैच के बाद मेसी ने कहा, यहां आकर हमारे लिए लोगों का सपोर्ट महसूस करके बहुत अच्छा लग रहा है. जिस तरह से वे मेरा नाम पुकारते हैं, उससे मैं बहुत खुश हूं. हम सभी लोगों के साथ जुड़ाव का आनंद लेते हैं और हमें अर्जेंटीना में खेलना बहुत पसंद है.

अफ्रीकी कप ऑफ नेशंस के लिए युगांडा ने किया क्वालीफाई

एजेंसी। जुबा

युगांडा ने रोमांचक मुकाबले में दक्षिण सूडान को 2-1 से हराकर मोरक्को में होने वाले 2025 अफ्रीकी कप ऑफ नेशंस (एएफसीओएन) के लिए क्वालीफाई कर लिया है. युगांडा ने 11 अक्टूबर को कंपाला में हुए उलट मुकाबले में दक्षिण सूडान को 1-0 से हराया था. दक्षिण सूडान के मुख्य कोच निकोलस डुपुइस ने कहा कि युगांडा व्यक्तिगत मुकाबलों में बेहतर टीम थी, उन्होंने कहा कि मैच का फैसला करने में यह महत्वपूर्ण था. दक्षिण सूडान की राजधानी जुबा में एक ब्रीफिंग में डुपुइस ने कहा, हमारे लिए यह बहुत मुश्किल था क्योंकि युगांडा हमसे बेहतर था, इसलिए मुझे लगता है कि परिणाम सामान्य है. व्यक्तिगत रूप से वे बेहतर थे, लेकिन हमने कड़ी मेहनत की. यह पर्याप्त नहीं है लेकिन हमने एक अच्छी टीम के खिलाफ खेला.डुपुइस ने कहा कि उनकी टीम का ध्यान अब 25 अक्टूबर को टोटल एनर्जीज अफ्रीकन नेशंस चैंपियनशिप में केन्या के खिलाफ होने वाले आगामी मुकाबले पर केंद्रित है. युगांडा के मुख्य कोच पॉल जोसेफ पुट ने कहा कि उन्हें इस बात पर गर्व है कि उनकी टीम ने मैच की शुरुआत से लेकर अंत तक दबदबा बनाए रखा.

ब्रीफ खबरें

स्मार्ट मीटर के विरोध में कांग्रेस ने दिया धरना

भागलपुर । स्मार्ट मीटर के विरोध में भागलपुर के समाहरणालय चौक पर बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी के सदस्यों ने एक दिवसीय धरना दिया. धरना का नेतृत्व भागलपुर जिला कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष परवेज जमाल कर रहे थे. मौके पर जिलाध्यक्ष ने कहा कि स्मार्ट मीटर के अंदर अंबानी और अडानी का लोगो लगा हुआ है. इससे साफ जाहिर होता है कि यह स्मार्ट मीटर अंबानी और अडानी कंपनी के द्वारा ही सप्लाई किया जाता है. बिहार से बड़े राज्य में भी अभी स्मार्ट मीटर नहीं लगाया गया है लेकिन बिहार में स्मार्ट मीटर चालू है. इससे लोगों का शोषण हो रहा है.

तीन दिन बाद किया गया मगरमच्छ का रेस्क्यू

पूर्वी चंपारण । जिले अरेराज अनुमंडल क्षेत्र के गंडक दियरा से सटे पीपरा पंचायत में बीते तीन दिनों से हडकंप मचाये मगरमच्छ का बुधवार सुबह रेस्क्यू किया गया. बीते तीन दिन पूर्व आधी रात में अचानक गांव में मगरमच्छ के घुसने के बाद ग्रामीणों में दहशत का माहौल कायम था. हालांकि ग्रामीणों ने आग का लुक दिखाकर मगरमच्छ को खदेड़ना शुरू किया तो मगरमच्छ भाग कर जितवारपुर गांव स्थित एक पोखरा में प्रवेश कर गया. जिसके बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी. हालांकि वन विभाग पहुंचा और पोखरा से मगरमच्छ का रेस्क्यू करने में जुटा रहा. लेकिन मगरमच्छ नहीं मिला. जिससे ग्रामीणों में दहशत में व्याप्त रहा.

किशनगंज सांसद को जान से मारने की धमकी

किशनगंज । किशनगंज लोकसभा सीट से कांग्रेस सांसद मो. डा. जावेद आजाद को जान से मारने की धमकी मिली है. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 12 अक्टूबर को धमकी भरा पोस्ट किया गया है. इस मामले में अब सांसद के निजी सचिव ने दिल्ली स्थित पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन में 15 अक्टूबर को इस संबंध में आवेदन दिया है. सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर किए गए पोस्ट में लिखा गया है, मोहम्मद जावेद तू अल-कायदा का आतंकी है. तुम्हारे जैसे आतंकियों के लिए गिरिराज भईया ठीक बोलते हैं. इस देश में जितने भी दाढ़ी-टोपी और हिजाब वाला मदरसा छाप आतंकी है उनके लिए इस देश में कोई जगह नहीं है.

तरारी विस सीट से एसके सिंह होंगे जन सुराज के उम्मीदवार

प्रेस वार्ता के दौरान प्रशांत किशोर ने कहा- पूरी पार्टी इनके साथ है, तीन सीटों पर फैसला बाद में लिया जाएगा

संवाददाता । पटना

बिहार की चार विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है. चारों सीटों पर जन सुराज पार्टी लड़ेगी. बुधवार को घोषणा की गई कि तरारी विधानसभा सीट से रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल एसके सिंह उम्मीदवार होंगे. बाकी तीन सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा अभी नहीं की गई है. प्रेस कॉन्फ्रेंस कर नाम का ऐलान किया गया. इस दौरान जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर जीत का फॉर्मूला बताते हुए कहा कि एसके सिंह जनता के आशीर्वाद से तरारी सीट से जीतेंगे.

प्रत्याशी बनते ही एसके सिंह ने कहा कि मैं अग्निवीर योजना के पक्ष में नहीं हूं. इस पर पुनर्विचार करने की जरूरत है. इसमें सुधार करने की जरूरत है. इसमें जवान उस जज्बे से काम नहीं कर पाएंगे जैसे पहले करते थे. उनसे पूछा गया था कि इस योजना पर आपकी क्या राय है. इस मौके पर मौजूद प्रशांत किशोर ने कहा कि रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल एसके सिंह बिहार के लाल हैं. उनसे बेहतर तरारी का लाल कोई नहीं हो सकता है. अगर आपकी नजर में कोई है तो खोज कर दिखा दीजिए. उनकी पत्नी नहीं, दो बच्चे विदेश में रहते हैं. दिल्ली में सब सुख-सुविधा इनके पास है. सब छोड़कर तरारी आए हैं ताकि जनता की सेवा कर सकें.

मेरी पूरी ताकत इनके साथ है : प्रशांत किशोर ने कहा कि मेरी पूरी ताकत इनके साथ है. पीके से पूछा गया कि रिटायर्ड लोगों पर ही आप भरोसा जता रहे. युवाओं को मौका क्यों नहीं दे रहे हैं? इस पर उन्होंने कहा कि यह तपे तपाए सोना हैं. हर परिस्थिति का सामना कर चुके हैं. अन्य तीन सीटों पर भी उम्मीदवारों के नाम का ऐलान 2-3 दिन में करेंगे. युवाओं को भी मौका देंगे. पीके ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हम चाहते तो राज्यसभा जा सकते थे, लेकिन नया बिहार बनाने के लिए अपनी मिट्टी बिहार में आकर काम कर रहे हैं. इस सवाल पर कि बिहार में स्थापित पार्टियों के तिलिस्म को कैसे तोड़िएगा? इस पर कहा कि 23 नवंबर को उप चुनाव के नतीजे आएंगे. आप लोग और हम भी यहीं रहेंगे. देखिएगा कैसे तिलिस्म तोड़ेंगे. बिहार में बीजेपी का भविष्य अंधकार में है. इस सवाल पर कि 2025 में विधानसभा चुनाव है. उससे पहले इसी साल चार सीटों पर उपचुनाव है. सेमी फाइनल मानते हैं? पीके ने कहा कि यह उपचुनाव ही फाइनल सेमी फाइनल सब है. जो हारा वह गया.

विस चुनाव को देखते हुए तेजस्वी ने रद्द की दूसरे चरण की यात्रा

संवाददाता । पटना

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने अपने दूसरे चरण की यात्रा को रद्द करने का फैसला कर लिया है. बुधवार से ही उन्होंने दूसरे चरण की यात्रा की शुरुआत बांका से की है. इस बीच बड़ी जानकारी सामने आई है कि वे अब आगे की यात्रा नहीं करेंगे. इसे बीच में उन्होंने रोकने का फैसला किया है. आरजेडी की ओर से भी इसकी जानकारी दी गई है. बताया जा रहा है कि झारखंड में विस का चुनाव है जबकि बिहार में भी चार सीटों पर उपचुनाव होने वाला है. इसी को देखते हुए तेजस्वी यादव का 'कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम' में अब संशोधन किया गया है. आरजेडी प्रवक्ता चितरंजन गगन ने बताया कि 16 से 26 अक्टूबर तक के घोषित कार्यक्रम में केवल 16 अक्टूबर और 17 अक्टूबर का कार्यक्रम पहले की तरह जारी रहेगा. 18 से 26 अक्टूबर तक का जो कार्यक्रम था उसे तत्काल स्थगित कर दिया गया है.

बताया गया कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव बुधवार को बांका में आयोजित 'कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम' में शामिल हो रहे हैं. आज जमुई में आयोजित 'कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम'' भी होगा. इसके बाद आगे वाला कार्यक्रम फिलहाल नहीं होगा. आरजेडी प्रवक्ता ने बताया कि बिहार के उपचुनाव के साथ ही झारखंड में होने जा रहे चुनाव में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की व्यस्तता को देखते हुए कार्यक्रम में संशोधन किया गया है.

बिहार में जहरीली शराब ने फिर बरपाया कहर

छपरा में एक की जान गई, दो की हालत गंभीर, कई भर्ती

संवाददाता । पटना

मरने वाले आठ लोगों के नाम आये सामने

बिहार में जहरीली शराब कांड फिर भीषण रूप में सामने आया है. सारण में एक की मौत और दो के गंभीर होने की पुष्टि हुई, जबकि सीवान में मरने वाले सात लोगों का नाम सामने आ चुका है. सीवान के ही एक मृतक के ग्रामीण ने 15-16 लोगों की मौत की बात कही है. प्रशासन की ओर से पुष्टि के बाद मौत का आंकड़ा स्पष्ट हो सकेगा.

मरने वालों में कौड़िया वैश्य टोला के अरविंद सिंह (40), रामेंद्र सिंह (30), माघर पोखरा के संतोष महतो उम्र (35), मुन्ना (32), बृज मोहन सिंह और दिनेश राम शामिल है. वहीं सीवान के भगवानपुर हाट थाने के माघर निवासी गंगा साह के पुत्र मोहन साह की पीएमसीएच पटना के जाने के क्रम में रास्ते में मौत हो गई है. इधर, ग्रामीणों ने पुलिस के डर से कुछ शवों का अंतिम संस्कार कर दिया गया है. वहीं, सारण में घटना मशरक थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर गांव में हुई है, जो सीवान जिले के भगवानपुर हाट और सारण जिले के मशरक थाना क्षेत्र की सीमा पर है. जहरीली शराब पीने से मशरख थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर गांव निवासी लतीफ मियां के 30 वर्षीय पुत्र इस्लामुद्दीन अंसारी की मौत हुई है. आलम अंसारी के 29 वर्षीय पुत्र मुमताज अंसारी और रियाज अंसारी के 18 वर्षीय पुत्र शमशाद अंसारी का इलाज चल रहा है. दोनों युवकों से पुलिस शराब के मंगाने, पीने और बीमार होने तक के बारे में पूछताछ कर रही है.

सीवान में छह मृतकों का नाम सामने आया : सीवान में भगवानपुर थाना क्षेत्र के दो गांव मगरी और बाइस कट्ठा गांव में कई लोगों की मौत की जानकारी आ रही है. जहरीली शराब पीने से हुई मौतों की पुष्टि प्रशासनिक स्तर पर नहीं हुई है, लेकिन मृतकों के यह नाम सामने आए हैं कौड़िया वैश्य टोला के अरविंद सिंह 40 वर्ष, रामेंद्र सिंह 30 वर्ष, माघर पोखरा के संतोष महतो उम्र 35 वर्ष, मुन्ना 32, बृज मोहन सिंह, भगवानपुर हाट थाने के माघर निवासी गंगा साह के पुत्र मोहन साह.

मिलावटी शराब की बात जिला प्रशासन ने मानी : सारण जिला प्रशासन की ओर से जारी बयान के अनुसार सारण जिले के मसरक थाना क्षेत्र अंतर्गत मिलावटी शराब पीने से इब्राहिमपुर गांव के एक व्यक्ति की संदिग्ध हालत में मृत्यु होने की सूचना मिली है. दो अन्य व्यक्तियों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मशरक के चिकित्सक कर रहे हैं. पुलिस टीम एक व्यक्ति की संदिग्ध मौत के संबंध में जांच कर रही है. मशरक स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उक्त दोनों युवकों को छपरा स्थित सदर अस्पताल रेफर कर दिया है. साथ ही नियमों का पालन करते हुए अन्य कार्यवाही की जा रही है.

हथियार व कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण । जिले के छतौनी थाना पुलिस ने हथियार और जिंदा कारतूस के साथ एक अपराधी को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार बदमाश थाना क्षेत्र के भवानीपुर जिरात मोहल्ला निवासी आदित्य कुमार है. उसके पास से एक देसी पिस्टल, चार कारतूस बरामद किया गया है. उक्त जानकारी देते छतौनी थानाध्यक्ष धनंजय कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना पर भवानीपुर जिरात स्थित स्टेडियम के भीतर से उक्त अपराधी को हथियार लेकर घूमते हुए गिरफ्तार किया गया. गिरफ्तार अपराधी आदित्य ने पूछताछ में कई अहम खुलासा किया है.

लूटकांड का आरोपी दो कारतूस के साथ धराया

फारबिसगंज । अररिया के भरगामा पुलिस ने मधेपुरा जिला के श्रीनगर थानाक्षेत्र के लक्ष्मीपुर भगवती वार्ड संख्या 10 से मास्टरमाइंड मो एजाज उर्फ चुन्ना को एक देसी कट्टा एवं दो कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है. फारबिसगंज एसडीपीओ मुकेश कुमार साह ने बताया कि गुप्त सूचना मिलने पर एक टीम का गठन किया गया और पुलिस ने नाटकीय अंदाज में आर्म्स एक्ट व लूटकांड के मास्टरमाइंड मो एजाज उर्फ चुन्ना को गिरफ्तार कर लिया. उन्होंने बताया कि मो एजाज भरगामा थाने में दर्ज चार मामलों के अभियुक्त है.

सनकी युवक ने अधेड़ का प्राइवेट पार्ट ही काट डाला

गया । गया में एक सनकी युवक ने एक शख्स का प्राइवेट पार्ट काट दिया. आनन-फानन में घायल अधेड़ शख्स को इलाज के लिए पहले सीएचसी में भर्ती कराया गया. इसके बाद यहां से रेफर एएनएमएमसीएच में भर्ती कराया गया. यह पूरा मामला बेलागंज थाना क्षेत्र का है. बेलागंज थाना क्षेत्र के सिंदानी गांव में हुई. पीड़ित व्यक्ति ने बेलागंज थाने में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन दिया है. हालांकि युवक मौके से फरार हो गया. लोगों का कहना है कि सनकी युवक हमेशा ग्रामीणों के साथ मारपीट करता है.

नवादा में हाइवा-स्कॉर्पियो की सीधी टक्कर

एक ही परिवार के 8 घायल, एक की मौत

संवाददाता । नवादा

जिले में रजौली थानाक्षेत्र के हरदिया सेक्टर-ए स्थित सुगा होटल के समीप राष्ट्रीय राज्यमार्ग-20 पर बुधवार को हाइवा और स्कॉर्पियो में भीषण टक्कर हो गई. जिसमें एक व्यक्ति की मौत घटनास्थल पर ही हो गई और स्कॉर्पियो में सवार एक ही परिवार के आठ अन्य सदस्य बुरी तरह से घायल हो गए. घायलों को इलाज के लिए अनुमंडलीय रजौली अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद चिंताजनक हालत में छह लोगों को बेहतर इलाज के लिए पावापुरी स्थिति विम्स रेफर कर दिया गया. मृतक की पहचान पटना जिले के बख्तियारपुर थानाक्षेत्र के घनसुपुर निवासी शनिचर महतो के (60 वर्षीय) पुत्र राजेंद्र महतो के रूप में की गई है. घायलों में बख्तियारपुर निवासी बिपिन कुमार, संजय राउत, दीपक कुमार, चंदन कुमार, दीपक कुमार और अभिषेक कुमार, अवधेश कुमार और पवन कुमार शामिल है.

घटना की सूचना के बाद रजौली थानाध्यक्ष राजेश कुमार दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और सभी घायलों को ग्रामीणों के सहयोग से इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया. वहीं शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नवादा भेज दिया.

प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो हाईवा ट्रक और स्कॉर्पियो में टक्कर इतनी जबरदस्त थी की स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए. स्कॉर्पियो हाईवे ट्रक में फस गया है. जिसे हाइवा ट्रक चालक ने भागने के दौरान लगभग 100 मीटर तक स्कॉर्पियो को घसीटता रहा.

कारोबार

भारत का कॉफी निर्यात 55 प्रतिशत बढ़ गया

नयी दिल्ली । भारत का कॉफी निर्यात चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में सालाना आधार पर 55 प्रतिशत बढ़कर 7,771.88 करोड़ रुपये हो गया है, यह पिछले वित्त वर्ष की सामन अवधि में 4,956 करोड़ रुपये पर था. इसमें बढ़त की वजह दुनिया में भारतीय कॉफी की मांग में इजाफा होना है. कॉफी बोर्ड ऑफ इंडिया की ओर से जारी किए गए डेटा में बताया गया कि अप्रैल से सितंबर की अवधि में भारत द्वारा 2.2 लाख टन कॉफी का निर्यात किया गया है. बीते वित्त वर्ष की समान अवधि में यह आंकड़ा 1.91 लाख टन था.

बीईएमएल बनाएगी पहली स्वदेशी बुलेट ट्रेन

नयी दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की पब्लिक सेक्टर कंपनी बीईएमएल लिमिटेड देश में ही भारत का पहला स्वदेशी बुलेट ट्रेन बनाने वाली है. बीईएमएल को दो हाई स्पीड ट्रेन सेट्स बनाने का कॉन्ट्रैक्ट मिला है. चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री ने इस सरकारी कंपनी को दो बुलेट ट्रेन की डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग, और स्टॉक एक्सचेंजों के पास दाखिल किए गए रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, चेन्नई से उसे दो हाई-स्पीड ट्रेनसेट्स की मैन्युफैक्चरिंग के लिए आर्डर मिला है.

एनसीएलएटी के खिलाफ फैसला सुरक्षित रखा

नयी दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और अन्य की उस याचिका पर अपना फैसला बुधवार को सुरक्षित रख लिया जिसमें राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के आदेश को चुनौती दी गई थी. एनसीएलएटी ने बंद पड़ी विमानन कंपनी जेट एयरवेज की समाधान योजना को बरकरार रखते हुए इसका स्वामित्व जालान कलरॉक गठजोड़ (जेकेसी) को हस्तांतरित करने को मंजूरी दी थी. भारत के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने फैसला सुरक्षित रखने से पहले दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं.

बुधवार को आई रिपोर्ट : सामने आयीं कई जानकारियां

जेन जेड आबादी 1.8 ट्रिलियन डॉलर करेगी खर्च

एजेंसी । नयी दिल्ली

भारत को एक युवा राष्ट्र माना जाता है. देश की 377 मिलियन आबादी जनरेशन जेड से आती है. जनरेशन जेड देश की कंजप्शन ग्रोथ को लेकर एक बड़े योगदानकर्ता होंगे. बुधवार को आई एक रिपोर्ट के अनुसार, जेन जेड 2025 तक 1.8 ट्रिलियन डॉलर का प्रत्यक्ष खर्च लाने में सक्षम होंगे. बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) के साथ साझेदारी में स्नैप इंक की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में, जनरेशन जेड का प्रत्यक्ष खर्च 250 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा. इस समय तक हर दूसरा जनरेशन जेड कमाई कर रहा होगा. जेन जेड की सामूहिक व्यय क्षमता 860 बिलियन डॉलर तक पहुंच गई है, जो 2035 तक 2 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ जाएगी.

जनरेशन जेड, मिलेनियल्स के बराबर ही खरीदारी करता है. वे अपने खर्च पर 1.5 गुना ज्यादा रिसर्च करते हैं. स्नैप इंक के भारत में प्रबंध निदेशक पुलकित त्रिवेदी ने कहा, "भारत एक युवा राष्ट्र है, जिसकी 377 मिलियन जनरेशन जेड आबादी है, जो अगले दो दशकों में भारत के

विकास के भविष्य को आकार देगी. जेन जेड को सेवा देने वाले प्लेटफॉर्म के रूप में हम ब्रांड और बिजनेस के साथ काम करने को तैयार हैं." लगभग 45 प्रतिशत व्यवसाय जनरेशन जेड की क्षमता को पहचानते हैं, लेकिन केवल 15 प्रतिशत ही सक्रिय रूप से उन्हें संबोधित करने के लिए कार्रवाई करते हैं, जो एक बड़े अवसर का संकेत देता है.

स्नैपचैट के डेली एक्टिव यूजर्स में 90 प्रतिशत की आयु 13-34 वर्ष है, जिससे पता चलता है कि यह प्लेटफॉर्म भारत में युवाओं का लोकप्रिय मंच बन गया है. बीसीजी इंडिया की सीनियर पार्टनर और मैनेजिंग डायरेक्टर निमिषा जैन ने कहा, जनरेशन जेड पहले से ही भारत के उपभोक्ता खर्च का 43 प्रतिशत हिस्सा चला रही है.

फोटो सेशन

मुंबईः अभिनेत्री राधिका मदान व अनन्या पांडे मुंबई में फिल्म सीटीआरएल की सफलता पार्टी में शामिल हुईं.

इलेक्ट्रिक फ्लाइंग टैक्सियों के जरिए भारत में क्रांति लाएगा सरला एविएशन

नई दिल्ली । भारत में ट्रैफिक एक बड़ी समस्या है. इस समस्या से निजात दिलाने के लिए सरला एविएशन अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक-ऑफ और लैंडिंग (ईवीटीओएल) विमान विकसित करने पर काम कर रहा है, जो शहरी यातायात परिवर्तन के लिए एक क्रांतिकारी कदम साबित होगा. एड्रियन शिमट द्वारा सह-संस्थापक कंपनी का उद्देश्य बेंगलुरु, मुंबई, दिल्ली और पुणे सहित भारत के सबसे भीड़भाड़ वाले शहरों में तेज, स्वच्छ और अधिक कुशल परिवहन प्रदान करना है. सरला एविएशन की प्रमुख पहल में सात सीटों वाली इलेक्ट्रिक फ्लाइंग टैक्सियां शामिल हैं, जो यात्रा के समय में कटौती का वादा करती हैं. उदाहरण के तौर पर बेंगलुरु एयरपोर्ट से इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी तक की यात्रा में आमतौर पर सड़क मार्ग से 150 मिनट से अधिक का समय लगता है.

शीर्ष 30 में से 19 बड़े आईपीओ रिटर्न देने में असफल

मुंबई । देश के शीर्ष 30 बड़े आईपीओ में से 19 ने सीएनएक्स 500 इंडेक्स से कम रिटर्न दिया है. बुधवार को आई एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई. वेल्थ मैनेजमेंट फर्म कैपिटलमाइंड फाइनेंसियल सर्विसेज की रिपोर्ट में जानकारी दी गई कि देश में अब तक आए बड़े 30 में से आठ बड़े आईपीओ ने नकारात्मक रिटर्न दिया है. हाई-प्रोफाइल आईपीओ में रिलायंस पावर ने निवेशकों को सबसे ज्यादा नकारात्मक रिटर्न दिया है. यह अपने समय का सबसे बड़ा आईपीओ था. शीर्ष 10 आईपीओ में केवल दो आईपीओ ने सीएनएक्स500 से ज्यादा रिटर्न दिया है. कोल इंडिया का शेयर पिछले 14 वर्षों में दोगुना हुआ है. अगर इसके द्वारा दिए गए डिविडेंड को मिला दिया जाए तो कोल इंडिया ने इंडेक्स के बराबर रिटर्न दिया है. रिपोर्ट में आगे कहा गया कि शीर्ष 10 में से जोमैटो ही निवेशकों को शानदान रिटर्न दे पाया है. इसके बाद शीर्ष 30 बड़े आईपीओ में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स, इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन, सोना बीएलडब्ल्यू प्रिसिजन फोर्जिंग्स और आईसीआईसीआई लोम्बार्ड ने भी निवेशकों को इंडेक्स से अच्छा रिटर्न दिया है. रिपोर्ट में आगे बताया गया कि बीते दो वर्षों में आए 10 सबसे बड़े आईपीओ में बजाज हाउसिंग फाइनेंस, भारती हैक्साकॉम और ब्रेनबीज (फर्स्ट क्राई) ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है. सर्च हेड अनूप विजयकुमार कहना है कि तेज के बाजारों के अंतिम चरण में बड़े आईपीओ देखने को मिलते हैं.

भारत में दूसरी तिमाही में दोपहिया वाहनों की बिक्री बढ़ी

एजेंसी । नयी दिल्ली

इस वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में दोपहिया और तिपहिया वाहनों की बिक्री में वृद्धि दर्ज हुई है. बुधवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, दूसरी तिमाही में सालाना आधार पर दोपहिया वाहनों की बिक्री में मजबूत दोहरे अंकों की वृद्धि देखी गई. दूसरी ओर, तिपहिया वाहनों की बिक्री में एक अंक में वृद्धि दर्ज हुई. थोक मात्रा का रुझान मिश्रित रहा. जुलाई से सितंबर के बीच, ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स (ओईएम) के राजस्व और मुनाफे में अलग-अलग वृद्धि हुई.

दोपहिया वाहनों ने अन्य वाहनों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया. बीएनपी पारिबा इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, हम अभी भी सेक्टर की अनुकूल परिस्थितियों को देखते हुए यात्री वाहनों (पीवी) के प्रति दीर्घकालिक रूप से सकारात्मक हैं और वाणिज्यिक वाहनों (सीवी) में कमजोरी को एक अस्थायी बाधा के रूप में देखते हैं. यात्री वाहनों की मात्रा में मामूली गिरावट आई और वाणिज्यिक वाहनों की मात्रा भी कमजोर रही, जो लम्बे समय तक मानसून रहने और बुनियादी ढांचे की गतिविधियों में मंदी के कारण प्रभावित हुई. होंडा मोटरसाइकिल ने दोपहिया में सबसे अधिक बाजार हिस्सेदारी (खुदरा) हासिल की, जबकि हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड ने

वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में सबसे अधिक नुकसान उठाया. यात्री वाहनों में, महिंद्रा एंड महिंद्रा ने सबसे अधिक बाजार हिस्सेदारी हासिल की, जबकि मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड और हुंडई को नुकसान हुआ.

रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में दो पहियों वाले वाहन की बिक्री में तेजी से वृद्धि होने की उम्मीद है, जबकि महिंद्रा को छोड़कर यात्री वाहनों की बिक्री में थोड़ी कमी आ सकती है. यात्री वाहन इन्वेंट्री के उच्च स्तर, बढ़ती छूट और त्योहारी मांग को लेकर नजर रखना महत्वपूर्ण होगा. रिपोर्ट में कहा गया है, वैश्विक स्तर पर कमजोर होती ऑटो मांग को देखते हुए, अब हम जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) द्वारा अपने वित्त वर्ष 2025 के मार्गदर्शन में कटौती करने का जोखिम देखते हैं.

बाजार

आईटी ऑटो शेयरों ने बिगाड़ा बाजार का मूड, सेंसेक्स-निफ्टी गिरावट के साथ हुआ बंद

निवेशकों को लगा 80,000 करोड़ रुपये का झटका

- बीएसई सेंसेक्स 319 अंकों की गिरावट के साथ 81,501 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 86 अंकों की गिरावट के साथ 24,971 अंकों पर बंद हुआ
- निफ्टी के 50 शेयरों में 16 तेजी के साथ और 34 गिरावट के साथ बंद हुए

एजेंसी । मुंबई

निवेशकों की मुनाफावसूली के चलते भारतीय शेयर बाजार बुधवार के कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ बंद हुआ है. बैंकिंग, आईटी और ऑटो शेयरों में गिरावट के चलते बाजार में ये बिकवाली आई है. मिडकैप शेयरों में भी सत्र में गिरावट दर्ज की गई. बाजार बंद होने पर बीएसई सेंसेक्स 319 अंकों की गिरावट के साथ 81,501 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 86 अंकों की गिरावट के साथ 24,971 अंकों पर बंद हुआ है. सेंसेक्स के 30 शेयरों में केवल 5 शेयर तेजी के साथ बंद हुए. 25 स्टॉक्स गिरकर बंद हुए. निफ्टी के 50 शेयरों में 16 तेजी के साथ और 34 गिरावट के साथ बंद हुए. बीएसई पर कुल 4068 शेयरों में ट्रेडिंग हुई जिसमें 2023 तेजी के साथ और 1940 स्टॉक्स गिरावट के साथ बंद हुए. 105 शेयरों के भाव में कोई बदलाव नहीं देखने को मिला है. तेजी वाले शेयरों में एचडीएफसी लाइफ 1.79 फीसदी, डॉ रेड्डी 1.34 फीसदी, ग्रासिम 1.05 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.97 फीसदी, बजाज ऑटो 0.88 फीसदी, भारती एयरटेल 0.86 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुए. गिरने वाले शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.76 फीसदी, इंफोसिस 2.05 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 1.39 फीसदी, अडानी पोर्ट्स 1.21 फीसदी, टाटा मोटर्स 1.19 फीसदी, आईटीसी 1.11 फीसदी, टाइटन 1.06 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है. वहीं बुधवार के कारोबार में जिन सेक्टर्स के शेयरों में तेजी रही उसमें एनर्जी, ऑयल एंड गैस, इंफ्रा, रियल एस्टेट शामिल है. जबकि आईटी, ऑटो, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल्स, मीडिया, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और हेल्थकेयर सेक्टर के स्टॉक्स गिरावट के साथ बंद हुए. बुधवार के कारोबार में मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स में भी गिरावट रही.

निवेशकों को लगा 80000 करोड़ रुपये का झटका : बाजार में गिरावट के चलते बुधवार के कारोबारी सत्र में निवेशकों को नुकसान हुआ है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 463.06 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ है जबकि पिछले सत्र में ये 463.86 लाख करोड़ रुपये रहा था. यानि बुधवार के सेशन में 80000 करोड़ रुपये मार्केट कैप में कमी आई है.

न्यूज अपडेट

अमेरिका ने दी इजराइल को चेतावनी

वाशिंगटन। अमेरिका ने इजराइल से अगले 30 दिनों के भीतर गाजा में मानवीय सहायता को बढ़ाने के लिए कहा है. ऐसा नहीं होने पर अमेरिकी मदद रोके जाने की चेतावनी दी है. इस संबंध में अमेरिकी विदेश और रक्षा सचिवों ने पिछले सप्ताह एक पत्र पर सह-हस्ताक्षर किए जो उनके इजराइली समकक्षों को भेजा गया. मंगलवार को एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान, विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन द्वारा पत्र पर हस्ताक्षर करने की पुष्टि की.

इजराइली एयर स्ट्राइक एक युद्ध अपराध

तेहरान। ईरान ने मध्य गाजा पट्टी में एक हॉस्पिटल कैंपस के पास विस्थापित लोगों के टेंट कैंप पर इजराइल की घातक एयर स्ट्राइक की कड़ी निंदा की और इस हमले को 'युद्ध अपराध' करार दिया. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने कहा कि आग लगाने वाले बम का इस्तेमाल करके, हमला करना 'युद्ध अपराध' का पूर्ण उदाहरण है. एयर स्ट्राइक फिलिस्तीनियों के खिलाफ 'नरसंहार की साजिश' का हिस्सा है. नागरिकों, अस्पतालों, राहत और चिकित्सा केंद्रों को निशाना बनाना प्रतिबंधित है.

इसराइल ने फिर किया बेरूत पर हमला

बेरूत। पांच दिनों के बाद इसराइली सेना ने एक बार फिर से लेबनान की राजधानी बेरूत पर हमले किए हैं. वहीं दक्षिण लेबनान के नबातिह शहर में हुए इसराइली हमले में पांच लोगों की मौत हुई है. मारे गए लोगों में नबातिह के मेयर भी शामिल हैं. मंगलवार को दी गई चेतावनी के बाद इसराइली सेना ने बेरूत के दक्षिणी इलाकों पर हवाई हमला किया. इससे पहले लेबनान ने कहा था कि हाल ही में किए गए हमलों में दक्षिणी इलाकों में कई लोगों की मौत हुई है.

प्रवासियों से भरी नाव डूबने से 4 की मौत

एथेंस। एजियन सागर में ग्रीक आइलैंड 'कोस' के तट के पास प्रवासियों की एक नाव के डूब जाने से चार लोगों की मौत हो गई. पीड़ितों में दो महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं. हेलेनिक तटरक्षक बल ने 26 लोगों को बचा लिया है. बता दें कि साल 2015 से ग्रीस, यूरोपीय संघ के देशों में प्रवेश के लिए शरणार्थियों और प्रवासियों के लिए मुख्य एंट्री प्वाइंट रहा है. ग्रीस उन देशों में से एक है, जहां गरीबी या युद्ध से परेशान अफ्रीका, एशिया और मध्य पूर्व के देशों के लोग यूरोपीय संघ में प्रवेश करने के इरादे से पहुंचते हैं.

मेक्सिको में मेयर की चाकू मारकर हत्या

मेक्सिको सिटी। दक्षिण मेक्सिको के ओक्साका राज्य के एक छोटे शहर के मेयर की 'पारस्परिक' संघर्ष के कारण चाकू मारकर हत्या कर दी गई है. रिपोर्ट के अनुसार, देश में 10 दिनों से भी कम समय में यह दूसरे मेयर की हत्या की गई है. इससे पहले, दक्षिणी गुएरेरो राज्य की राजधानी चिलपानसिंगो के मेयर एलेजांद्रो आर्कोस की 6 अक्टूबर को पदभार ग्रहण करने के कुछ ही दिनों बाद हत्या कर दी गई थी. कैंडेलारिया लोक्सिचा शहर के मेयर रोमन रुइज की 'पारस्परिक' संघर्ष के कारण हत्या कर दी गई है.

कमलनाथ राष्ट्रीय राजनीति में होंगे सक्रिय

भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ बीते कुछ समय से राजनीतिक तौर पर कम सक्रिय हैं मगर अब उनके फिर से राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय होने के आसार बन रहे हैं. यह अनुमान राहुल गांधी से उनकी दिल्ली में हुई मुलाकात के आधार पर लगाए जा रहे हैं. कमलनाथ ने वर्ष 2018 में राष्ट्रीय राजनीति से मध्य प्रदेश की ओर रुख किया था. उसके बाद हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने सत्ता हासिल की थी. बाद में आपसी खींचतान के चलते सत्ता हाथ से खिसक गई.

बहराइच मामले में हुईं 50 गिरफ्तारियां

बहराइच। बहराइच मामले पर जिला मजिस्ट्रेट मोनिका रानी ने बताया कि पुलिस ने 50 से ज्यादा गिरफ्तारियां की हैं और आगे भी कार्रवाई की जाएगी. घटना के बाद पूरा क्षेत्र सेक्टर और जोन में बांटा गया है. पुलिस के अधिकारी और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी लगातार क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं. अधिकारियों की डबल शिफ्ट में ड्यूटी लगी हुई है और इलाके की पूरी निगरानी रखी जा रही है. वहीं राम गोपाल मिश्रा की मौत के बारे में सीएमओ ने बताया कि 25-30 छर्रों के कारण बहुत ज्यादा रक्तस्राव हुआ.

नाइजीरिया में बड़ा हादसा, 94 की मौत

अबूजा। नाइजीरिया के उत्तरी राज्य जिगावा के मजिया शहर में बीती रात तेल से भरा एक टैंकर फटने से 94 लोगों की मौत हो गई है. यह घटना उस वक्त हुई जब लोगों की भीड़ एक हादसे के बाद टैंकर से लीक हो रहे तेल को लूटने पहुंचे थे. पुलिस ने बताया कि तेल से भरा टैंकर पलट गया था और उसमें आग लगने की वजह से कम से कम 94 लोगों की जलकर मौत हो गई है. धमाके में 50 अन्य लोग घायल भी हुए हैं, जिन्हें जिगावा राज्य के रिनगिम शहर के नजदीकी अस्पताल में भर्ती किया गया है.

टीएमसी नेता की गोली मारकर हत्या

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बहरमपुर में एक स्थानीय तृणमूल कांग्रेस नेता की गोली मारकर हत्या के बाद तनाव फैल गया है. मृतक की पहचान प्रदीप दत्ता के रूप में हुई है. दत्ता जब सुबह की सैर पर निकले थे, तभी अज्ञात हमलावरों ने उन पर गोलियां चलाई. पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमलावरों ने दत्ता पर नजदीक से सात गोलियां चलाई. गोली चलने की आवाज सुनकर स्थानीय लोग अपने घर से बाहर निकले और देखा कि दत्ता का शरीर खून से लथपथ था.

एससीओ बैठक : भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इशारों-इशारों में पाकिस्तान को लगाई फटकार, कहा

आतंकवाद व व्यापार साथ-साथ संभव नहीं

एजेंसी। इस्लामाबाद

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को एससीओ काउंसिल की 23वीं बैठक में इशारों-इशारों में पाकिस्तान को फटकार लगाई और कहा कि आतंकवाद के साथ-साथ व्यापार की संभावना नहीं है. इससे पहले एससीओ शासनाध्यक्ष परिषद (सीएचजी) की 23वीं बैठक की शुरुआत मंगलवार शाम को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की ओर से दिए गए वेलकम डिनर के साथ हुई. यह 9 साल में किसी भारतीय विदेश मंत्री की पहली पाकिस्तान यात्रा है. पूर्व विदेश मंत्री स्व. सुषमा स्वराज ने अफगानिस्तान पर एक सुरक्षा सम्मेलन में भाग लेने के लिए 2015 में इस्लामाबाद का दौरा किया था.

जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद, चरमपंथ और अलगाववाद 'तीन बुराइयां' हैं, जिनका समाधान नहीं किया गया तो सहयोग और एकीकरण का फायदा हासिल नहीं हो सकेगा. यदि सीमा पार से आतंकवाद, चरमपंथ और अलगाववाद जैसी गतिविधियां होती हैं, तो इनसे व्यापार, ऊर्जा प्रवाह, संपर्क और लोगों के बीच संपर्क को बढ़ावा मिलने की संभावना नहीं है. उन्होंने इशारों-इशारों में पाकिस्तान को 'अच्छे पड़ोसी' होने का महत्व समझाया. उन्होंने कहा कि यदि विश्वास की कमी है या सहयोग नाकाफी है, अगर दोस्ती में कमी आई है और अच्छे पड़ोसी होने की भावना कहीं गायब है, तो निश्चित रूप से आत्मनिरीक्षण करने और इन समस्याओं का समाधान खोजने की जरूरत है. शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के समक्ष चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि इसका मकसद आपसी विश्वास, मित्रता और अच्छे पड़ोसी संबंधों को मजबूत करना, बहुआयामी सहयोग, विशेष रूप से क्षेत्रीय प्रकृति के सहयोग को विकसित करना है. संगठन का लक्ष्य संतुलित विकास, एकीकरण और संघर्ष की रोकथाम के मामले में एक सकारात्मक शक्ति बनना है. चार्टर में यह भी स्पष्ट है कि मुख्य चुनौतियां क्या हैं. ये मुख्य रूप से तीन हैं, जिनका मुकाबला करने के लिए एससीओ प्रतिबद्ध है, ये हैं - आतंकवाद; अलगाववाद; चरमपंथ. इससे पहले जयशंकर ने पाकिस्तान स्थित इंडियन हाई कमीशन कैंपस में सुबह की सैर की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को बढ़ावा देते हुए एक पौधा लगाया.

इस्लामाबाद में बुधवार को एससीओ की बैठक में भाग लेने पहुंचे विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तानी प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ से हाथ मिलाया. -एजेंसी

शहबाज की कश्मीर पर चुप्पी, साथ काम करने की गुहार

एजेंसी। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बुधवार को इस्लामाबाद में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शासनाध्यक्षों की परिषद (सीएचजी) की बैठक का समापन करते हुए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से इजरायल-गाजा संघर्ष पर तत्काल ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया. दिलचस्प बात यह है कि जिन्ना कन्वेंशन सेंटर में रूस को अध्यक्षता सौंपते समय शरीफ ने कश्मीर मुद्दे का जिक्र करने से परहेज किया, जो कि भारत-पाकिस्तान के बीच लंबे समय से तनाव की वजह रहा है. कश्मीर मुद्दा कई बार इस्लामाबाद के आधिकारिक बयानों का हिस्सा रहा है.

अपने समापन भाषण में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने राजनीतिक मतभेदों और विभाजनों पर सहयोग को प्राथमिकता देने की अपील की. उन्होंने कहा कि आइए हम राजनीतिक मतभेदों और विभाजनों पर सहयोग को प्राथमिकता दें. अपनी उपलब्धियों पर निर्माण करें, साझा चुनौतियों का समाधान करें, और यह सुनिश्चित करने के लिए हाथ से हाथ मिलाकर काम करें कि एससीओ हमारे लोगों के लिए स्थिरता, विकास और पारस्परिक लाभ का प्रतीक बना रहे. इसके बाद उन्होंने इजरायल और फिलिस्तीन के बीच चल रहे संघर्ष का जिक्र किया. उन्होंने कहा कि हम गाजा में चल रहे नरसंहार को नजरअंदाज नहीं कर सकते. अंतरराष्ट्रीय समुदाय की जिम्मेदारी है कि वह तत्काल और बिना शर्त युद्ध विराम सुनिश्चित करे, जिससे 1967 से पहले की सीमाओं के आधार पर फिलिस्तीन राज्य की स्थापना हो सके, जिसकी राजधानी अल-कुद्स हो. वह भारत पर कोई भी बयान देने को लेकर काफी सतर्क दिखे. इससे पहले दिन में, उन्होंने आपसी लाभ के लिए सहयोग का आह्वान किया था, साथ ही आग्रह किया था कि चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) को राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए. हालांकि, ऐसी संभावना जताई जा रही है कि एससीओ बैठक में कश्मीर का उल्लेख न करने के शरीफ के फैसले की पाकिस्तान के भीतर उनके राजनीतिक विरोधियों द्वारा आलोचना की जा सकती है.

खास बातें

- इजरायल और गाजा संघर्ष पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान
- मतभेदों व विभाजनों पर सहयोग को प्राथमिकता देने की अपील

इस्लामाबाद में बोले एस जयशंकर, एससीओ को सुरक्षा परिषद में सुधार की करनी चाहिए वकालत

भारत ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के मंच से एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की अपनी मांग दोहराई, ताकि परिषद को बदलते वैश्विक परिदृश्य के अनुरूप ढाला जा सके. विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यहां बुधवार को एससीओ के राष्ट्राध्यक्षों की परिषद को संबोधित करते हुए कहा कि 'बहुराष्ट्रीय संगठनों में सुधार' की सख्त जरूरत है और एससीओ को इतने महत्वपूर्ण मुद्दे पर चुप बैठने की बजाय इस तरह के बदलावों की वकालत करने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए. उन्होंने कहा कि सुरक्षा परिषद को पुनर्गठित करने का समय आ गया है ताकि यह ज्यादा देशों का प्रतिनिधित्व कर सके, अधिक समावेशी, पारदर्शी, प्रभावी, लोकतांत्रिक और उत्तरदायी बन सके. स्थायी और गैर-स्थायी दोनों श्रेणियों में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में व्यापक सुधार की जरूरत है.

द्विपक्षीय वार्ता आवश्यक, लेकिन पहले आतंकवाद रोके पाकिस्तान : कर्ण सिंह

नयी दिल्ली। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में चल रहे शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के चेयरमैन बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच जलवायु परिवर्तन और आतंकवाद जैसे मुद्दों पर बातचीत होनी चाहिए. बिलावल भुट्टो के इस बयान का कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कर्ण सिंह ने स्वागत किया है. इसके साथ ही उन्होंने आतंकवाद खत्म करने की नसीहत भी दी. कर्ण सिंह ने कहा कि यह स्पष्ट है कि यदि पाकिस्तान भारत के साथ सकारात्मक संबंध बनाएगा, तो दोनों देशों को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी. हालांकि एक महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि जब तक पाकिस्तान आतंकवादी गतिविधियां समाप्त नहीं करता, तब तक बातचीत की कोई सार्थकता नहीं होगी. आतंकवाद के मुद्दे को सुलझाए बिना बातचीत आगे नहीं बढ़ सकती. मैं भी चाहता हूं कि पाकिस्तान के साथ अच्छे रिश्ते हों, क्योंकि पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना आवश्यक है. लेकिन आतंकवाद की समस्या इस प्रक्रिया को बाधित कर रही है. इसलिए मैं बिलावल भुट्टो से कहना चाहूंगा कि यदि वे आतंकवाद को समाप्त कर दें, तो भारत से बातचीत संभव हो सकती है. जम्मू-कश्मीर की नयी सरकार को कांग्रेस द्वारा बाहर से समर्थन देने पर कहा कि मुझे इस बात से खुशी है कि वहां चुनाव सफलतापूर्वक हुए. यह एक महत्वपूर्ण घटना है, क्योंकि यह पिछले दस वर्षों में पहली बार हुआ है.

वायु प्रदूषण पर पंजाब और हरियाणा सरकार को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

- शीर्ष अदालत ने जताई पराली जलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई न करने पर नाराजगी

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण की समस्या का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है. बुधवार को कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा सरकारों को फटकार लगाई है. सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा है कि पराली जलाने की घटनाओं के लिए दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई नहीं करने के लिए राज्य सरकार जिम्मेदार है. सुप्रीम कोर्ट ने दोनों राज्यों के मुख्य सचिवों को तलब किया है और उन्हें 23 अक्टूबर को अदालत में पेश होकर अपनी सफाई पेश करने के लिए कहा है.

कोर्ट ने कहा कि दोनों राज्य प्रदूषण की समस्या को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं. कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि पराली जलाने वाले लोगों पर मामूली जुर्माना लगाकर उन्हें छोड़ दिया जा रहा है. यही वजह है कि इस तरह की घटनाओं को रोकने में कोई मदद नहीं मिल रही है. कोर्ट ने आगे कहा कि यह कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है, इसे गंभीरता से लेने की आवश्यकता है. कोर्ट ने एयर क्वालिटी मैनेजमेंट कमीशन को निर्देश दिया है कि वह उन अधिकारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करें जो अदालत के निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं.

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर : उल्लेखनीय है कि दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है. एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) खतरे के निशान के पार पहुंच गया है. नोएडा ग्रेटर, नोएडा, गाजियाबाद और दिल्ली के कई ऐसे इलाके हैं जहां पर एक्यूआई 300 के आंकड़े को पार कर चुका है. स्थिति को देखते हुए दिल्ली सरकार ने एनसीआर में ग्रेडेड रिस्पांस सिस्टम यानी ग्रैप का पहला चरण लागू कर दिया है. ग्रैप के पहले चरण के तहत पूरे दिल्ली एनसीआर में आतिशबाजी, होटल रेस्टोरेंट में कोयला और लकड़ी जलाने के उपयोग पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी गई है. इसके साथ ही खुले में कूड़ा फेंकना और कचरा जलाना भी पूरी तरीके से प्रतिबंधित कर दिया गया है.

प्रधानमंत्री मोदी बने भाजपा के पहले सक्रिय सदस्य, अभियान हुआ शुरू

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को भाजपा के देशभर में चलाए जाने वाले सक्रिय सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया. पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और पार्टी द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रीय सदस्यता अभियान के संयोजक विनोद तावड़े की मौजूदगी में प्रधानमंत्री मोदी पार्टी के पहले सक्रिय सदस्य बने. इसी के साथ उन्होंने पार्टी के सक्रिय सदस्यता अभियान का शुभारंभ भी कर दिया.

मोदी ने स्वयं भाजपा के पहले सक्रिय सदस्य बनने की तस्वीरों को शेयर करते हुए एक्स पर लिखा कि विकसित भारत बनाने के हमारे प्रयास को गति प्रदान करते हुए भाजपा के कार्यकर्ता के रूप में हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा की उपस्थिति में आज प्रथम सक्रिय सदस्य बनने और सक्रिय सदस्यता अभियान का शुभारंभ करने पर गर्व है. यह एक आंदोलन है जो जमीनी स्तर पर हमारी पार्टी को और मजबूत करेगा. एक सक्रिय सदस्य बनने के लिए, एक कार्यकर्ता को एक बूथ पर या एक विधानसभा सीट पर 50 सदस्यों को पंजीकृत करना होगा. ऐसे कार्यकर्ता मंडल समिति और उससे ऊपर के लिए चुनाव लड़ने के पात्र होंगे. साथ ही आने वाले समय में उन्हें पार्टी के लिए काम करने के कई मौके मिलेंगे.

दक्षिण में भारी बारिश, कई इलाके जलमग्न

लगातार न्यूज नेटवर्क

दक्षिणी राज्यों में लगातार दूसरे दिन भी भारी बारिश जारी रही. तमिलनाडु में चेन्नई और आसपास के जिलों में कई इलाकों में पानी भरने के कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. लगातार हो रही बारिश से पूर्वोत्तर मानसून के आगमन का संकेत मिल रहा है.

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, भारी बारिश से अन्ना नगर, पश्चिम, कोलाथुर, पम्मल, पेरम्बूर और राज्य की राजधानी के अन्य हिस्सों में आवासीय क्षेत्र में घुटनों तक पानी भर गया है. वहीं वेंगाइवसल, कांचीपुरम और तिरुवल्लूर जिलों के कई हिस्सों में ट्रैफिक जाम की जानकारी सामने आई है. मौसम विभाग ने उत्तरी भागों और डेल्टा क्षेत्र के 12 जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की भविष्यवाणी की है. गुरुवार तक रानीपेट और वेल्लोर समेत अन्य उत्तरी जिलों में भी बारिश हो होने की संभावना है. चेन्नई और उसके पड़ोसी जिलों में गुरुवार को भी भारी बारिश हो सकती है. दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है. वहीं बेंगलुरु बुधवार को भारी बारिश से कई इलाकों में पानी भर गया. अधिकारियों ने प्रभावित निवासियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने के लिए दो ट्रैक्टरों की व्यवस्था की है. मौसम विभाग ने गुरुवार को भी लगातार बारिश होने की संभावना जताई है. सोमवार से मंगलवार तक 30 मिमी बारिश हुई है. मंगलवार को सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक करीब 60 मिमी से 70 मिमी बारिश दर्ज की गई. बेंगलुरु के उत्तरी हिस्से में भारी बारिश हुई है. सभी झीलें भर गई हैं और पानी के ओवरफ्लो होने के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई है.

चेन्नई व उसके पड़ोसी जिलों सहित तमिलनाडु के उत्तरी भागों व डेल्टा क्षेत्र में अभी राहत नहीं

बेंगलुरु में भारी बारिश से कई इलाकों में भरा पानी, लोगों को आने-जाने में हो रही परेशानी

बारिश से तिरुपति में विमान परिचालन प्रभावित

वहीं आंध्र प्रदेश के तिरुपति में भारी बारिश की वजह से बारिश को रेनिगुंटा हवाई अड्डे पर उड़ान परिचालन प्रभावित हुआ. तिरुमाला मंदिर जाने वाले पहाड़ी रास्ते पर भूस्खलन की खबर है. भारी बारिश से रनवे पर पानी भर जाने के कारण हैदराबाद से आने वाली कुछ उड़ानों को चेन्नई की ओर डायवर्ट कर दिया गया. लगातार हो रही बारिश से हवाई अड्डे की ओर जाने वाली सड़क भी जलमग्न हो गई. मंगलवार से हो रही भारी बारिश की वजह से निचले इलाकों में पानी भर गया, जिससे सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. इस बीच, घाट रोड पर भूस्खलन से तिरुमला पहाड़ी पर स्थित श्री वेंकटेश्वर मंदिर तक वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई है.

वहीं बेंगलुरु बुधवार को भारी बारिश से कई इलाकों में पानी भर गया. गुरुवार को भी लगातार बारिश होने की संभावना है. सोमवार से मंगलवार तक 30 मिमी बारिश हुई है. मंगलवार को सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक करीब 60 मिमी से 70 मिमी बारिश दर्ज की गई. बेंगलुरु के उत्तरी हिस्से में भारी बारिश हुई है. सभी झीलें भर गई हैं. पानी के ओवरफ्लो होने के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई है.

संयुक्त राष्ट्र रिपोर्ट | सामाजिक सुरक्षा की दृष्टि से समाज में महिला और पुरुष के बीच अंतर बढ़ रहा

पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की स्थिति अच्छी नहीं

एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र

लैंगिक समानता और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए काम करने वाली संयुक्त राष्ट्र की संस्था संयुक्त राष्ट्र महिला ने हाल ही में जारी एक रिपोर्ट में खुलासा किया है कि दुनिया भर में 2 अरब महिलाओं और लड़कियों में पुरुषों के मुकाबले समानता का अंतर काफी ज्यादा है.

विकास में महिलाओं की भूमिका पर विश्व सर्वेक्षण 2024 नाम से जारी इस रिपोर्ट में बताया गया है कि सामाजिक सुरक्षा की दृष्टि से समाज में महिला और पुरुष के बीच अंतर बढ़ रहा है. हमारे समाज की मुख्यधारा में लाभ, बेरोजगारी संरक्षण, पेंशन और स्वास्थ्य देखभाल सहित अनेक ऐसी नीतियां हैं जिसकी वजह से महिलाएं और लड़कियां गरीबी की ओर अधिक संवेदनशील हो रही हैं. अंतर्राष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस (17 अक्टूबर) से पहले प्रकाशित इस रिपोर्ट में साफ तौर पर बताया गया है कि साल 2015 के बाद से लोगों के सामाजिक सुरक्षा के स्तर में वृद्धि हुई है. इसके बावजूद लैंगिक असमानता (स्त्री पुरुष के बीच का अंतर) बढ़ गया है. इससे यह कहना आसान हो गया है कि हाल में लिए गए सरकारी फैसलों में पुरुषों को अधिक लाभ हुआ है. हालांकि इस रिपोर्ट में महिलाओं की उन्नति के बारे में भी बताया गया है. रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं की प्रगति के बावजूद, दुनिया भर में 63 प्रतिशत से अधिक महिलाएं अभी भी मातृत्व लाभ के बिना ही बच्चे को जन्म देती हैं. अफ्रीकी महाद्वीप के कई देशों में स्थिति 94 फीसदी महिलाओं के साथ है. बता दें कि एक अध्ययन में बताया गया है कि मातृत्व अवकाश के दौरान वित्तीय सहायता की कमी न केवल महिलाओं को आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचाती है, बल्कि उनके और उनके बच्चों के स्वास्थ्य को भी खतरे में डालती है, जिससे पीढ़ियों तक गरीबी बनी रहती है.

अध्ययन में महिलाओं व लड़कियों की संख्या गरीबों में सबसे ज्यादा

इस रिपोर्ट में लिंग आधारित गरीबी के बारे में विशेष जानकारी दी गई है. इसमें विस्तार से बताया गया है कि महिलाओं और लड़कियों की संख्या गरीबों में सबसे ज्यादा है, और सबसे ज्यादा अंतर उनके बच्चे पैदा करने के वर्षों में है. इसके मुताबिक 25-34 वर्ष की आयु की महिलाओं के समान आयु वर्ग के पुरुषों की तुलना में अत्यंत गरीब घरों में रहने की संभावना 25 प्रतिशत अधिक है. संघर्ष और जलवायु परिवर्तन इस असमानता को और बढ़ाते हैं. नाजुक परिस्थितियों में रहने वाली महिलाओं के गैर-नाजुक वातावरण में रहने वाली महिलाओं की तुलना में अत्यधिक गरीबी में रहने की संभावना 7.7 गुना अधिक है.

सैनी ने किया सरकार बनाने का दावा

- **हरियाणा :** सौंपी विधायकों की सूची, सीएम पद की शपथ आज

एजेंसी। चंडीगढ़

विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद नायब सिंह सैनी ने राज्यपाल के समक्ष सरकार बनाने का दावा पेश किया. उन्होंने राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय के समक्ष सरकार बनाने का दावा पेश किया है. नायब सिंह सैनी ने राज्यपाल को अपने समर्थन में आए विधायकों की सूची भी सौंपी है.

बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई विधायक दल की बैठक में नायब सिंह सैनी को विधायक दल का नेता चुना गया. विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद उन्होंने सभी विधायकों का धन्यवाद दिया. मुख्यमंत्री पद के लिए विधायकों ने उनके नाम पर सर्वसम्मति से मुहर लगाई है. विधायक दल की बैठक में अनिल विज और मनोहर लाल खट्टर ने मुख्यमंत्री पद के लिए उनका नाम प्रस्तावित किया था. अमित शाह ने कहा कि मुझे यह जानकर अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है कि नायब सिंह सैनी को फिर से विधायक दल का नेता चुना गया है और वह मुख्यमंत्री का पद ग्रहण करने जा रहे हैं. इस बीच, वह विपक्ष पर भी हमलावर दिखे. उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों द्वारा यह दुष्प्रचार किया गया कि किसानों के अन्याय हो रहा है. भाजपा के शासनकाल में किसानों के हितों पर कुठाराघात किया जा रहा है, लेकिन, ऐसा नहीं है. हमारी सरकार में समाज के हर वर्ग के हितों का विशेष ख्याल रखा जा रहा है. सैनी 17 अक्टूबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे. शपथ ग्रहण से संबंधित सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)